धनबाद
गुरूवार 20.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-1 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-8
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

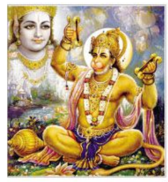

विशेष संपादकीय

ऑबजर्वर की क्रांतिकारी पत्रकारिता का 31वां वर्ष

झारखण्ड की धरती धनबाद से प्रकाशित होने वाला अखबार बिहार ऑबजर्वर आज ३१वां वर्ष में प्रवेश कर अपना स्थापना दिवस सप्ताह मना रहा है। निष्पक्ष पत्रकारिता को बाजारबाद के दौर में भी सारे झंझावातों को झेलते हुए पत्रकारिता का मसाल जलाए रखा है। १९९५ में २० फरवरी से आरंभ हुआ बिहार राज्य के समय का यह अखबार अपनी बुलंदियों के शिखर पर पहुंचा है। मीडिया के कई उतार-चढ़ाव हमने देखा है। समय चक्र के अनुसार कई अखबार अपनी पहचान दूसरे रूप में बनाया है। वहीं पत्रकारिता का मिसाल आज भी बिहार ऑबजर्वर कायम रखा है। दैनिक अखबार बिहार ऑबजर्वर झारखण्ड की खबरें पूरे देश को देता है जहां एक जिले की खबर दूसरे जिले के लोग नहीं पढ़ पाते वहां बिहार ऑबजर्वर धनबाद कोयलांचल से अखबार प्रकाशित कर झारखण्ड और बिहार के कई जिलों के अलावा कई प्रदेश में भी लोकप्रिय अखबार के रूप में चर्चित है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आने के बाद यह चर्चा था कि प्रिंट मीडिया बंद हो जाएगा। सोशल मीडिया आने के बाद भी चर्चा हुआ कि अखबार का जमाना गया लेकिन अखबार कल भी था और आज भी है और खबरों के मामले में सबसे विश्वसनीय माना गया है। सच्ची और खोजपूर्ण खबरें बिहार ऑबजर्वर अखबार की पहचान रही है। समस्त देशवासी, झारखण्डवासी और धनबाद वासियों का सहयोग मिलता रहा तो हम सच्ची पत्रकारिता का लौ जलाते रहेंगे। अखबारी कागजों पर जीएसटी लगाए जाने से कई अखबार उसका दंश झेल रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी से आग्रह होगा कि क्षेत्रिय अखबारों के न्यूज प्रिंट पर जीएसटी नहीं लगाएं और प्रिंट मीडिया के हित में अखबारों को सुविधा प्रदान करें जिससे हम कलम के सिपाही पत्रकारिता के रणक्षेत्र में खड़े रहें।

गणेश मिश्र, सम्पादक

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई सीएम

विधायक दल की बैठक में लगी मुहर, आज दोपहर शपथ ग्रहण समारोह

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक में रेखा गुप्ता को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री चुन लिया गया। नए सीएम के नाम का फैसला केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ की मौजूदगी में लिया गया।

विधानसभा चुनाव रिजल्ट के ११ दिन बाद बुधवार को शाम ७ बजे हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया गया है। इसी के साथ रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री की शपथ गुरुवार (२० फरवरी) को रामलीला मैदान में दोपहर १२:३५ आयोजित कार्यक्रम में लेंगी। गौरतलब है कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव २०२५ में जादुई आंकड़े से कहीं ज्यादा बहुमत हासिल कर सभी को चौंकाने का काम किया था। अब रेखा गुप्ता दिल्ली सरकार की कमान संभालेंगी।

शपथ ग्रहण समारोह आज

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की नई मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह २० फरवरी को राम लीला मैदान में आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे। यहां बताते चलें कि २७ साल के लंबे अंतराल के बाद भाजपा की सरकार दिल्ली में काबिज होने जा रही है।

झारखंड पुलिस के लिए नया ड्रेस कोड लागू

वर्दी के साथ रंग-बिरेंगे कपड़े पहने तो होगी कार्रवाई

रांची (एजेंसी): झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस अफसरों और जवानों के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया है। अब कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी के साथ रंग-बिरेंगे स्वेटर या जैकेट नहीं पहन सकेगा। सभी को सिर्फ खाकी रंग का ऊनी स्वेटर और जैकेट ही पहनना होगा।

डीजीपी ने आदेश दिया है कि पुलिस अफसर और कर्मी सर्दी के मौसम में सिर्फ तयशुदा खाकी रंग का स्वेटर या जैकेट ही पहनेंगे। इसके अलावा, जैकेट पर उनके पद के अनुरूप बैज भी लगा होना चाहिए। सभी जिलों और इकाइयों के एसपी व अधिकारी इस आदेश का पालन सुनिश्चित करेंगे। अगर कोई पुलिसकर्मी इस नियम का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आदेश में यह भी बताया गया कि भ्रमण के दौरान और सोशल मीडिया पर कई पुलिसकर्मी अलग-अलग रंग के स्वेटर, जैकेट और जूते पहने दिखे हैं, जो अनुचित है। सरकार की ओर से पुलिसकर्मियों को वर्दी भत्ता दिया जाता है, इसके बावजूद वे निर्धारित ▸▸ 8

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की राहुल गांधी को नसीहत, सेना को राजनीति में नहीं घसीटे

चीन के साथ सीमा विवाद पर बातचीत का दौर जारी

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को नसीहत दी है।

उन्होंने कहा कि सेना को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर बहुत चिंता की बात होगी। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना ने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है। यदि हम एक दूसरे से बात करते हैं तब बहुत से संदेह दूर हो पाएंगे। हमारी यह राय रही है कि किसी भी तरह से संदेह को खत्म किया जाए। इसके लिए हमारे द्वारा कोर कमांडर्स को ताकत दी है कि जहां भी संभव हो, वे फैसला ले लें। यदि बातचीत से कोई मसला हल होता है, तब कर लिया जाए। उन्हें यह पावर दी गई है कि यदि उनके लेवल से कोई मामला हल हो सकता है, तब क्यों ना ऐसा किया जाए। उसके लिए किसी भी तरह की मंजूरी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल राहुल गांधी ने कहा था कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा था कि लद्दाख सेक्टर में घुसपैठ हुई थी। इस पर उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए। वहीं महिलाओं को देवी काली की तरह सेना ▸▸ 8

पीएम मोदी 7 मार्च को सूरत जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर सूरत के अतिथि बनने जा रहे हैं। जानकारी सामने आई है कि पीएम मोदी ७ मार्च को लिंबायत के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। आपूर्ति विभाग की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी वृद्धावस्था सहायता पेंशन योजना के कार्यक्रम में शामिल होंगे। संभावना है कि पीएम मोदी सूरत में रात्रि विश्राम भी करेंगे। प्राप्त खबरों के मुताबिक पीएम ७ मार्च को सूरत पहुंचेंगे और लिंबायत इलाके में आपूर्ति विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। पीएम मोदी वृद्धावस्था सहायता पेंशन योजना के कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम शाम ५ बजे लिंबायत इलाके में आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी सूरत में रात्रि विश्राम करने की संभावना है। पीएम मोदी के सूरत दौरे को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

बिहार ऑबजर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेन्द्र कुमार
जिला परिवहन पदाधिकारी
लातेहार (झारखण्ड)

बिहार ऑबजर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

राज सिन्हा
विधायक भाजपा, धनबाद

बिहार ऑबजर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

मथुरा प्रसाद महतो
विधायक झारखण्ड मुक्ति मोर्चा
एवं मुख्य सचेतक

पेंशन हमारा अधिकार है : महासचिव

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड राज्य पेंशनर समाज के राज्य महासचिव महेश कुमार सिंह ने कहा कि पेंशन हमारा अधिकार है। इसे कोई भी सरकार नहीं रोक सकती। जो रोकेगी वह भस्म हो जाएगी। श्री सिंह बुधवार को खुदिया नदी किनारे आम बागान में समाज की गोविंदपुर शाखा की ओर से आयोजित वार्षिक मिलन समारोह सह वनभोज में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। संरक्षक डॉ. यूएल विश्वकर्मा ने कहा कि संगठन में बहुत ताकत होती है।

संगठित रहकर ही कामयाबी हासिल हो सकती है। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष केडीएन आजाद, सचिवीय प्रतिवेदन एवं स्वागत भाषण एसएन लाल त्यागी, संचालन कृष्ण प्रसाद गिरि एवं धन्यवाद ज्ञापन नकुल मंडल ने किया। समारोह की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि राज्य कोषाध्यक्ष चंद्रकांत सिंह, राज्य संयुक्त सचिव डी विश्वकर्मा, नीलकंठ मंडल, वासुदेव गोस्वामी, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, धुर्जटी दुबे, साधन चट्टोपाध्याय, रियासत अली अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, रामव्रत यादव, नमिता दास, सुधीर चंद्र दास, शांतिराम गोप, गुलेल अंसारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी जसीम अंसारी, बदरुद्दीन अंसारी, लोकेश घोषाल आदि ने भी विचार रखे। इस मौके पर ७५ साल, ८० साल, ८५ साल एवं ९० साल की आयु पूरी करने वाले पेंशनरों एवं संस्थापक सदस्यों को शॉल तथा धार्मिक पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में सुभाष चंद्र झा, जयप्रकाश साव, लाल मुनी सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार, छाया माजी, चित्रा सरकार, शीला कुमारी, सुशांतो पांडेय, सुरेश शर्मा, कमलदेव मंडल, ओमप्रकाश उपाध्याय, जावेद अली, उमेश चंद्र गोस्वामी आदि समेत बड़ी संख्या में अवकाश प्राप्त पदाधिकारी, चिकित्सक, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी आदि ने भाग लिया। समारोह के अंत में १ वर्ष के दौरान दिवंगत हुए सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण

कतरास (ससे) : दीक्षा महिला मंडल एवं कर्तव्य महिला समिति गोविंदपुर एरिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को गोविंदपुर एरिया अतिथि गृह में एक सौ से अधिक जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। सादे समारोह को संबोधित करते हुए दीक्षा महिला समिति की अध्यक्ष मिली दत्ता ने कहा कि महिला समिति एरिया वन से लेकर एरिया बारह तक समाज के जरूरतमंद लोगों को सामाजिक कार्य के तहत सहयोग करती है। समाज सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। कर्तव्य महिला समिति गोविंदपुर एरिया के अध्यक्ष चित्रा साहा ने कहा कि समिति हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेती है। मौके पर दीक्षा महिला समिति के उपाध्यक्ष पुर्विता रमैया, गोविंदपुर क्षेत्र के महिला समिति के सदस्य सीमा जायसवाल, कंचन कुमार, सुनीता, विजय कुमार, मुसरत कलीम, माला झा, कुहेली देवाशी, कोमल खरे, सुनीता कुमार, सीमा जयसवाल, रीना दत्ता, सुनीता सिंह आदि उपस्थित थे।

आउटसोर्स कंपनियां व ट्रांसपोर्टिंग माफिया पर अब सरकार कसेगी शिकंजा

धनबाद (कासं) : कोयलांचल सहित झारखंड के ट्रांसपोर्ट माफिया पर शिकंजा कसने की सरकार तैयारी कर ली है। कोयला खनन में लगी आउटसोर्स कंपनियां भी इसकी चपेट में आएंगी। बताते है कि किसी भी को मिलेगी। अभी हाल ही में झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर धनबाद आए थे। उन्होंने संकेत दिया था कि कोलियरी इलाकों में ट्रांसपोर्ट में लगे वाहनों के कागजात अपडेट नहीं रहते। निजी ट्रांसपोर्ट कंपनियों

खनन क्षेत्र में सक्रिय ट्रांसपोर्ट माफिया पर शिकंजा बहुत जल्द कसा जाएगा।

ट्रांसपोर्ट माफिया अब झारखंड में खनिज और माइनिंग क्षेत्र में टैक्स डिफॉल्टर और अवधि खत्म हो गई पुरानी गाड़ियां नहीं चला सकेंगे। इन पर बैन लगा दिया जाएगा। खनन और परिवहन विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। यह सब लागू होने से राज्य में खनन के क्षेत्र में चल रहा ट्रांसपोर्टिंग सिस्टम बदल जाएगा। सरकार की आमदनी भी बढ़ जाएगी। खनन विभाग अब परिवहन और उत्खनन के लिए ऐसी गाड़ियों को ट्रांसपोर्टिंग चालान जारी नहीं करेगा।

विभाग खनिज परिवहन चलान देने से पहले जिम्स पोर्टल में एक फ़िल्टर लगाएगा। इसमें परिवहन के लिए आए वाहनों के नंबर की जांच होगी। पता लगाया जाएगा कि वाहन का परिचालन टैक्स अपडेट है या नहीं, गाड़ी चलने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है या नहीं, दोनों रिपोर्ट पॉजिटिव हुए तभी ही माइनिंग चालान गाड़ी के साथसाथ भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की गाड़ियों के भी कागजात दुरुस्त नहीं होने की बात उन्होंने कही थी। वित्त मंत्री ने यहां के अधिकारियों को इस पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

बताया जाता कि सिर्फ कोयला ही नहीं, बल्कि अन्य खनन क्षेत्र में ट्रांसपोर्टिंग माफिया सक्रिय है। कोयलांचल में तो ट्रांसपोर्टिंग का धंधा बेखौफ चलता है। आउट सोर्स कंपनियां भी इसी राह पर चलती है। ट्रांसपोर्टिंग का धंधा कम से कम कोयलांचल में तो फायदे का धंधा है। अगर कोयलांचल के पुराने इतिहास को देखेंगे तो पता चलेगा कि ट्रांसपोर्टिंग के धंधे से ही कई लोग खाकपति से अरबपति बन गए। बालू भरा नहीं जाता था और बिल बना लिया जाता था। नतीजा है कि आज खनन क्षेत्र में लगातार जमीन धंस रही है, लोग मर रहे है। अब जाकर झारखंड सरकार इस और सक्रिय हुई है और खनन माफिया पर शिकंजा कसने की तैयारी अब शुरू कर दी गई है। देखना है आगेआगे होता है क्या?

दीवार तोड़ने पर सुरक्षा गार्ड व लोगों में भिड़ंत

जोड़ापोखर (ससे) : जामाडोबा ४ नंबर हरिजन पट्टी में बुधवार की दोपहर टाटा कंपनी की जमीन पर अवैध निर्माण कार्य को सुरक्षा गार्डों ने तोड़ा। दीवार तोड़ने के क्रम में स्थानीय लोगों व सुरक्षा गार्डो की बीच भिड़ंत हो गई। लोगों ने एक गार्ड को बंधक बना लिया। घटना की सूचना जोड़ापोखर पुलिस को दी गई। पुलिस घटना स्थल पर पहुँचकर बंधक बनाए गए सुरक्षा गार्ड को छुड़ाकर ले गए तब जाकर मामला शांत हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त जगह पर हमलोग ५० वर्षों से रह रहे है। यह जमीन राज्य सरकार की है। बगल में टाटा कंपनी का जमीन है जिसे कंपनी ने पूर्व में ही घेर लिया गया है। कंपनी के सुरक्षा गार्ड जबजब निर्माण कार्य होता है तब आकर अपनी जमीन बताकर तोड़ देते है। उन्होंने सरिता देवी के साथ भी ऐसा ही किया है। उनका पांच फीट से ऊपर दीवाल उठा हुआ था दर्जनों की संख्या में सुरक्षा गार्ड पहुँचकर उसे तोड़फोड़ किया है। फिलहाल किसी के द्वारा थाना में शिकायत नहीं की गई है।

सीआईएसएफ ने बंद कराया कोयला का अवैध खनन

कतरास (ससे) : जोगता थाना क्षेत्र के बीसीसीएल एरिया ५ अंतर्गत न्यू श्यामबाजार ६ नंबर बस्ती में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से कोयला खनन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सीआईएसएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुहानों को भरवा दिया। न्यू श्यामबाजार ६ नंबर बस्ती में कुछ असामाजिक तत्व पिछले कुछ दिनों से अवैध रूप से कोयला खनन कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने जमीन में मुहाने बना लिए थे। इस अवैध गतिविधि की सूचना मिलने पर सीआईएसएफ की टीम मौके पर पहुंची और मुहानों को भरवाकर अवैध खनन को बंद कराया। जिससे स्थानीय लोगों ने सीआईएसएफ की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अवैध कोयला खनन से क्षेत्र में प्रदूषण और खतरा बढ़ गया था, सीआईएसएफ की कार्रवाई से उन्हें राहत मिली है।

गेट का ताला तोड़ 5 लाख का जेवरात चोरी

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के फुसबंग्ला निवासी रमेश कुमार बंसल के घर के गेट का ताला तोड़कर चोरों ने ८० हजार रुपये नकदी सहित ५ लाख के जेवरात की चोरी कर ली है। श्री बंसल ने थाना में मामला दर्ज कराया है। श्री बंसल ने बताया है कि वह अपनी पत्नी का इलाज कराने वैलोर गये हुए थे। बुधवार को लौट कर जब घर गया तो देखा की घर के पीछे का दरवाजा का ताला तोड़ दिया गया है। घर के अन्दर प्रवेश कर अलमारी में रखा गया ८० हजार रुपये नकद सहित सोने का चैन, कानबाली, चांदी का सिक्का, पायल सहित कई कीमती गहने को चोरों ने चुरा लिया है। जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने बताया है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस के खिलाफ गोलबंद हुए ग्रामीण, आंदोलन की धमकी

जोड़ापोखर (ससे) : जीनागोरा में पिछले दिनों आउटसोर्सिंग परियोजना में समर्थकों और ग्रामीणों के बीच हुई भिड़ंत की घटना के बाद सुरंगा कुम्हार टोला में ग्रामीणों द्वारा आउटसोर्सिंग के आधा दर्जन कर्मियों के साथ की गई मारपीट की घटना में पुलिस द्वारा आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने से भड़के पीड़ित परिवार ने आंदोलन करने का निर्णय लिया। मामले को लेकर बुधवार को कुम्हार टोला में पीड़ित लोगों के समर्थन में बस्ती के लोगों ने दीपक राय की अध्यक्षता में एक बैठक कर जिला प्रशासन से घटना की जांच कर अविलंब आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने पर डीसी कार्यालय पर धरना देने का निर्णय लिया।

बैठक के बाद पीड़ित दीपक राय, बिनोद राय हरिलाल रजक, गोविंद रजक आदि ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि गांव के पांडव रजक और मिथुन बाउरी बाहरी है पांडव रजक जामताड़ा का रहने वाला है सिर्फ पांच डिसमिल जमीन खरीदकर अपने को रैयत बताते हैं और गांव वाले को भड़काते है, जो कि रैयत भी नहीं है वे लोग अपना हित साधने को लेकर ग्रामीणों को भड़का कर उसकी हकमारी करने में लगा है। गांव के जो लोग पांडव का साथ नहीं दे रहे हैं उसे वे लोग टारगेट कर मारपीट कर रहे है। इसी क्रम में ८ फरवरी को आउटसोर्सिंग कर्मी विनोद राय, विनय राय, यहां तक कि बीबीएम कॉलेज से पढ़ाई कर आ रहे जयदेव रजक को बेरहमी से मारपीट कर घायल करने की घटना को अंजाम दिया गया।

उक्त घटना हुए दस दिन बीत गए लेकिन पुलिस ने अभी तक ना तो प्राथमिकी दर्ज की पीड़ितों ने पत्रकारों को अपनी जख्म दिखाते हुए जिला पुलिस प्रशासन से आउटसोर्सिंग परियोजना की घटना के बाद कुम्हार टोला के लोगों के साथ हुई घटना की अविलंब जांच कर कार्रवाई करने, परियोजना के प्रभावित वाजिब रैयत को

हरिलाल रजक, मंटू रजक, अनिल रजक, बूढ़ेश्वर राय, सुदाम कुम्भकार, गोविंद रजक के घर पर हमलाकर तोड़फोड़ किया गया। महिलाओं के साथ अभद्रता की गई।

इस दौरान हमलावरों ने बिनोद राय, विनय राय के साथ मारपीट कर पैर हाथ तोड़ दिया। गई है ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई किया गया है। जिससे आरोपियों के मनोबल बढ़ा हुआ है और आए दिन कार्य करने को आनेजाने के दौरान जान से मार देने कि धमकी दिया जा रहा है। दीपक राय, अनिल राय, जयदेव, होलिका देवी सहित अन्य उसका हक दिलाने तथा फर्जी रैयत बनकर क्षेत्र में अशांति फैलानेवाले के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग किया है।

घटना में तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। कुम्हार टोला के लोगों ने भी शिकायत पत्र दिया है और जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

कलश यात्रा के साथ श्री श्री 108 रूद्र महायज्ञ शुरू

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र अन्तर्गत धोबनी धंडावर शुक्रवार हटिया के प्रांगण में बुधवार को भव्य कलश यात्रा सह शोभा यात्रा के साथ ९ दिवसीय श्री श्री १०८ रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। लगभग ७०० कन्या व महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर गाजे बाजे के साथ यज्ञ स्थल से निकली। कलश यात्रा धोबनी धंडावर यज्ञ स्थल से शुरू होकर धोबनी, मुनीडीह बाज़ार, इंदिरा चौक, जतुड़ीह, बालूडीह होते हुए कपाट घाट पहुँची। जहाँ पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल भरण कराया। जिसके बाद यात्रा पुनः यज्ञ स्थल पहुँच कर समाप्त हुआ। २० से २२ फरवरी तक प्रवचन का कार्यक्रम निर्धारित है।

वहीं २३, २४, २५ व २६ फरवरी को क्रमशः हेमंत दुबे, अर्चना गोस्वामी, स्नेहा सरगम तथा पंकज दुबे द्वारा भक्तिमय जागरण का आयोजन किया जाएगा। आगामी २७ फरवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन एक भक्तिमय जागरण के साथ होगा। यज्ञ मण्डप का उद्घाटन समाज सेवी ए के सहाय ने किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद प्रसाद महतो, अध्यक्ष, सुरेश सिंह चौधरी उपाध्यक्ष, गौतम सिंह चौधरी सचिव, इंद्रजीत महतो सहायक सचिव, निवारण महतो कार्यालय प्रभारी आदि का अहम् योगदान रहा।

डीएवी में क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला का समापन

जोड़ापोखर (ससे) : बुधवार को डीएवी मॉडल स्कूल, सीएफआरआई धनबाद में १७ से चल रही तीन दिवसीय क्षमता संवर्द्ध कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यशाला माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक हिन्दी, संस्कृत एवं वाणिज्य संकाय में डीएवी पब्लिक स्कूल्स जोनई के विभिन्न विषयवार शिक्षकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं संवर्द्धन हेतु डीएवी सीएमसी दिल्ली के तत्वावधान एवं प्रशिक्षण समन्वयक और क्लस्टर प्रमुख प्रज्ञा सिंह सह प्रिंसिपल डीएवी बिष्टुपुर, जमशेदपुर के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पूरा हुआ।

कार्यशाला की सफलता मेजबान स्कूल की नवनवोन्मेषशालिनी एवं अनुशासन प्रिय प्राचार्या महुआ सिंह की देखरेख एवं दिशा-निर्देशन में हुआ। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रज्ञा सिंह एआरओ सह प्रिंसिपल डीएवी बिस्टुपुर ने सभी प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्या रेखा कुमारी डीएवी चाईबासा ने आकर सभी का मार्गदर्शन किया। इसमें कुल ८ स्कूल डीएवी सीएफआरआई, डीएवी विष्टुपुर, डीएवी चाईबासा, डीएवी जामाडोबा, डीएवी नोआमुंडी, डीएवी महुदा, डीएवी बरोरा, डीएवी सिजुआ शामिल हुए। स्कूल की प्राचार्या महुआ सिंह ने कहा कि तीन दिवसीय कार्यशाला से शिक्षकगण लाभान्वित होंगे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कक्षा कक्ष को खुशनुमा एवं पठन-पाठन योग्य माहौल बनाना है। बच्चों को तनाव मुक्त रख, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है, जो नयी शिक्षा नीति में विशेष रूप से आवश्यक तत्व हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई की शिक्षकों के समक्ष कक्षा कक्ष में जो समस्याएं आया करती हैं, उनका निवारण अवश्य हुआ होगा। समापन के अवसर पर प्राचार्या चंद्रानी बनर्जी डीएवी पब्लिक स्कूल सिजुआ, प्राचार्य राकेश शर्मा डीएवी पब्लिक स्कूल बरोरा, प्रायार्य आशीष मंडल डीएवी महुदा, प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा डीएवी जामाडोबा भी मौजूद थे। विभिन्न संकाय के मास्टर ट्रेनर विषयवार प्रशिक्षुओं की कार्यशाला में सक्रिय सहभागीदारी से प्रसन्न है।

डीएवी के छात्रछात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का भ्रमण

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा की प्राचार्या झूमा महता के निर्देशन में कक्षा ११वीं के छात्रछात्राओं ने साबलपुर रोड स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के सेवार्थ व भावनात्मक जुड़ाव तथा सामाजिक सेवा की भावना के साथ भ्रमण किया। बच्चों ने वहाँ पर खाद्यपदार्थ, वस्त्र व दैनिक उपभोग की सामग्री दान की। वृद्धजनों ने बच्चों को खूब आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। विद्यालय के बच्चों व संगीत शिक्षक के भावपूर्ण भजन प्रस्तुति से वृद्धजन अति प्रसन्न हुए। प्राचार्य ने बच्चों को अपने मातापिता व परिवार में सभी बुजुर्गों की निरंतर सेवा करने का संदेश दिया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक एके तिवारी, एमके सिंह, एके मिश्र, नरगीश जेबा, भूषण कुमार सिंह, सुमंत कुमार व सूरज दत्ता आदि उपस्थित थे।

बिहार ऑब्जर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

बाबू नंद प्रसाद
उपाध्यक्ष
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)
धनबाद महानगर

बिहार ऑब्जर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

लालू यादव जिंदाबाद, तेजस्वी यादव जिंदाबाद

भोलू यादव
अध्यक्ष
राष्ट्रीय जनता दल
बाघमारा प्रखण्ड

दैनिक बिहार ऑब्जर्वर धनबाद के 31वां स्थापना दिवस पर झारखण्डवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लकी शर्मा
झामुमो के पूर्व जिला सचिव
सह
जिला अध्यक्ष
युवा लोहार विकास मंच

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

प्रेस क्लब ब्लू ने जीता मीडिया कप

राजा को मिला मैन ऑफ द मैच व मैन ऑफ द सीरिज का पुरस्कार

धनबाद (कासं) : बुधवार को रेलवे स्टेडियम धनबाद में चल रहे धनबाद प्रेस क्लब मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट २०२५ का फाइनल मैच खेला गया। इस मैच में धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने डी थ्री को मात देते हुए ट्रॉफी पर कैंजा किया। वहीं ब्लू टीम के खिलाड़ी राजा को मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरिज व बेस्ट बालर का खिताब भी मिला। वहीं सर्वश्रेष्ठ बालर विक्रम, बेस्ट फील्डर व कैप्टन का पुरस्कार ब्लू टीम के राममूर्ति पाठक को दिया गया। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त माधवी मिश्रा, टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के उदयवीर सिंह, विधायक राज सिन्हा, डीआरएम धनबाद कमल किशोर सिन्हा, सीनियर डीपीओ अजीत कुमार, सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार समेत सभी फ्रेंचाइजी, संपादक वे वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे।

फाइनल मैच से पहले उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा समेत अन्य अतिथियों ने मैच का उद्घाटन करते हुए टीम डीथ्री और डीपीसी ब्लू के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उपायुक्त ने अपनी शुभकामनाएं भी दीं। २० ओवर के इस मैच में डीथ्री ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर टीम ने १२८ रन बनाए।

जवाबी पारी खेलते हुए धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने महज १०.४ ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर १३१ रन बनाकर मैच जीत लिया। दोनों टीमों को विधायक राज सिन्हा, टूर्नामेंट के टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के अधिकारी उदयवीर सिंह, जिला वन पदाधिकारी विकास पालीवाल, सूर्या रीयलकॉन के संतोष सिंह, नपान ग्रुप के अमित रंजन, डीथ्री के शांतनु चंद्रा, रामअवतार ग्रुप के अमरेश सिंह, मिरर मीडिया के धीरेंद्र राय, निरसिंह इस्पता की ओर से मनोज शर्मा, दैनिक जागरण के संपादक डा. चंदन शर्मा, प्रभात खबर के संपादक जीवेश रंजन, दैनिक भास्कर के संपादक विकास कुमार सिंह, खबर मंत्र के संपादक ज्ञानवर्धन मिश्रा, बिहार आब्जर्वर के संपादक गणेश मिश्रा और आवाज के संपादक अमित सिन्हा ने विजेता और उपविजेता ट्रॉफी देकर टीमों को सम्मानित किया।

इस दौरान आयोजनकर्ता धनबाद प्रेस क्लब की ओर से कमंट्रेटर परवेज, रेलवे मैदान के क्यूरेटर दुलाल दा, स्कोरर प्रिंस, एम्पायर शशि सिंह व राजू प्रसाद, क्लब अनुशासन समिति सदस्यों, धनबाद के वरिष्ठ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष संजीव झा, वरीय उपाध्यक्ष शशि राय, महासचिव अजय प्रसाद, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष प्रतिक पोपट, बलवंत कुमार, अमर प्रसाद, सुरेंद्र यादव, शरदचंद्र पांडेय, सचिव मोहन गोप, संजय चौरसिया, नवीन राय, राममूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी के विक्की प्रसाद, रोशन सिन्हा, विपीन कुमार रजक, गोपाल प्रसाद और शांभवी सिंह मौजूद थीं।

हत्या मामले में पति समेत 6 लोगों को आजीवन कारावास

धनबाद (कासं) : जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र के घोंघाबाद में २ साल पुराना हत्या के मामले में पति समेत ससुराल के ६ लोगों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पिछली तारीख पर ही सभी आरोपियों को अदालत ने दोषी करार दिया था। सरकारी वकील भरत राम ने बताया कि जिला और सत्र न्यायधीश सप्तम कुलदीप की अदालत ने यह फैसला सुनाया है।

दरअसल, बलियापुर थाना क्षेत्र के घोंघाबाद के रहने वाली किरण देवा की हत्या के मामले में पति देवेन कर्मकार, सास जोशना देवी, चाचा ससुर शंकर कर्मकार, सुनीता देवी, देवर बीटू कर्मकार व दीपक कर्मकार ने की थी। जिसके बाद १० जून २०२२ को सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पुलिस अपने अनुसंधान के बाद ४ सितंबर २०२२ को ६ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित किया था। २० जून २०२२ को अदालत ने पति देवेन कर्मकार समेत ६ आरोपियों के विरुद्ध आरोप गठित कर सुनवाई शुरू की थी। सुनवाई के दौरान कुल १८ गवाहों की गवाही अदालत में हुई।

इस मामले को लेकर सरकारी वकील भरत राम ने बताया कि सूचक, आईओ और डॉक्टर समेत अन्य की गवाही इस मामले में की गई है। जिसके बाद सभी छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही १०१० हजार रुपए का जुर्माने का भी फैसला सुनाया है।

मृतका की बहन लखी देवी ने बताया कि किरण की पहले गला दबाकर हत्या की गई, फिर उसके शव को पास के स्कूल में ले जाकर जला दिया गया। उन्होंने कहा कि देखने से ही लग रहा था कि उसको जलाया गया है। उन्होंने बताया कि मृतका का पति देवेन कर्मकार हमेशा दहेज के लिए उसे प्रताड़ित किया करता था। ससुराल वाले २ लाख रुपए की मांग कर रहे थे।

मृतका की बहन ने कहा कि अगर पुलिस को पहले सूचना दी गई होती तो शायद उसकी बहन की जान बच सकती थी। उन्होंन कहा कि पिता हराधन कर्मकार की मौत २०१२ में ही हो चुकी है। मां बहन की मौत के बाद सदमे के कारण उसकी यादाश्त चली गई है। उन्होंने कहा कि उनकी ६ बहने मिलकर इंसाफ के लिए लगातार कोर्ट पहुंचती रही और अंत में इंसाफ मिला है। कोर्ट की इस फैसले के बाद सभी बहनें खुश हैं।

बहन को न्याय दिलाने के लिए सभी ६ बहनों के ससुरालवालों ने भी भरपूर सहयोग किया। मृतका के जीजा ने कहा कि उसकी पत्नी सबसे बड़ी बहन है। घटना के दिन से ही उन्होंने अपना पूरा साथ अपनी पत्नी और परिवार को दिया। अन्य बहनों के परिवार ने भी उतना ही साथ दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष को आगे आना बेहद जरूरी है, तभी गुनाहगार को सजा मिल सकती है।

सड़क दुर्घटना में एक घायल

धनबाद (कासं) : धनबाद शहर के पूजा टॉकिज के समीप बुधवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर बाइक को धक्का मारते हुए पलट गई। दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया। ट्रैफिक पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को हटवा कर यातायात सुचारू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाइक सवार को स्थानीय निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

झरिया में सब्जी विक्रेता ने लगाई फांसी

झरिया (ससे) : झरिया थाना क्षेत्र के धर्मशाला रोड स्थित डीडी बिल्डिंग में सब्जी विक्रेता सूरज साव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव बुधवार की सुबह कमरे में पंखा के सहारे फंदे से लटका मिला। सूरज साव स्टील गेट में थोक सब्जी कारोबारी की दुकान पर सब्जी बेचने का काम करता था। उसके पुत्र शुभम साव ने बताया कि पिता अक्सर शराब का सेवन करते थे। उसकी मम्मी नानी घर गई हुई थी। बुधवार की सुबह करीब ९ बजे उसने जब पिता के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। उसे लगा कि वो सो रहे। जिसके बाद वह अपने काम पर चला गया। कुछ घंटे बाद पड़ोसियों ने फोन कर घटना की जानकारी दी। वह तुरंत भागा घर पहुंचा, तो देखा कि पिता फंदे से झूल रहे हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर झरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कैंजे में लेकर जांच में जुट गई। खबर लिखे जाने तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया था।

लीकेज को लेकर जलापूर्ति ठप

जोड़ापोखर (ससे) : झमाडा जल संयंत्र केंद्र जामाडोबा से लीकेज मरम्मती को लेकर बुधवार को जलापूर्ति ठप रही। झरिया की एक लाख आबादी को तीसरे दिन भी पीने का पानी नहीं मिल सका। जिससे आम लोगों में आक्रोश व्याप्त है। हलांकि कर्मियों की माने तो लीकेज मरम्मति का कार्य पूरा कर लिया गया है। सनद हो कि १७ फरवरी को केंद्र परिसर में झरिया जलमीनार को जाने वाली ३० इंची पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण जलापूर्ति बाधित रही थी। जिसे कर्मियों ने मरम्मति कर मंगलवार की दोपहर को झरिया जलमीनार को पानी भेजना शुरू कर दिया था। तभी पानी के प्रेशर रहने के कारण केंद्र परिसर में ही दूसरे जगह ज्वाइंट पर लीकेज हो गई। जिसका मरम्मति कार्य बुधवार को शुरू किया गया। मरम्मति कार्य पूरा कर उसके ऊपर कंक्रीट से ढलाई की गई है जिसके सूखने में लगभग २४ घन्टे का वक्त लगता है। गुरुवार को झरिया जलमीनार को पानी भेजने की उम्मीद है। मरम्मति कार्य पूरा कर लिया गया है। गुरुवार को झरिया क्षेत्रों में जलापूर्ति होने की उम्मीद है।

मोर्चा ने एफसीआईएल अधिकारियों का फूंका पुतला

सिंदरी (ससे) : बुधवार को डोमगढ के लोगों के द्वारा एक महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य एफसीआईएल अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। मोर्चा ने एफसीआईएल के अधिकारियों का पुतला दहन किया, जो कि उनके खिलाफ चल रहे मुद्दों को लेकर गहरी असंतोष और निराशा का प्रतीक था।

विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए सभी लोगों ने मिलकर इस पुतला दहन कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी आवाज को बुलंद किया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य एफसीआईएल द्वारा स्थानीय को नजरअंदाज करने या उनके अधिकारों का उल्लंघन करने के खिलाफ संघर्ष करना था।

यह प्रदर्शन मुख्य रूप से बरसों से डोमगढ में रहने वाले लोगों को नोटिस देखकर डराना, धमकाने का काम करना, सरकारी नीतियों के मुद्दों को लेकर था। लोगों का कहना था कि एफसीआई के अधिकारियों द्वारा गलतियां हो रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों और जरूरतमंदों को उचित तरीके से रहने की आजादी नहीं है और नहीं मिल पा रही है। इसके अलावा, एफसीआईएल के द्वारा स्थानीय मुद्दों को नजरअंदाज करने और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से लोग नाराज थे।

डोमगढ में रहने वाले स्थानीय लोग एफसीआई के अधिकारियों द्वारा किए गए विभिन्न निर्णयों से डरे सहमे हैं।

यह पुतला दहन एक प्रतीकात्मक आंदोलन था, लेकिन मोर्चा ने यह स्पष्ट किया है कि यह उनका अंतिम कदम नहीं है। वे आगे भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे और जरूरत पड़ने पर अन्य प्रकार के आंदोलनों का सहारा लेंगे। उनके लिए यह आंदोलन केवल एफसीआईएल के अधिकारियों के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को सुधारने और स्थानीय समुदायों की भलाई के लिए है।

डोमगढ बचाओ मोर्चा का यह प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि स्थानीय लोग अब अपनी समस्याओं को लेकर जागरूक हो रहे हैं और उनका समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय हो रहे है। भविष्य में अगर स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता है तो आम जनता उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। पुतला दहन में डोमगढ की समस्त जनता उपस्थित थी।

उदित राज के बयान से चढ़ा बसपा नेताओं का पारा

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस नेता उदित राज ने बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर विवादित बयान दिया, जिससे बसपा नेताओं का पारा चढ गया है। बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने बुधवार को उदित राज पर जोरदार हमला बोला और कहा कि उनके खिलाफ यूपी पुलिस को ऐक्शन लेना चाहिए। उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। बता दें कांग्रेस नेता उदित राज ने लखनऊ में कहा था कि मायावती ने दलित आंदोलन का गला घोटा था और अब समय आ गया है कि उनका ही गला घोट दिया जाए। उनके इस विवादित बयान पर बवाल मच गया है। बसपा के नेताओं ने इसे लेकर कांग्रेस से उन पर एक्शन की मांग की है। बसपा नेताओं ने कहा कि यदि उदित राज को नहीं हटाया गया तो माना जाएगा कि यह कांग्रेस पार्टी की राय है। मिश्रा ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस को इसका जवाब इस देश का दलित समाज, पिछड़ा वर्ग व हर स्वाभिमानी भारतीय चाहे वो अल्पसंख्यक हो या समान्य वर्ग के लोग हो महिलाएं हो जरूर देंगे। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद उदित राज द्वारा मायावती पर दिया गया शर्मनाक, अपमानजनक और निंदनीय बयान न सिर्फ बहन जी का अपमान है, बल्कि यह पूरे बहुजन समाज के दलितों और स्वाभिमानी भारतीयों की गरिमा पर हमला है।

24 को पीएम मोदी जारी करेंगे पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त

नई दिल्ली (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २४ फरवरी को बिहार के भागलपुर से पीएम किसान सम्मान निधि की १९वीं किस्त जारी करने वाले है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में सालाना ६ हजार रुपये भेजे जाते हैं। किसानों के खाते में ये राशि हर ४ माह के अंतराल में ३ किस्तों में भेजी जाती है। हर किस्त में मोदी सरकार की ओर से २,००० रुपये दिये जाते हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए ईकेवाईसी होना अनिवार्य है। अगर आपने अभी तक ईकेवाईसी अपडेट नहीं किया हैं तब १९वीं किस्त से वंचित रह सकते हैं। वहीं, योजना का लाभ पाने के लिए किसानों के पास आधार कार्ड, बैंक अकाउंट होना जरुरी है। इसके साथ जमीन के दस्तावेज, निवास प्रमाण पत्र भी जरूरी हैं। किसानों को इस स्कीम का लाभ पाने के लिए अपने जमीन का सत्यापन करवाना भी जरूरी है। इसमें से किसी भी डॉक्यूमेंट के ना होने पर किसान पीएम किसान योजना से वंचित रह सकते हैं।

इस योजना का लाभ वहीं किसान ले सकते हैं जो सरकारी नौकरी न करता हो और इनकम टैक्स न भरता हो। यह योजना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है। नियमों के मुताबिक, योजना का लाभ परिवार के एक ही सदस्य को मिल सकता है। अन्य सदस्यों को योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा ईकेवाईसी की प्रकिया पूरा नहीं करने वाले किसानों को भी पीएम किसान योजना की अगली किस्तों से वंचित रखा जा रहा है।

भगदड़ की घटनाओं का हवाला देकर महाकुंभ को मृत्यु कुंभ करार दिया ममता ने

नई दिल्ली (ईएमएस) : प्रयागराज महाकुंभ जैसेजैसे अंतिम चरण की ओर जा रहा हैं वैसेबैसे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बढ़ रही है। लोग स्नान करने के लिए संगम के पवित्र तट पर उमड़ रहे हैं। वहीं इस मुद्दे पर सियासत भी जोर पकड़ रही है। महाकुंभ को लेकर विपक्षी नेताओं की ओर से इसतरह के बयान सामने आ चुके हैं, इन बयानों को लेकर घमासान तेज हो गया है। सबसे ताजा मामला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जुड़ा है। ममता ने महाकुंभ के आयोजन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधकर मृत्यु कुंभ की संज्ञा दी है। उनके बयान पर अब विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, विपक्षी नेताओं में वे अकेली नहीं हैं जिन्होंने इस तरह की टिप्पणी की है। लालू यादव, मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई और सियासी दिग्गजों ने इसतरह के बयान दिए हैं।

महाकुंभ को लेकर चल रही भीड़ के बीच ममता ने अजीब कमेंट किया है। उन्होंने हालिया भगदड़ की घटनाओं का हवाला देकर महाकुंभ को मृत्यु कुंभ करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस धार्मिक आयोजन में वीवीआईपी को विशेष सुविधाएं मिल रही हैं, जबकि गरीब और सामान्य श्रद्धालु इन सुविधाओं से वंचित हैं।

इसकारण अब महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल चुका है। वीआईपी लोगों को खास सुविधाएं दी जा रही हैं। आप देश को बांटने के लिए धर्म बेच रहे हैं। ममता ने कहा कि बंगाल पहुंचे शवों का यहां पोस्टमॉर्टम किया क्योंकि आपने बिना डेथ सर्टिफिकेट के शव भेज दिए। इन लोगों को मुआवजा कैसे मिलेगा?

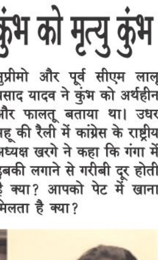

दरअसल विपक्षी नेताओं में ममता अकेली नहीं हैं। लालू प्रसाद यादव, खरगे ने भी कुंभ के आयोजन, हाल ही में हुई भगदड़ की घटनाओं पर इसतरह के कमेंट किए थे। आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने कुंभ को अर्थहीन और फालतू बताया था। उधर महू की रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने कहा कि गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होती है क्या? आपको पेट में खाना मिलता है क्या?

वहीं लालू ने कुंभ को अर्थहीन बताकर कहा कि कुंभ का कोई मतलब नहीं, फालतू है कुंभ। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर उन्होंने रेलवे को जिम्मेदार ठहराकर रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बहुत दुखद घटना घटी है। यह रेलवे की गलती है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने १४४ साल बाद कुंभ होने के दावे पर सवाल उठाए थे। शिवपाल यादव ने भी इन दावों को खारिज कर सरकारी धन का दुरुपयोग करार दिया था। बीजेपी ने विपक्ष पर सनातन धर्म विरोधी होने का आरोप लगाया है। भले ही विरोधी नेताओं के द्वारा सवाल उठाया जा रहा, लेकिन सच यह हैं कि कुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक ५५ करोड़ से ज्यादा लोगों ने पवित्र स्नान किया है। बीजेपी ने विपक्ष के बयानों को सनातन धर्म और हिंदुओं के प्रति द्वेष बताया है।

पश्चिम बंगाल की सीएम के बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी नेता सनातन और हिंदुओं से नफरत करते हैं। ममता ने महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहकर यह साफ कर दिया कि सनातन और हिंदुओं के प्रति उनके मन में नफरत है। अखिलेश यादव महाकुंभ में अकबर को खोज रहे हैं, वहीं राहुल गांधी ने अभी तक महाकुंभ में डुबकी नहीं लगाई है।

जीटी रोड रही घंटों महाजाम से परीक्षार्थी रहे परेशान

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड का दोनों लेन बुधवार को महाजाम में फंसा रहा। महाजाम सुबह से लेकर रात तक लग रहा। सड़क पर महाजाम में गाड़ियां रेंगता रही। इस महाजाम जाम से सबसे ज्यादा प्रभावित झारखंड अधिविध परिषद की माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट के परीक्षार्थी प्रभावित हुए।

गोविंदपुर बाजार इलाके में प्रोजेक्ट हाई स्कूल, सेठ सुखीराम बालिका विद्यालय गोविंदपुर एवं प्लस टू हाई स्कूल गोविंदपुर परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रो के अलावा उच्च विद्यालय पथोरिया नरसिंह नारायण उच्च विद्यालय बागसुमा एवं मध्य विद्यालय देवली केंद्र के परीक्षार्थी भी परेशान रहे। परीक्षा केन्द्रो तक पहुंचने में परीक्षार्थियों को भारी परेशानी हुई। सड़क जाम के कारण परीक्षार्थियों के समक्ष भागम भाग की स्थिति पैदा हो गई। कई विद्यार्थी परीक्षा केंद्र में लेट से पहुंचे सड़क जाम के कारण। धनबाद से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे कई एंबुलेंस भी फंस गए और उसपर सवार मरीज भी परेशान रहे। कौआबांध से रतनपुर तक जीटी रोड पर करीब १२ घंटे तक महाजाम लगा रहा। इस दौरान न तो ट्रैफिक पुलिस कहीं नजर आई और न ही प्रशासन की चौकसी। महाकुंभ जा रहे और वहां से लौट रहे छोटेबड़े दर्जनों वाहनों को गोविंदपुर ने प्रयागराज में लगने वाले महाजाम का एहसास कर दिया।

दर्जन भर एंबुलेंस का भी यही हाल रहा। सायरन बजाते रहे, परंतु आगे जाने का कोई रास्ता नहीं मिला। सबसे बुरा हाल रहा मैट्रिक एवं इंटर के परीक्षार्थियों का। गोविंदपुर में जीटी रोड पर जाम लगने का जो सिलसिला दुर्गा पूजा के बाद से शुरू हुआ है, वह थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। शुरूशुरू में लोग इसे तात्कालिक समस्या मानकर झेलते रहे। परंतु इस समस्या का समाधान न तो जिला प्रशासन, न तो पुलिस प्रशासन और न ही ट्रैफिक विभाग ढूंढ सका।

ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने नागरिक समिति को आश्वासन दिया था कि गोविंदपुर जाकर वह जाम की समस्या के समाधान की कोशिश करेंगे परंतु वह नहीं आ पाए और गोविंदपुर की समस्या जस की तस बनी हुई है जाम से जनता तबाह है। पुलिस उपाध्यक्ष शंकर कामती ने भी सरस्वती पूजा के बाद ही सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने का आश्वासन शांति समिति की बैठक में दिया था परंतु इस दिशा में भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।

संपादकीय

रेलवे ने घटना को छिपाने का किया प्रयास?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ पूरी तरह लचर रेल प्रबंधन का नतीजा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से प्रयागराज के लिए चलाई गई विशेष गाड़ी की उद्घोषणा के बाद भगदड़ मच गई। स्टेशन पर रोज की तुलना में कई गुना भीड़ जमा थी। उद्घोषणा सुनते ही लोग एक से दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने के लिए धक्कामुक्की करने लगे। इस तरह अठारह लोग कुचल कर मारे गए और कई घायल हो गए। विचित्र है कि रेल प्रशासन ने शुरू में इस घटना को ढकने-छिपाने का प्रयास किया।

जिस अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया गया, वहां भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए। पीड़ितों के बारे में सूचना सार्वजनिक करने पर रोक लगाने के प्रयास किए गए। स्वाभाविक ही, इस घटना को लेकर सरकार पर अंगुलियां उठनी शुरू हो गई हैं। ठीक ऐसी ही घटना पिछले कुंभ के समय प्रयागराज में हुई थी। तब भी एक गाड़ी के दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने की सूचना दी गई थी और इसी तरह भगदड़ मच गई थी, जिसमें छत्तीस लोगों की मौत हो गई थी। इसलिए नई दिल्ली की भगदड़ कोई नया अनुभव नहीं है। रेलवे चाहे जो भी दलीलें दे, पर इस घटना में उसकी लापरवाही अक्षम्य है।

प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियां कई महीने पहले से चल रही थीं। सरकार बढ़-चढ़ कर इसमें लोगों से पहुंचने की अपील कर रही थी। दावा किया गया था कि वहां चालीस से पैंतालीस करोड़ लोग पहुंचेंगे और करीब सौ करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए इंतजाम किए गए हैं। तेरह हजार विशेष रेलगाड़ियां चलाने का दावा किया गया। इसके लिए रेलवे को अतिरिक्त भारी राशि आबंटित की गई थी। यानी रेलवे इस बात से अनजान नहीं था कि महाकुंभ के दौरान उस पर भारी दबाव रहेगा। फिर भी उसने भीड़ पर काबू पाने के लिए कोई व्यावहारिक व्यवस्था क्यों नहीं की, यह समझ से परे है।ऐसा नहीं कि अतिरिक्त भीड़ इससे पहले कभी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जुटी ही नहीं। त्योहारों के मौसम में हर वर्ष रेलवे को ऐसी भीड़ से निपटना पड़ता है। तब भी विशेष गाड़ियां चलानी पड़ती हैं। महाकुंभ के दौरान कुछ अधिक लोग जरूर जमा हो गए होंगे, मगर इससे रेलवे को अपने कुप्रबंधन पर पर्दा डालने का मौका नहीं मिल जाता। ऐसी अव्यवस्था नई दिल्ली के अलावा देश के कई दूसरे स्टेशनों पर भी देखी गई। सवाल है कि इस अव्यवस्था और इसके नतीजों की जिम्मेदारी कौन लेगा।

रेलवे की दलील है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए उसने विशेष गाड़ियां चलाने का फैसला किया था। यह भी विचित्र बात है। कोई भी गाड़ी इस तरह बिना पूर्व सूचना और तय कार्यक्रम के नहीं चलाई जाती। फिर उस गाड़ी के बारे में बिना यह जाने-समझे उद्घोषणा कर दी गई कि लोगों में इसकी क्या प्रतिक्रिया होगी। जब वहां के प्लेटफार्म प्रबंधन करने वाले देख रहे थे कि भीड़ काफी जमा है, तो उन्हें इस बात की आशंका क्यों नहीं हुई कि भगदड़ मच सकती है। पहले वे लोगों के उस गाड़ी तक पहुंचने की व्यवस्था करते, फिर उद्घोषणा करते, तो शायद ऐसी अफरा-तफरी न मचती। अव्वल तो उतने ही लोगों को भीतर जाने दिया जाता, जितने की गाड़ियों में क्षमता हो सकती है। ये तो सामान्य बुद्धि से भी समझ आने की बातें थीं, मगर रेलवे प्रबंधन ने शायद लोगों की जान की कोई कीमत ही नहीं समझी।

बच्चों की पढ़ाई भी अब हो रही मोबाइल के जरिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हो रहा प्रभावित

दुनिया में जैसे-जैसे आधुनिक तकनीकी का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे रोजमर्रा की जिंदगी में इसका दखल बढ़ता जा रहा है। जो मोबाइल फोन कभी दूर बैठे दो लोगों के बीच सिर्फ बातचीत का जरिया था, आज वह ज्यादातर कामों के लिए बेहद जरूरी होता गया है। अब तो इसके बिना पढ़ाई-लिखाई की बात भी अधूरी लगने लगी है। मगर इसी के समांतर स्मार्टफोन के अतिशय उपयोग ने एक बहस खड़ी की है कि शिक्षा के लिए स्मार्टफोन पर निर्भरता से क्या बच्चों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर 2024 के अंत तक पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसद ने विशेष कानूनों या नीतियों के जरिए स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल, शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्टफोन का बहुस्तरीय उपयोग का दायरा और असर शिक्षा प्रणालियों में इसके उपयोग को एक तरह से अनिवार्य बनाए जाने की व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। दूसरी ओर, दुनिया के कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर अब नई बहस शुरू हो गई है, जिसमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक जरूरी पक्ष है। आनलाइन शिक्षा कार्यक्रमों के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को बढ़ावा तो दिया गया है, लेकिन जब इस मसले पर समीक्षा की गई तो यह उजागर हुआ कि तकनीक एक सीमा तक कुछ संदर्भों में सीखने में सहायक कारक की भूमिका निभा सकती है, लेकिन जब इसका अत्यधिक या फिर अनुचित तरीके से उपयोग किया जाता है, तो इसके विपरीत असर देखने में आते हैं। एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि इसके इस्तेमाल की वजह से विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटक जाता है। इसके अलावा, स्मार्टफोन के बेलगाम उपयोग की वजह से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां खड़ी होती हैं, उससे निपटना एक अलग समस्या बन जाती है। इसलिए जरूरी है कि स्मार्टफोन या अन्य तकनीक के रोजमर्रा के जीवन में उपयोग को लेकर एक सीमा तय हो, ताकि यह सिर्फ सहायक बने, निर्भरता और नुकसान का वाहक न बने।

आज का कार्टून

अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या नहीं?

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत ही बड़ी खबर नहीं है। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे ने पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखा है। बड़ी खबर यह भी है कि लोग यह समझ चुके है कि रेलवे में सुधार की बातें सिर्फ खोखली है। बड़ी खबर यह भी है कि तमाम लोगों को इस बात का पक्का विश्वास हो चला है कि पर्वों-त्योहारों और छुट्टियों के समय टिकट खरीदने से लेकर अपने गंतव्य तक पहुँचने तक रेल का सफर परेशान करेगा ही करेगा। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे स्टेशन पर या पटरी पर चलती ट्रेन के साथ कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाये, रेल मंत्री कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेंगे। बड़ी खबर यह भी है कि दुर्घटना होने पर मुआवजे या जांच का ऐलान तुरंत ही करने वाले रेल मंत्री अपना इस्तीफा देना तो दूर कभी इस्तीफे की पेशकश तक नहीं करेंगे।

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई बड़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। अगर महाकुंभ की ही बात कर लें तो भले रेल मंत्री ने प्रयागराज के लिए हजारों ट्रेनें चलाने के दावे किये हों लेकिन आप देशभर में सर्वे करा लें तो पाएंगे कि प्रयागराज के लिए ज्यादातर लोगों को ट्रेनों में टिकट मिले ही नहीं और जिनको टिकट मिले उनका सफर आरामदायक नहीं रहा। यही नहीं, हैरानी की बात यह भी रही कि प्रयागराज के लिए रेलवे की वेबसाइट और ऐप पर भले टिकट नहीं थे लेकिन मेकमाई ट्रिप जैसी ट्रैवल साइटों पर 500 रुपए की अतिरिक्ति फीस देकर उसी तारीख के रेलवे टिकट उपलब्ध थे। हम 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन 2025 तक रेलवे को इतना भी आत्मनिर्भर नहीं बना पाये हैं कि उसकी ही वेबसाइट और ऐप पर सभी को कंफर्म टिकट मिल जायें। आज भी रेल यात्रियों को अपना टिकट कंफर्म कराने के लिए वीआईपी कोटा या रेलवे कोटा लगवाने के लिए नेताओं और अधिकारियों से मदद मांगनी पड़ती है जोकि शर्मनाक है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के जांच के आदेश तो दे दिये गये हैं लेकिन सवाल उठता है कि पहले की घटनाओं की जांच रिपोर्टों का क्या हुआ? पिछली घटनाओं के लिए कौन लोग दोषी ठहराये गये, उन्हें कौन-सी कड़ी सजा हुई? क्या इसका विवरण कभी रेल मंत्री देश के सामने रखने का साहस जुटाएंगे? देखा जाये तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना का प्रमुख कारण था ऐन समय पर ट्रेनों के प्लेटफॉर्म का बदला जाना। यह ऐसी चूक है जिसकी वजह से पहले भी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन रेलवे ने कभी सबक नहीं सीखा।

जब रेलवे स्टेशन का प्रबंधन यह देख रहा था कि वहां भारी भीड़ उमड़ी हुई है तो प्लेटफॉर्म बदलने का फैसला टाल कर क्या घटना को रोका नहीं जा सकता था?

बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भी नहीं है। देश के तमाम शहरों से इस प्रकार की खबरें सामने आ रही हैं कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में लोग भारी भीड़ की वजह से चढ़ नहीं पा रहे हैं। इस प्रकार के भी वीडियो वायरल हैं जिसमें देखा जा सकता है कि यात्री सिर्फ दरवाजों से ही नहीं बल्कि खिड़कियों से भी ट्रेन के भीतर जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर तमाम वायरल वीडियो में भी देखा जा सकता है कि लोग ट्रेनों में नहीं चढ़ पाने को लेकर तोड़फोड़ तक कर रहे हैं। जनता की यह नाराजगी साफ दर्शाती है कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन को लेकर रेलवे की ओर से पर्याप्त तैयारियां नहीं की गयी थीं।

यही नहीं, हमने दुनिया के सबसे ऊँचे पुल पर ट्रेन दौड़ाने का कीर्तिमान तो अपने नाम कर लिया लेकिन जमीन पर बिछी पटरियों पर दौड़ती ट्रेन की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाये हैं। आये दिन होते रेल हादसे दर्शा रहे हैं कि संभवतः मंत्रीजी का पूरा ध्यान इस विभाग पर नहीं है। हाल के रेल हादसों में से अधिकांश के पीछे साजिश का एंगल सामने आया है। यदि ऐसा है तो यह भी सुरक्षा में एक बहुत बड़ी खामी है। यही नहीं, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के दौरान कुली और प्लेटफॉर्म पर स्टॉल लगाने वाले ही यात्रियों के बचाव में उतरे। एक भी यात्री ने यह नहीं बताया कि रेलवे पुलिस ने किसी की मदद की हो या उसे बचाया हो। साथ ही, भगदड़ की घटना के तत्काल बाद जिस तरह प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई गयीं वह दिखाता है कि रेलवे के पास अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था थी। इसलिए सवाल उठता है कि भीड़ को देखते हुए उन स्पेशल ट्रेनों को पहले क्यों नहीं चलाया गया? रेलवे ने गत शनिवार को प्रयागराज के लिए स्पेशल वंदे भारत ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी लेकिन साधारण ट्रेनों को क्यों नहीं चलाया गया? क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वंदे भारत जैसी महंगी ट्रेनों से रेलवे को ज्यादा आमदनी होती है और साधारण ट्रेनों को चलाने से ज्यादा लाभ नहीं होता? क्या रेलवे ने अब सिर्फ अपने लाभ के बारे में ही सोचना शुरू कर दिया है?

सवाल और भी कई हैं लेकिन उनके जवाब मिलने की संभावना कम ही है। वैसे यह भी एक तथ्य है कि भारतीय रेलवे भारी दबाव में है। रेलवे में सुधार की अत्यंत जरूरत है। रेलवे को ऐसे मंत्री की भी जरूरत है जिसके पास रेलवे के अलावा अन्य किसी मंत्रालय का कार्यभार नहीं हो ताकि वह रेलवे पर ही पूरी तरह से ध्यान दे पाये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अश्विनी वैष्णव उच्च शिक्षित, अनुभवी और ईमानदार व्यक्ति हैं लेकिन आंकड़े दर्शाते हैं कि उनकी यह योग्यताएं रेलवे के काम नहीं आ पा रही हैं। अश्विनी वैष्णव अक्सर रेलवे की सुनहरी तस्वीर के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते रहते हैं जबकि हकीकत उससे काफी अलग होती है। यही नहीं, आज भले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या देश के अन्य स्टेशनों पर सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दे रहा हो लेकिन सवाल उठता है कि क्या ऐसी ही व्यवस्था जल्द ही आने वाली होली की छुट्टियों और उसके बाद गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी दिखाई देगी? बहरहाल, देखना होगा कि भारतीय रेलवे का भविष्य कैसा रहता है? वैसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिखरे हुए जूते-चप्पलों, टूटी हुई चूड़ियों, कपड़ों, बैगों के दृश्य और जिन 18 परिवारों में मौत हुई है उनके घर में पसरे मातम का दृश्य हर किसी के मन में सिहरन पैदा कर गये हैं।

कौन होगा बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष?

पवन उप्रेती

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच देश की सियासत में इस बात की जोरदार चर्चा हो रही है कि बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। पार्टी किस नेता को अध्यक्ष बनाएगी, इसे लेकर पिछले कुछ महीनों में मीडिया में काफी कुछ लिखा और बोला जा चुका है। बताना होगा कि केंद्र सरकार की अगुवाई करने के साथ ही बीजेपी कई राज्यों में अपने दम पर सरकार चला रही है। पार्टी का नया अध्यक्ष कौन होगा इस पर चर्चा के साथ ही नए अध्यक्ष के सामने कौन सी बड़ी चुनौतियां होंगी, कौन से नेता अध्यक्ष पद की दौड़ में हैं, इस पर भी बात करना जरूरी है। इन दिनों बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया अंतिम दौर में है और यह तय माना जा रहा है कि अगले महीने पार्टी को उसका नया अध्यक्ष मिल जाएगा।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अमित शाह ने पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ा था और जेपी नड्डा ने इस बड़ी कुर्सी को संभाला था। शाह ने अपने कार्यकाल के दौरान भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनाई। इसके अलावा उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, झारखंड, असम और त्रिपुरा में भी उनके अध्यक्ष रहते हुए पार्टी ने चुनाव जीता और नागालैंड और मेघालय में भी पार्टी ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

हालांकि उस दौरान मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी भाषी राज्यों के साथ ही दिल्ली में भी पार्टी की हार हुई थी। लेकिन 2019 में पार्टी को लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत मिली और उसने 303 सीटें जीती। तब शाह ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। जेपी नड्डा के कार्यकाल पर नजर

डालें तो उन्होंने भाजपा को चुनाव में 26 बार जीत दिलाई। इसमें लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव शामिल हैं। यह पार्टी का इसके पुराने अवतार जनसंघ के दिनों से एक नया रिकॉर्ड है। 2023 के अंत में बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को फिर से जीता और यहां फिर से सरकार बनाई। हालांकि जेपी नड्डा के अध्यक्ष रहते हुए ही 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें घट कर 240 रह गईं। तब नड्डा ने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि बीजेपी खुद को चलाने में सक्षम है और उसे पहले की तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जरूरत नहीं है। इसे लेकर यह चर्चा हुई थी कि बीजेपी और संघ के रिश्ते क्या तल्ख हो गए हैं? हालांकि इससे नड्डा के राजनीतिक कद पर कोई असर नहीं पड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी कैबिनेट में शामिल किया। इसके साथ ही अध्यक्ष पद पर भी उनका कार्यकाल बढ़ाया गया। इसी दौरान भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन से मिली निराशा से उबरकर हरियाणा, महाराष्ट्र और हाल ही में दिल्ली में धमाकेदार जीत दर्ज की। बीजेपी के नए अध्यक्ष के लिए चुनौती दक्षिण में पार्टी को मजबूत करना होगा क्योंकि दक्षिण में पार्टी अभी भी कमजोर है। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी हार गई थी। आंध्र प्रदेश में वह एनडीए के साथ सरकार में है जबकि केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में उसकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। बीजेपी के नेताओं का कहना है कि पार्टी को अभी भी दक्षिण के राज्यों में हिंदी भाषी नेताओं वाली उत्तर भारतीय पार्टी माना जाता है और यह एक बड़ी मुश्किल है। बीजेपी दक्षिण में जीत के लिए लगातार काम कर रही है लेकिन उसे वहां ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है। जबकि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में आरएसएस का नेटवर्क मजबूत है। बीजेपी का नया अध्यक्ष दक्षिण भारत से हो सकता है, इस बात की चर्चा तेज है क्योंकि पार्टी दक्षिण भारत में विस्तार करना चाहती है। कर्नाटक से केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, तेलंगाना के किशन रेड्डी और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण के नाम दक्षिण से आने वाले ऐसे नेताओं के रूप में चर्चा में हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हो सकते हैं।

गुलामी से उपजा अवसाद पीढ़ियों तक करता है सफर

हमारे संकुचित विचार हमारे लिए सबसे बड़ी रुकावट है, जिनसे मुक्त होते ही हमारे सामने विशाल आकाश है, जिसमें हम खुल कर अपने सपनों के पर फैला कर ऊंची उड़ान भर सकते हैं। संभावनाओं को तलाश सकते हैं। यह सच है कि एक दूसरे की मदद से वर्तमान और भविष्य का सही उपभोग कर सकते हैं। आपसी संबंधों में जब हम गरिमा, सम्मान, विनम्रता के बीज बोते हैं, तो खुशियों की फसल लहलहाने लगती है। इस सुख को प्राप्त करने से कोई हमें रोक नहीं सकता। दैनिक जीवन में हमें सावधान रहना चाहिए कि वर्चस्व या अधिनायकवादी किसी प्रवृत्ति के कीटाणु हमारे भीतर प्रवेश नहीं कर सकें।

एकता कानूनगो बक्षी

गुलामी शब्द सुनते ही आमतौर पर मन इतिहास में चला जाता है। राजा, महाराजाओं से लेकर विदेशी आक्रमणकारियों और साम्राज्यवादियों के किस्से याद आने लगते हैं। संभ्रांत उच्च वर्ग के कुछ प्रसंग स्मृति में उभरने लगते हैं। इस बात को लेकर एक आम व्यक्ति आश्वस्त रहता है कि यह शब्द उसके बीच का नहीं है। इससे उसका कोई सीधा संबंध नहीं है। जबकि किसी को गुलाम बनाना और गुलाम बन जाना, यह मनुष्य के भीतर मौजूद एक अधिनायकवादी विकार या प्रवृत्ति हमेशा से रही है, जिसे हर कोई कभी भी अपनी सुविधा, संतुष्टि और स्वार्थ के लिए अपने भीतर चाहे अनचाहे पोषित करता है।

इसका संबंध हमारी बाहरी व्यवस्था से कहीं अधिक हमारे मन की अवस्था से है। यह जरूरी नहीं कि हम शक्तिशाली होने पर ही किसी पर हावी हो सकते हैं। इसका उलट भी हो सकता है। कमजोर व्यक्ति अपने भीतर की कुंठा को भी किसी अन्य ज्यादा कमजोर पर अधिक उग्र और कठोर होकर निकाल सकता है। वहीं कई बार हम बलशाली और साहसी व्यक्ति को भी झुकते या सहनशील होते हुए देख सकते हैं। दरअसल, तानाशाही अथवा प्रभुत्व बनाना एक प्रकार का मानसिक विकार है। वैचारिक गुलामी से तो हम लगभग हर दिन जूझते रहते हैं, जब लगने लगता

है कि हमारे विचारों पर सब सहमति व्यक्त करें। यह सोच ही अस्वस्थ दिशा की ओर व्यक्ति और समाज को धकेल देती है। दूसरों को उनके विचारों को उनकी आस्था के साथ स्वीकार न कर पाना, अपने विचार किसी और पर थोपना, यह भी वर्चस्ववाद की ही श्रेणी में कहा जा सकता है। जहां किसी एक ही विचार का जोर हो और किसी नई सोच पर विचार विमर्श की गुंजाइश ही न बचे, तो समझ लेना चाहिए कि अब प्रगति के सभी दरवाजे बंद हो चुके हैं और हमारे पंख काट दिए गए हैं। संवाद टूटने का भी अंदेशा हो जाता है। ऐसी स्थिति में जीवन प्रतिगामी होने लगता है। समाज या तो कदमताल करने लगता है या अतीत के आवरण में अपनी समझ को कुंद करने लगता है। क्या कभी हमने महसूस किया कि यह मानसिक विकार हम सभी के भीतर प्रवेश करता चला गया है? गौर करें, तो पाएंगे कि हर दिन हम किसी वर्चस्व के विचार के प्रभाव में कई बार गलत के सामने हम झुक रहे होते हैं। यह सचमुच दुखद स्थिति है। इसके लिए स्वयं पर नियंत्रण जरूरी है। रोजमर्रा के दिनों पर ही गौर किया जाए, तो देखते हैं कि हमारे सहायक, कर्मचारी, जिन्हें हम उनके काम के बदले में पारिश्रमिक देते हैं, उनके साथ भी हमारे संबंध हमारे मन की जटिलता और इसी प्रवृत्ति के चलते विवादित और कटु होते रहते हैं।

काम के दौरान, काम की गुणवत्ता पर विचार-विमर्श करना, सुधार के लिए सलाह देना, काम से संतुष्ट न होने पर उन्हें आगाह करने के बजाय उनके साथ अपमानजनक और कठोर व्यवहार कर उनको छोटा महसूस कराने जैसा व्यवहार क्या उनमें अनावश्यक गुलामी के अहसास का कारक नहीं बन जाता? यह विचारणीय सवाल है। सच यह है कि कर्मचारी और नियोक्ता की स्थिति बराबर की होती है, जिसमें दोनों ही अपनी जरूरतों के लिए एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। इसलिए ऐसे संबंधों में संतुलन तो होना ही चाहिए।ऐसा नहीं है कि केवल आर्थिक लेन-देन में ही दमनकारी मानसिकता का प्रवेश होता दिखता हो। स्वार्थ से परे आत्मीय पारिवारिक रिश्तों में तो अवांछित बेड़ियों ने कई अलग-अलग रूपों में खुद को छिपा रखा है। सुंदर, आत्मीय शब्दों के माध्यम से उसने अपने आप को बुराई की जगह विशिष्ट गुण की तरह प्रस्तुत किया है।

परिवार के कुछ सदस्य हमेशा अपनी जरूरतों और इच्छाओं को दूसरे की खुशी के लिए पीछे रख रहे होते हैं, तो कभी अपनेपन और स्नेह के वेश में अनावश्यक अधिकार किसी के हिस्से का उजाला ही निगल रहा होता है। त्याग और समर्पण किसी एक के हिस्से में आना परिवार की शर्त नहीं होती, परिवार की खूबसूरती तो यह है जिसमें हर सुख-दुख और काम धूप-छांव की तरह सबको थोड़ा-थोड़ा सुख पहुंचाते हैं। हर प्राणी, व्यक्ति, जीव-जंतुओं तक पर गुलामी का गहरा असर पड़ता है, जो लंबे समय तक बना रहता है। गुलामी किसी भी जीव को अपने मूल स्वरूप से बहुत दूर कर देती है। जीवन को लेकर उत्साह-उमंग सब समाप्त कर देती है। गुलामी से उपजा अवसाद पीढ़ियों तक सफर करता है। पिंजरा खुला हुआ है, सामने विस्तृत आसमान है, पर पंछी अब उड़ना ही नहीं चाहता। चिड़ियाघर के हाथी के पैर में जंजीरें नहीं हैं, अगर हो भी तो वह इतना शक्तिशाली है कि वह हर बेड़ी को तोड़ सकता है, लेकिन पर अब वह कुशलता से प्रशिक्षित किया गया है। जीवन भर की गुलामी के लिए वह तैयार हो चुका है। यह निराशाजनक स्थिति है।

हमारे संकुचित विचार हमारे लिए सबसे बड़ी रुकावट है, जिनसे मुक्त होते ही हमारे सामने विशाल आकाश है, जिसमें हम खुल कर अपने सपनों के पर फैला कर ऊंची उड़ान भर सकते हैं। संभावनाओं को तलाश सकते हैं। यह सच है कि एक दूसरे की मदद से वर्तमान और भविष्य का सही उपभोग कर सकते हैं। आपसी संबंधों में जब हम गरिमा, सम्मान, विनम्रता के बीज बोते हैं, तो खुशियों की फसल लहलहाने लगती है। इस सुख को प्राप्त करने से कोई हमें रोक नहीं सकता। दैनिक जीवन में हमें सावधान रहना चाहिए कि वर्चस्व या अधिनायकवादी किसी प्रवृत्ति के कीटाणु हमारे भीतर प्रवेश नहीं कर सकें। अपनी ऊर्जा को सही दिशा देते हुए उचित आचरण से स्वस्थ और प्रगतिशील समाज बनाने में हम तभी समर्थ हो पाएंगे, जब आपसी समझ और सहयोग से हम एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जिससे बराबरी और आजादी की बुनियाद पर हमारा समाज खड़ा हो सकेगा।

बिहार, असम व तमिलनाडू फतह की तैयारी में जुटे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली विधानसभा चुनाव में करीब तीन दशक बाद जीतने वाली भाजपा ने जश्न मना लिया है और अब फिर से दूसरे राज्यों की चुनावी तैयारी में जुट गई है। खासतौर पर पार्टी के शीर्ष नेता पीएम नरेंद्र मोदी किसी भी तरह से आराम के मूड में नहीं हैं। अब वे बिहार, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों को लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं।

बिहार में इसी साल अक्टूबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद असम और तमिलनाडु में अगले साल चुनाव होने है। इन राज्यों को लेकर पहले से ही भाजपा तैयारी में है और २४ फरवरी को भागलपुर से पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले है। भागलपुर में रैली को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसके अलावा असम भी वे २४ फरवरी को ही जाएंगे।

असम और तमिलनाडु में चुनाव करीब एक साल दूर है, लेकिन पीएम मोदी अभी से तैयारियों में जुट गए है। इसकारण वे असम जाएंगे और फिर २८ तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम भी पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी यहां पर पंबन पुल का उद्घाटन करने वाले हैं, जो द्वीपीय शहर रामेश्वरम को तमिलनाडु के अन्य हिस्सों से जोड़ेगा। बिहार और असम के भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी के दौरे की डिमांड की थी। दिल्ली में खुद पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया था। इतना ही नहीं यमुना की सफाई को लेकर उन्होंने कहा था कि इस काम की निगरानी मैं व्यक्तिगत तौर पर करूंगा। इसके बाद माना जा रहा है कि पीएम मोदी ही आने वाले चुनावों में भी बीजेपी का चेहरा होने वाले है। बिहार में भाजपा का सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के साथ गठबंधन है।

भागलपुर में पीएम मोदी के साथ ही मंच पर नीतीश कुमार भी मौजूद रहने वाले है। इसके बाद वहां नीतीश कुमार और पीएम मोदी की कुछ साझा रैलियां भी होंगी। असम में भाजपा बीते १० सालों से सत्ता में है और उस पर तीसरी बार वापसी का दबाव होगा। भाजपा को भागलपुर सीट पर कमजोर माना जाता है। इसके बाद भागलपुर से पीएम मोदी का रैली करना अहम है। इसके अलावा संकेत है कि भाजपा बिहार में किसी भी इलाके में खुद को कमजोर नहीं दिखाना चाहती।

भागलपुर में ही पीएम मोदी की ओर से किसान सम्मान निधि योजना की नई किस्त जारी की जाएगी। वह भागलपुर में एक नई सेंट्रल यूनिवर्सिटी की स्थापना के एक आयोजन में भी शामिल होने वाले है। यहीं से वह दो दिनों की असम यात्रा पर रवाना हो जाएंगे, जहां कारोबारी समिट का भी आयोजन होना है।

मुंबई में 5.44 करोड़ की ड्रग्स जब्त, विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस): राजस्व खुफिया निदेशालय के मुंबई विभाग के अधिकारियों ने एक गोपनीय सूचना मिलने के बाद कि एक कांगो नागरिक भारत में मादक पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश कर रहा है, किंशासा से मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची महिला को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान महिला ने भारत में तस्करी के लिए नशीले पदार्थों से युक्त कैप्सूल खाने की बात स्वीकार की। महिला को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और अदालत के आदेशानुसार उसे पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला के शरीर से कुल ५४४ ग्राम कोकीन युक्त १० कैप्सूल बरामद किए गए। बाजार में इस कोकीन की अनुमानित कीमत करीब ५ करोड़ ४४ लाख रुपये है। कोकीन को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, २०२५ के तहत जब्त कर लिया गया और महिला को भी उसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

विकास विभाग में ईएसजी क्विज कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलन के साथ ईएसजी क्विज-२०२४-२५ कार्यक्रम का सुभारम्भ किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी के साथ वरीय अधिशासी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

कार्यक्रम में बीएसएल के विभिन्न विभागों से अनाधिशासी कर्मियों के ४२ टीमों ने हिस्सा लिया था. मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने अपने सम्बोधन में सभी प्रतिभागियों को इस तरह के ज्ञानार्जन के कार्यक्रम में जीत के जज्बे के साथ शामिल होने लिए के लिए प्रेरित किया.

ईएसजी क्विज-२०२४-२५ कार्यक्रम का उद्देश्य टिकाऊ और जिम्मेदार व्यवसायिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

आज आयोजित क्विज कार्यक्रम में महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा के साथ अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने क्विज मास्टर के रूप में अहम् योगदान दिया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम में विजेता के रूप में प्रोजेक्ट डिवीज़न से शालिनी प्रसाद तथा भवानी हांसदा की टीम को प्रथम, आर सी एल विभाग के सुरेश सोरेन तथा एन के पंडित की टीम को द्वितीय तथा इलेक्ट्रॉनिक टेलीकॉम विभाग के बी सोरेन एवं प्रियंका शर्मा की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. ईएसजी क्विज-२०२४-२५ के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के ऋषिकेश रंजन, संजीव कुमार सिंह , अभय झा, सिधो चरण मुर्मू तथा रविदास की अहम् भूमिका थी.

सर्च अभियान में सीआरपीएफ व पुलिस को सफलता

डुमरी (ससे): खुखरा थाना क्षेत्र के गार्दी व मर्मी के नजदीक जगंल क्षेत्र में बुधवार को भाकपा माओवादियों के आवगमन की सूचना प्राप्त होने पर कमाण्डेन्ट-१५४ वाहिनी और एसपी गिरडीह द्वारा संयुक्त अभियान की संरचना की गई।अभियान में दलजीन सिंह भाटी द्वितीय कमान अधिकारी-१५४ वाहिनी,सुरजीत कुमार एएसपी अभियान गिरडीह,विजय सिंह मीणा सहायक कमांडेंट,समवाय अधिकारी ई/१५४ वाहिनी निरी/जीडी ओमप्रकाश वर्मा अन्य समवाय के जवान और सिविल पुलिस के साथ बुधवार की सुबह करीब ७:३० माओवादियों के ठहरने के स्थान पर अभियान चलाने हेतु प्रस्थान किया।

सभी अधिकारी एवं जवान बिना समय गवाये अपनी गोपनीयता को बरकरार रखते हुये प्राप्त सूचना के स्थान पर पहुंचे लेकिन माओवादियों को संभवतः इसकी भनक प्राप्त हो गई और गांव के लोगो के साथ उनके तालमेल अच्छे होने के कारण भागने में सफल रहे। खबर के अनुसार गार्दी व मर्मी के नजदीक जगंल एरिया में सर्च अभियान चलाया गया गहन सर्च के उपरान्त माओवादियों द्वारा किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से रखे हुये विस्फोटक सामान क्रमशः कोडेक्स वायर १बंडल फूल व ३ बंडल लूज,डेटोनेटर (इलेक्ट्रीक) ५ पीस,एक्सक्लूसिव पाउडर अधिकतम २० किग्रा,नेल आईरन १.५ किग्रा, जिलेटिन १११ पीस १२५ ग्राम प्रत्येक पीस, हेक्सा ब्लेड २ पीस ,सेंटोक्स २०० लिटर को जब्त किया गया।

सीएम की घोषणा के बाद रेखा गुप्ता ने शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

नई दिल्ली (ईएमएस): रेखा गुप्ता दिल्ली की ९वीं मुख्यमंत्री होंगी। बीजेपी के विधायकों ने बुधवार शाम उन्हें अपना नेता चुना। रेखा गुप्ता कल दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। दिल्ली का मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया मुझ पर विश्वास कर मुख्यमंत्री पद का दायित्व सौंपने के लिए मैं सभी शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

आपके इस विश्वास और समर्थन ने मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा दी है। मैं संकल्प लेती हूं कि दिल्ली के हर नागरिक के कल्याण, सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण से कार्य करूंगी. दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए मैं पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए रेखा गुप्ता पार्टी नेताओं के साथ राजनिवास में उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात करने पहुंची।

गौरतलब है कि रेखा गुप्ता दिल्ली की शालीमार बाग सीट से पहली बार विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने शालीमार बाग सीट पर 'आप' की बंदना कुमारी को २९,५९५ मतों के अंतर से हराया। उनका जन्म हरियाणा में हुआ था और वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रही हैं।

रेखा गुप्ता २००३ में भाजपा युवा मोर्चा की दिल्ली इकाई से जुड़ीं। २००७ में उत्तर पीतमपुरा से पार्षद बनीं। एमसीडी में महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की दो साल तक अध्यक्ष रहीं। २००९ में दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव रहीं. २०१० में भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य की जिम्मेदारी दी गई।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी और कमलजीत सेहरावत ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी और वह कल दोपहर १२ बजे शपथ लेंगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद रेखा गुप्ता वर्तमान में भाजपा की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री होंगी। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी।

विधायक दल की बैठक में पार्टी के सभी ४८ विधायक मौजूद थे। विधायक दल की बैठक के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने घोषणा की कि रेखा गुप्ता को सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुना गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने प्रसाद और राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

राजस्थान सरकार का पूर्ण बजट पेश

जयपुर,(ईएमएस): राजस्थान सरकार का आज दूसरा पूर्ण बजट पेश हुआ। प्रदेश की वित्त मंत्री और डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने प्रदेशवासियों को कई तोहफे दिए। इस दौरान उनका शायराना अंदाज भी देखने को मिला। सत्ता पक्ष ने खूब मेज थपथपाई गई। दिया ने बजट पेश करते हुए कहा कि हमने बजट घोषणा की ७३ फीसदी प्रगति सुनिश्चित की है।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने बजट पेश करते हुए अपने शायराना अंदाज से भी लोगों का परिचय कराया। वित्ती मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि वह सदन में मौजूद सभी सदस्यों को आगे भी सभी वादों को तीव्रगति से क्रियान्वयन सुनिश्चत करने के लिए आश्वस्त करते हुए कहा- सबकी फिक्र में खुद को मैं मिटाती हूं, हर वादा अपना दिल से मैं निभाती हूं।

दिया कुमारी ने बजट पेश करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

हरियाणा में 50 नेता बीजेपी में शामिल

चंडीगढ़,(ईएमएस): हरियाणा में २ मार्च को निकाय चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले करनाल में कांग्रेस झटका लगा है। कांग्रेस के करीब ५० नेताओं ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद थे। बीजेपी से जुड़ने वाले नेताओं में हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन त्रिलोचन सिंह, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक खुराना, करनाल नगर निगम के पूर्व चेयरपर्सन बलविंदर कालरा शामिल हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी नेता संजय बिंदल, कांग्रेस के ओबीसी सेल के जिलाध्यक्ष संजय चंदेल के अलावा कई पूर्व पार्षदों ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता निट्ठू मान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

करनाल सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस के कुछ और नेताओं के आने से पार्टी मजबूत होगी। यहां से बीजेपी ने रेनू बाला गुप्ता को महापौर का उम्मीदवार बनाया है। सीएम सैनी ने कहा कि वह नेताओं का स्वागत करते हैं। आप लोगों के समर्थन से हमारी ताकत बढ़ेगी और हम पूरे समर्पण के साथ जनता की सेवा कर सकेंगे। इन नेताओं के कांग्रेस छोड़ने के बाद से पार्टी में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्व डिप्टी मेयर मनोज वाधवा को मेयर प्रत्याशी बनाए जाने से लोगों में निराशा हैं। कांग्रेस छोड़ने की खबरों के बाद पार्टी नेताओं ने बागियों से मुलाकात भी की। कई नेताओं के यहां खुद महापौर उम्मीदवार मनोज वाधवा पहुंचे और मनाने की कोशिश की। उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने से खफा नेताओं ने बीजेपी जॉइन की और सदस्यता ले ली। त्रिलोचन सिंह ने कहा कांग्रेस अब जनहित के मुद्दों से भटक रही है। इसलिए पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को धन्यवाद दिया कि उन्हें दो बार चुनाव लड़ने का मौका दिया। इसके अलावा अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन भी बनाया।

वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बीजेपी ने नेताओं पर दबाव डाला है। इसके कारण त्रिलोचन सिंह समेत कई लोगों ने इस्तीफा दिया है। मनोज वाधवा ने तो तीखे लहजे में कहा कि त्रिलोचन सिंह ने मेरी पीठ पर छुरा मारा है। वह नामांकन पत्र दाखिल करने तक साथ थे। इसके बाद अगले ही दिन पाला बदल लिया।

जनप्रतिनिधियों ने किया पीडीएस दुकान का उद्घाटन

डुमरी (ससे):कल्हाबार में बुधवार को जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान का उद्घाटन मुखिया नूरउद्दीन अंसारी झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो उर्फ राजू उपप्रमुख उपेन्द्र महतो ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।

इस दौरान पीडीएस संचालक पंकज कुमार उपस्थित थे। उपस्थित राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न वितरित किया गया। इस दौरान उद्घाटन कर्ताओं ने दुकान संचालक को कार्ड धारियों को प्रति माह नियमित रूप से खाद्यान्न वितरित करने को कहा।

राष्ट्रीय किसान व गौ पालक सम्मेलन जयपुर में

जयपुर (ईएमएस): राष्ट्रीय किसान और गौ पालक सम्मेलन का आयोजन २६ से २८ मार्च तक पिंजरापोल गौशाला, सांगानेर, जयपुर में होगा। इसमें प्राकृतिक कृषि, गौशालाओं के विकास और जैविक खेती से जुड़े मुद्दों पर मंथन होगा। सम्मेलन का आयोजन अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद, लोक भारती, अखिल भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ और हैनिमन चेरिटेबल मिशन सोसायटी की ओर से करवाया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व युवा बोर्ड अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी और भाजपा नेता राजेंद्र सिंह शेखावत ने पार्टी कार्यालय में सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया।

नदी से पानी लेने गए बच्चे को खा गया शेर

अमरेली (ईएमएस): गुजरात के अमरेली से एक चौंकाने वाला मामला आया है। जहां शेर ने एक बच्चे पर हमला कर बच्चे को खा लिया। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश का एक परिवार अमरेली के पनिया गांव में बबूल के पेड़ काटने का काम कर रहा था, तभी उनके तीन बच्चे पानी भरने पास की नदी पर गए थे। वहां उन्हें अचानक शेर की दहाड़ सुनाई दी। जिससे २ बच्चे भागे लेकिन एक बच्चे को शेर ने दबोच लिया और इतना बुरा काटा की बच्चे के टुकडे-टुकडे हो गए।

वहीं, परिजन जब बच्चे को बचाने पहुंचे घटनास्थल पर पहुंचे तब उन्हें सिर्फ सिर, पैर और कुछ हड्डियां ही मिली। बीते अक्टूबर महीने में भी अमरेली के जिकाद्री गांव में एक पांच साल के बच्चे पर शेरनी ने हमला कर मार डाला था। इसके बाद शेर के हमले की यह दूसरी घटना है। फिलहाल वन विभाग ने कहा कि हमें जानकारी मिली, उसके बाद हमारी टीम ने २ घंटे के अंदर शेर का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद शेर को एनीमल केर सेंटर में भेजा गया है जहां पर उसकी जांच होगी। जिस बच्चे को शेर काटकर खा गया, उसका नाम राहुल बारीया था और वह ७ साल का था। बच्चे के पिता नारू बारिया और अन्य मजदूर यहां बबूल के पेड़ काटने का काम करने आए हैं।

शेरों के इलाके में ये मजदूर झोपड़ी बनाकर खुले आसमान के नीचे रहते हैं। रात में इलाके में शेरों की दहाड़ के बावजूद वे सीमा से नहीं हटे। परिवार के मुताबिक सुबह राहुल दो अन्य लड़कियों के साथ एक बर्तन में पानी भरने के लिए पास की नदी पर गया था। तभी नदी के किनारे एक शेर उनका शिकार करने के लिए दौड़ा। दोनों लड़कियां भागने में सफल रहीं, लेकिन शेर राहुल को लेकर बबूल के पेड़ के पास गया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

संगम में प्रदूषित पानी के मामले में यूपी सरकार पर नाराज हुआ एनजीटी

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्रयागराज के संगम में प्रदूषित पानी के मामले पर सुनवाई के वक्त नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) उत्तर प्रदेश सरकार की दलील पर नाराज हो गया। उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने कोर्ट में कहा कि सैंपल में जहां से पानी लिया गया, वहां का पानी दूषित था। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनजीटी के सामने रिपोर्ट पेश की थी, इस रिपोर्ट में कहा गया कि महाकुंभ में संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। पानी का फेकल कॉलीफॉर्म स्तर नहाने के लिए जरूरी प्राथमिक गुणवत्ता के स्तर के अनुरूप नहीं है। एनजीटी ने यूपी सरकार पर सवाल खड़े कर कहा कि आपने लंबा चौड़ा जवाब दाखिल किया लेकिन कहीं भी कोलीफॉर्म का जिक्र नहीं। एनजीटी ने कहा कि रिपोर्ट विस्तृत है, लेकिन उसमें गंगा यमुना की सफाई से जुड़े सारे मापदंडों का जिक्र नहीं। यूपीपीसीबी ने दावा किया कि जहां से सीपीसीबी ने गंगा यमुना में सैंपल लिया वहां पानी प्रदूषित था, लेकिन जहां से हमने लिए वहां पानी साफ था।

सांसद अमृतपाल सिंह को सांसदी जाने का डर

चंडीगढ़,(ईएमएस): खडूर साहिब लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल सिंह को सांसदी जाने का डर सता रहा है। उसने इसके लिए ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर केंद्र सरकार, पंजाब सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से संसद की कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति देने की मांग की है। अपनी याचिका में अमृतपाल ने कहा कि उसकी संसद में उपस्थिति जरूरी है, नहीं तो सदस्यता चली जाएगी। अमृतपाल ने कहा है कि लोकसभा सचिवालय की तरफ से उसे एक समन भेजा गया है। समन में कहा गया है कि उसकी अनुपस्थिति से उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। बता दें वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल सिंह वर्तमान में एनएसए के तहत डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद है। याचिका में अमृतपाल ने आरोप लगाया कि उसे जानबूझकर संसद में भाग लेने से रोका जा रहा है ताकि उसकी सीट का प्रतिनिधित्व न हो और उसे खाली घोषित किया जा सके। अमृतपाल ने कहा कि ६० दिन से ज्यादा उनकी अनुपस्थिति के कारण सीट खाली घोषित हो सकती है। इसके बाद उसकी सदस्यता चली जाएगी। उसने कहा कि खडूर साहिब के करीब १९ लाख मतदाताओं को भी नुकसान होगा।

अमृतपाल ने फंड के कार्यान्वयन के संबंध में अधिकारियों और मंत्रियों से मुलाकात करने की अनुमति देने का भी निर्देश देने की मांग की है। यह योजना सांसदों को स्थानीय जरुरतों के आधार पर विकास परियोजनाओं की सिफारिश करने की अनुमति देती है। याचिका के मुताबिक अमृतपाल ने पिछले साल ३० नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष से संसद सत्र में शामिल होने की अनुमति देने की औपचारिक मांग की थी। याचिका में यह भी कहा गया है कि उसे संसद की कार्यवाही से ४६ दिन की अनुपस्थिति के बारे में पहले ही सूचित किया जा चुका था। उसने डिप्टी कमिश्नर, जिला मजिस्ट्रेट से भी सत्र में भाग लेने की अनुमति के लिए आवेदन किया था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सांसद सिंह ने तर्क दिया कि वह अपनी मर्जी से संसद से बाहर नहीं रहते हैं, बल्कि यह सरकार की कार्रवाई का परिणाम है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की अनुपस्थिति संसद की अवमानना है, क्योंकि यह एक निर्वाचित प्रतिनिधि को अपने विधायी कर्तव्यों का पालन करने से रोकता है।

कम बर्फबारी से जम्मू-कश्मीर में सूखे जैसे हालात

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू और कश्मीर में इस बार सूखे की आहट सुनाई देने लगी है। बर्फ रहित सर्दी और लंबे समय तक सूखे के कारण कश्मीर घाटी में जलाशयों के भरने में देरी हो रही है। इसके मद्देनजर किसान चिंतित हैं। अगर ऐसा होता है तो किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके चलते कृषि विभाग ने कश्मीर के किसानों को पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने की सलाह दी है।

कृषि विभाग कश्मीर ने खासकर दक्षिण कश्मीर में प्रमुख जल निकायों के सूखने पर किसानों को चावल की खेती से दूर रहने और अन्य वैकल्पिक फसलें उगाने की सलाह दी। विभाग ने दावा किया कि है कि स्थिति से निपटने के लिए स्कॉस्ट-कश्मीर के साथ मिलकर आकस्मिक योजनाओं पर काम किया जा रहा है। स्कॉस्ट फसलों और अन्य किस्मों की वृद्धि के लिए उपयुक्त स्थानों के बारे में मार्गदर्शन करेगा। सूखे की स्थिति जारी रहने के साथ ही किसानों से कृषि एडवाइरी के लिए अपडेट रहने और पानी की कमी के प्रभाव को कम करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को कहा गया है।

लम्बे समय बाद ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। इस बार बर्फ रहित सर्दियों को जलस्तर में कमी का मुख्य कारण बताया जा रहा है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक कम बर्फबारी के कारण कश्मीर की जीवन रेखा झेलम सहित ज्यादातर नदियां जीरो लैवल से नीचे बह रही हैं। पिछले ४५ दिनों में बहुत कम बर्फ पिघलने और कम बारिश होने से नदी का जलस्तर घट रहा है। पुलवामा स्थित संगम पर झेलम का जल स्तर माइनस १.०१ फीट तक पहुंच गया है जबकि राम मुंशी बाग में यह ३.५२ फीट था और अशाम में स्तर ०.७५ फीट तक गिर गया है। लिद्दर, राम बिआरा, द्रंग और पोहरू, सीलू सहित छोटी नदियां और नाले भी न्यूनतम जल स्तर से नीचे बह रहे हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में अब तक बारिश में कुल २९ फीसदी की कमी आई है जबकि पिछले तीन महीनों में यह कमी ८० फीसदी के करीब है। अकेले जनवरी के महीने में कम बारिश और बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं १२ फरवरी तक पहले २ महीनों में केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में बारिश में ७० से ८० फीसदी की भारी कमी दर्ज की गई थी। पूरे जम्मू-कश्मीर में ७९ फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है और १ जनवरी से १२ फरवरी २०२५ तक सिर्फ २९.८ मिली मीटर बारिश दर्ज की।

मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते में २ वैस्टर्न डिस्टर्बैंस के चलते १९ से २२ फरवरी और २५ से २७ फरवरी के बीच बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है।

इस सीजन की बर्फबारी हो सकती है। कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों जिनमें श्रीनगर भी शामिल है यहां ४ जनवरी को आखिरी बार बर्फबारी हुई थी। इसके चलते सूखा खत्म होने की आस बंधी है।

नीतीश के विधायक ने चिराग के सांसद को धमकाया

पटना (एजेंसी): बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनावी साल में एनडीए अपनी एकजुटता को दिखाने में जुटा है. बिहार एनडीए में शामिल सभी दलों के नेता संयुक्त यात्रा निकाल रहे हैं. वहीं दूसरी ओर खगड़िया जिले में एनडीए बिखरता हुआ नजर आ रहा है. यहां नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के विधायक डॉ. संजीव कुमार और चिराग पासवान के सांसद राजेश वर्मा आपस में भिड़ गए हैं. बात गाली-गलौज तक पहुंच गई. जानकारी के मुताबिक, सारा बखेड़ा खगड़िया में बन रहे मेडिकल कॉलेज को लेकर मचा हुआ है. इस मेडिकल कॉलेज का क्रेडिट लेने के लिए दोनों नेताओं ने जुबानी जंग में सारी सीमाओं को पार कर दिया है. दोनों की बयानबाजी की सियासी गरमी राजधानी पटना तक पहुंच रही है. सियासी जानकारों का कहना है कि एनडीए ने बात को अभी नहीं संभाला तो विधानसभा चुनावों में दिक्कत हो सकती है.

बताया जा रहा है कि इस विवाद की नींव माघी पूर्णिमा यानी १२ फरवरी के दिन पड़ी. उस दिन परबत्ता प्रखंड के सियादतपुर अगुवानी पंचायत स्थित डुमरिया बुजुर्ग गांव में आयोजित घुड़दौड़ प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि खगड़िया सांसद राजेश वर्मा थे.

जहां सांसद राजेश वर्मा ने कहा था कि जो लोग मुझे बाहरी कहते थे, ये बड़े लोग चुनाव के बाद खुद बाहर हो जाएंगे. सियासी जानकारों के अनुसार, उनका इशारा परबत्ता विधायक डॉ. संजीव कुमार की ओर था. इसके बाद १५ फरवरी को संजीव कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए सांसद राजेश वर्मा का नाम लिए बिना ही उन पर जबरदस्त पलटवार किया.

इस दौरान विधायक संजीव कुमार ने सांसद राजेश वर्मा को गीदड़, चिरकुट, चोर, जैसे अपशब्दों से नवाजा.

विधायक ने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए उन्होंने मेहनत की लेकिन ऐसे लोग जिनका अभी राजनीतिक दूध का दांत भी नहीं टूटा है, वो श्रेय लेने में लगे हैं. ऐसे लोगों को रोड पर ला दूंगा. उन्होंने कहा कि डॉक्टर हूं, ऐसे लोगों का इलाज कैसे किया जाता है, मुझे अच्छे से पता है. जरूरत पड़ी तो मैं शस्त्र भी उठा लूंगा. जदयू विधायक संजीव कुमार ने बिना नाम लिए कहा कि जब कुत्ता ज्यादा भौंकने लगे, तो लात मारनी पड़ती है. रेलवे में चोरी चकारी वाला सामान बेचकर जो बिजनेस चलाते हैं. ऐसे लोगों को ठीक करना आता है. गठबंधन में रहते हुए ऐसे लोगों से दूर रहना चाहता हूं.

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

ई–निविदा सं.: C-710-TORI-A-GCT.

1. कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : टोरी–A–(TORI) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास। 2. टोरी स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत : ₹31,12,98,195/–, 3. बयाने की राशि : ₹3,11,29,900/–, 4. निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय : ई–निविदा बंद होने की तारीख 17.03.2025 को 15:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तारीख 17.03.2025 को 15:30 बजे से। 5. वेबसाइट का विवरण : http://www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/02140/डीएचएन/वा./टी/24–25/36

विवाद के चलते युवक को मारी गोली

पटना,(ईएमएस): पटना के मछरेहटा में मंगलवार की देर रात जितिया तमोली गली में प्रेम गुप्ता (३५) को बाइक सवार बदमाशों ने पेट में गोली मारी है। घायल प्रेम को अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने उन्हें एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया। खाजेकला थाना प्रभारी के मुताबिक घायल प्रेम का भी आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल से गोली का एक खोखा बरामद किया है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि हमलावर और प्रेम गुप्ता के बीच पहले से विवाद चल रहा था। गोलीबारी की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हमलावर मौके से हथियार लहराते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने संगम में लगाई डुबकी

पटना (एजेंसी): महाकुंभ २०२५ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और राजनीति के अद्भुत मेल का भी गवाह बन रहा है. इसी क्रम में महाकुंभ २०२५ के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मंगलवार को त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई.

उन्होंने स्नान के बाद कहा कि भारत भक्ति और संस्कृति की भूमि है, जिसे विश्वगुरु कहा जाता था. उन्होंने इस आयोजन को आस्था और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि आज कुछ लोग हमारी आस्था में बाधाएं डालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति यह साबित करती है कि भारतीय संस्कृति अडिग और अमर है. केंद्रीय मंत्री ने बातचीत में कहा, श्रद्धालुओं की यह आस्था दुनिया को भारत की शक्ति दिखा रही है. त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद जीतन राम मांझी ने कहा, मैंने यहां आकर बहुत अच्छा महसूस किया. उन्होंने इस आयोजन को भारतीय संस्कृति का भव्य प्रतीक बताया. महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के बाद जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लालू प्रसाद यादव और ममता बनर्जी पर तंज भी कसा.

उन्होंने लिखा, लीजिए भाई, हमने भी महाकुंभ स्नान कर लिया. अब यदि किसी को पेट में दर्द हो रहा होगा, तो हम उनका कुछ नहीं कर सकते. वैसे लालू प्रसाद यादव जी एवं ममता दीदी को कुछ ज्यादा ही समस्या होगी. उनके इस पोस्ट के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है. माना जा रहा है कि उन्होंने अपने इस बयान के जरिए विपक्ष पर सीधा हमला बोला है.

इससे पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्स पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ''प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह जी के सेवा शिविर में सपरिवार पहुंचा हूं. बिहार निवासी रोहित ने लगातार पिछले ४० दिनों से देश-दुनिया से आ रहे श्रद्धालुओं का उत्तम सेवा किया है.''

सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को जारी किया गया पत्र

पटना (एजेंसी): बिहार शिक्षा विभाग के सभी विकासात्मक कार्य अब शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड ही करेगा. इसके लिए बुधवार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है. पत्र में कहा गया है कि विकास कार्यों के निरीक्षण एवं समीक्षा के क्रम में यह पाया गया है कि शिक्षा विभाग के विभिन्न प्रकार के विकास कार्यों का क्रियान्वयन अनेकों एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है.

ई-शिक्षा कोष पर अपलोड किए गए आंकड़ों की समीक्षा में यह पाया गया है कि जिला स्तर पर असैनिक कार्यों का क्रियान्वयन किए जाने के कारण जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जिला के विद्यालयों के शैक्षणिक कार्यों को देखने का पर्याप्त समय नहीं देते हैं. इस कारण से शिक्षा विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के समरूप एवं समेकित रूप से गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन में कठिनाई हो रही है. वर्तमान में जिला स्तरीय समिति के माध्यम से जिला स्तर पर विकास कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी अधिकतम ५० लाख रुपए तक की योजना ले सकते हैं. ऐसी स्थिति में एक ही विद्यालय परिसर की अनेक योजनाएं ५० लाख की सीमा के अंदर सीमित कर क्रियान्वित की जा रही हैं.

इस कारण एक विद्यालय का समेकित विकास नहीं हो पा रहा है और साथ ही साथ एक ही परिसर में अनेक संवेदक कार्यरत हैं. फिलहाल बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड केवल ५० लाख से अधिक राशि की योजना के क्रियान्वयन के लिए प्राधिकृत है. जबकि इस निगम का गठन शिक्षा विभाग के सभी प्रकार के विकास कार्यों को करवाने के लिए किया गया है. इस स्थिति में शिक्षा विभाग के असैनिक कार्यों के क्रियान्वयन बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ही कराने का निर्णय लिया गया है.

शिक्षा विभाग के सभी प्रकार के विकास कार्यों का क्रियान्वयन ३१ मार्च के बाद बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा ही किया जाएगा. पत्र में यह भी कहा गया है कि विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक अपने स्तर पर मरम्मत के कार्य करा सकेंगे, जिसकी कुल अधिकतम सीमा ५० हजार रुपए है. उक्त राशि प्रधानाध्यापक के खाते में विभाग द्वारा स्थानांतरित कराई जाएगी. ३१ मार्च, २०२५ के बाद किसी भी निर्माण से संबंधित राशि जिला शिक्षा पदाधिकारी को नहीं दी जाएगी. निर्माण कार्य के लिए विभाग सीधे बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड को राशि उपलब्ध कराएगा.

सीट बंटवारे को लेकर बिहार में कांग्रेस हुई सतर्क

पटना(ईएमएस): बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पहले से सतर्क दिखाई दे रही है। पार्टी समझौते के मूड में भी दिखाई नहीं दे रही है।पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ेगी लेकिन घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में पार्टी इस बार ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने की जिद्द के बजाय जीत की अधिक संभावना वाली सीट हासिल करने की कोशिश करेगी। इससे पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीट पर जीत हासिल कर सकेगी।

प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि गठबंधन में सीट बंटवारे पर चर्चा के दौरान पार्टी सिर्फ उन सीट पर अपनी दावेदारी जताएगी, जहां जीत की संभावनाएं हैं। इसके लिए गठबंधन के सहयोगियों के साथ कुछ सीट की अदला-बदली भी करनी होगी। पार्टी ने वर्ष २०२० चुनाव में ७० सीट पर चुनाव लड़ा था पर इनमें ज्यादातर सीट सिर्फ गिनती बढ़ाने के लिए थी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गठबंधन के घटकदलों के साथ सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है, पर इतना साफ है कि कांग्रेस इस बार सीट की संख्या बढ़ाने के बजाय जीत पर ज्यादा ध्यान देगी।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सीट बंटवारे पर राजद और दूसरे घटक दलों के साथ बातचीत से पहले पार्टी ने एक आंतरिक सर्वे कराया है। करीब एक माह पहले हुए इस सर्वे के मुताबिक, पार्टी को सीट की संख्या के बजाय जीत की संभावना वाली सीट पर चुनाव लड़ना है। करीब पांच दर्जन सीट पर पार्टी के पास संगठन और बेहतर उम्मीदवार है।

पार्टी को गठबंधन में पसंदीदा सीट मिलती है, तो कम सीट पर चुनाव लड़ सकती है। वर्ष २०२० के चुनाव में कांग्रेस ७० में सिर्फ १९ सीट पर जीत दर्ज कर पाई थी। इन चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी को गठबंधन की हार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। जबकि पार्टी को मिली ७० में से ४५ सीट एनडीए का मजबूत गढ़ थी। पिछले चार चुनाव से इन सीट पर पार्टी लगातार हार रही थी। वर्ष २०२० के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की परंपरागत कई सीट लेफ्ट के हिस्से में आई थी, जिसका लेफ्ट को फायदा मिला और उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था।

इससे पहले वर्ष २०१५ के चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ ४१ सीट पर किस्मत आजमाई थी और २७ पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में कांग्रेस इस बार वर्ष २०२० की तरह ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने के बजाय जीत की अधिक संभावना वाली सीट पर चुनाव लड़ा जाए। पार्टी के एक नेता ने कहा कि इसके लिए पिछले चुनाव के मुकाबले कुछ कम सीट पर भी चुनाव लड़ा जा सकता है।

महिलाओं के नाम रजिस्ट्री कराने पर घटेगा स्टांप शुल्क

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है. बजट सत्र के दौरान स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रविंद्र जायसवाल ने घोषणा की है कि महिलाओं के नाम पर संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर अब एक करोड़ रुपये तक की संपत्तियों पर एक फीसदी अतिरिक्त छूट मिलेगी.

अब तक यह छूट केवल १० लाख रुपये तक की संपत्तियों पर ही लागू थी, लेकिन नई योजना के तहत इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपये तक कर दिया गया है. इससे महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने वालों की संख्या में इजाफा होगा और महिलाओं की पारिवारिक निर्णय लेने की क्षमता भी मजबूत होगी.

सीमा-सचिन के घर गूंजने वाली है किलकारी

नोएडा,(ईएमएस): सीमा पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते अपने चार बच्चों के साथ २०२३ में भारत पहुंची सीमा हैदर को लेकर लोग मांग कर रहे थे कि सीमा और सचिन का एक बच्चा तो होना चाहिए। दो माह पहले ही सीमा ने प्रेग्नेंसी की बात वीडियो के जरिए बताई थी। वीडियो बनाकर सीमा ने बताया था कि उनके घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। अब सीमा की डिलीवरी की तारीख नजदीक आ गई है। सीमा हैदर ने प्रेग्नेंसी को कंफर्म करने के साथ बताया था कि उनकी डिलीवरी फरवरी २०२५ में होगी।

यही नहीं सचिन मीणा के साथ सीमा ने कई वीडियो शेयर किए थे। सीमा के मुताबिक फरवरी में उनकी कभी भी डिलीवरी हो सकती है। दूसरी ओर सीमा के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने सचिन और सीमा के बच्चे को नाजायज बताते हुए कहा था कि जो अपने पति की नहीं हुई, वह सचिन की क्या होगी।

झारखण्ड सरकार
अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद

दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com

पत्रांक– 264 / SNMMCH — धनबाद, दिनांक– 19.02.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद के कार्य हेतु दो वर्षों के लिए बोलेरो निओ गाड़ी की वाह्यश्रोतिय व्यवस्था के तहत अनुभवी एवं योग्य संवेदको से दो बोली व्यवस्था (2Bid System) के अंतर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि– 06.03.2025 के संध्या 05:00 बजे होगी। निविदा स्पीड–पोस्ट अथवा हाथों–हाथ जमा किया जा सकता है। अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में स्वयं अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि को भेजकर निविदा प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

PR 346778 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

कार्यालय –सिविल सर्जन सदर अस्पताल, गिरिडीह
Phone No. 06532-250842 Mail ID :ds.giridih@gmail.com

निविदा सं0 – 11 — **अति–अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना** — दिनांक 18.02.2025

अस्पताल प्रबंधन समिति सदर अस्पताल, गिरिडीह के बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में एतद् इच्छुक रजिस्टर्ड कबाडीमेसर्स को सूचित किया जाता है कि सदर अस्पताल गिरिडीह के परिसर में तथा विभिन्न कार्यालयों के अन्तर्गत पड़े हुए पुराने रद्दी सामाग्री एवं अंतिम रूप से वाहनों की जहां है जिस स्थिति में है के आधार पर निलामी की जाएगी। जिसके लिए तकनी कीबीड एवं वित्तीय बीड संलग्न शर्त्तों के साथ निविदा निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी शर्त्तों की विवरणी अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचना पट्ट एवं गिरिडीह जिला के वेबसाईट www.giridih.nic.in पर देखी जा सकती है।

Sl No	Details	Timeline/other Particulars
01.	Tender Document Fee (Non-Refundable)	Rs. 5000 (Rupees Five Thousand) in the form of Demand Draft in Favour of **"Civil Surgeon, Hospital Management Society"** Sadar Hospital Giridih Payable at Giridih should be attached with hard copy of Tender.
02.	Date of start of Bid Submission	20/02/2025
03.	Last Date And Time for Submission of Bids	02/03/2025 till 05:00 PM
04.	Opening Bid-	04/03/2025 at 01:00 PM

सिविल सर्जन
सदर अस्पताल, गिरिडीह

PR 346769 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय,धनबाद
(जिला निर्वाचन शाखा)
(Phone No.:-0326-2312412, E-mail: electiondhanbad@gmail.com)

–:: आम सूचना ::–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि लोक सभा आम निर्वाचन–2024 एवं विधान सभा आम निर्वाचन–2024 के निमित मतदान कार्य/निर्वाचन कार्य के लिए उपलब्ध कराये गये चुनाव सामग्री, खाद्य सामग्री एवं विभिन्न प्रकार के चुनाव से संबंधित सामग्री जो एजेन्सियों/आपूर्तिकर्त्ताओं के द्वारा उपलब्ध कराया गया था यदि उसका भुगतान लम्बित हो तो विपत्र अविलम्ब अद्योहस्ताक्षरी के जिला निर्वाचन शाखा, धनबाद में दिनांक 25.02.2025 तक भुगतान हेतु जमा करना सुनिश्चित करें ताकि ससमय जाँचोपरांत भुगतान की अग्रेतर कार्रवाई की जा सके। उक्त तिथि के बाद बकाया या अन्य किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

उप निर्वाचन पदाधिकारी, धनबाद। — वरीय पदाधिकारी(निर्वा0)–सह–जिला आपूर्ति पदाधिकारी, धनबाद। — जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह उपायुक्त, धनबाद।

PR 346733 Election(24-25).D

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, CHAS
Reg. Office : ITI More, Chas, (Bokaro), Pin- 827013, Email ID- esechas011@gmail.com

TENDER NOTICE

Sealed Tender in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (Price part) are invited from the reputed tenderers having good experience of following similar nature of civil works and having financial soundness status.

Sl. No.	NIT No.	Name of Work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ including GST @ 18 % (Non-refundable) (In Rs.)	Time of completion of work
01)	327/PR/JBVNL/ 2024-25	Repairing and maintenance of the office building Electric Supply Sub-Division, Ganeshpur under Electric Supply Division, Loyabad".	3,03,900=00	6,100=00	885=00	60 Days
02)	328/PR/JBVNL/ 2024-25	Repair and maintenance of the office building MRT, Chas under Electric Supply Circle, Chas.	2,93,700=00	5,900=00	885=00	60 Days

Last date and time for sale of BOQ/ Tender documents	11/03/2025 up to 5.00 PM
Last date and time for physical submission of tender documents	12/03/2025 upto 02:30 PM
Date and time for opening of tender Part-I (Technical and Commercial)	12/03/2025 at 3:00 PM
Date and time for opening of tender Part-II (Price Part)	Further communicated
Tendering Officer and address for communication	Electrical Superintending Engineer, ESC-Chas

1. Tender documents with BOQ including term& conditions, specification etc. can be purchased on mentioned cost either in cash or in shape of Demand Draft from the office of the undersigned during office hours up to last date of sale of BOQ/Tender documents.
2. Demand Draft from any nationalized/Scheduled bank of India towards requisite amount of Earnest money and/or cost of BOQ may be made in favour of **Accounts Officer, Electric Supply Circle, Chas,** payable at **Chas**.
3. The tenders will be received through offline tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
Electric Supply Circle, Chas

PR 346772 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd)24-25*D

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT
GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell
Very Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/44/2024-25

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	S/R to E.I of Additional AC wiring in Civil Court, Pakur.	19,62,964.00	5000.00	39500.00	15 days
2	Date of Publication of tender on website	25.02.2025			
3	Online bid submission period	From 27.02.2025 at 10:30 am to 04.03.2025 at 2:00 pm			
4	Technical Bid Opening Date	05.03.2025 at 3:00 pm			
5	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad			
6	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
7	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad.

PR 346783 (Election)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– पुनर्निविदा सूचना संख्या – **RDD/SD/BOKARO/02/2024-25/GR_02/RE**

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिलान्तर्गत गोमिया प्रखण्ड के शास्त्रीनगर एवं तुईयों के बीच खीराबेड़ा नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 105.85 मी०)	55571000.00	1112000.00	10000.00	24 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 01.03.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 01.03.2025 से दिनांक 22.03.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 24.03.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,बोकारो

PR 346804 Rural Development(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

शुद्धि - पत्र

ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/BOKARO/59/2024-25 जिसकी पी० आर० संख्या– 346595 Rural Development (24-25).D है, में अंकित परिमाण विपत्र की राशि– रू० 5000.00 के स्थान पर रू० 10000.00 पढ़ा जाय।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
बोकारो

PR 346803 Rural Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि पत्र

दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित निविदा संख्या 10/2024–25 पी0आर0 सं0 346686 (Building)2024-25 D में निविदा बिक्री की तिथि 27.02.2025 एवं निविदा प्राप्ति की तिथि 28.02.2025 एवं खोलने की तिथि 28.02.205 में ग्रुप सं0 01 Emergent Repair of C/1 Quarter Land Revenue Officers at Officer's Colony Dhanbad का प्राक्कलित राशि रू0 2,45,150.00 एवं अग्रधन की राशि 5000.00 पढ़ा जाय एवं क्रमांक सं0 02 E/R of "D" Type Quarter No. 11 in Officer's Colony Dhanbad को अप्रिहार्य कारणो से रद्द किया जाता है।

अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 346786 Building(24-25).D

ईसीआर जीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा १८.०२.२०२५ को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी । इस बैठक में पांचो मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक अपने-अपने मंडलों के शाखा अधिकारियों के साथ वीडियो क्रांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

बैठक में मुख्य रूप से महाकुंभ-२०२५ के दौरान स्टेशनों एवं ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट, कुंभ स्पेशल ट्रेनों के परिचालन सहित श्रद्वालु यात्रियों की सुविधा के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की गयी। महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधकों एवं मुख्यालय के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिया कि क्राउड मैंजमेंट में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए यात्री सुरक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया । उन्होंने कहा कि अंतिम क्षणों में प्लेटफॉर्म न बदला जाए। स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को सीसीटीवी द्वारा लगातार मॉनिटरिंग किया जाए एवं आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाए ।

विदित हो कि क्राउड मैनेजमेंट हेतु मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर वाररूम की स्थापना की गयी है जहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सी०सी०टी०वी० कैमरे से चौबीसों घंटे लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। यात्री सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो इसके लिए स्टेशनों पर रेल सुरक्षा बल निरंतर चौकसी बरत रहे हैं । साथ ही इस कार्य हेतु प्रमुख स्टेशनों पर भीड को नियंत्रित करने हेतु जिला पुलिस, एसएसबी एवं एसडीआरएफ की भी मदद ली जा रही है।

अधिक भीड़-भाड़ वाले प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया गया है जिसमें पानी, बैठने एवं आराम करने तथा यात्री सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। साथ ही ट्रेन के आवागमन की जानकारी सहज उपलब्ध हो सके इसके लिए स्टेशनों पर निरंतर उद्घोषणा की जा रही है। यात्रा टिकट प्राप्त करने में दिक्कत ना हो इसके लिए प्रमुख स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टिकट काउंटर एवं एटीवीएम के लिए अतिरिक्त फैसिलिटेटर का प्रावधान किया गया है ।

पैदल उपरी पुल/प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया पर विशेष ध्यान के साथ स्टेशनों पर और ट्रेनों में पर्याप्त संख्या में आरपीएफ एवं जीआरपी की तैनाती की गयी है । लंबी दूरी की ट्रेनों की सामान्य बोगियों में यात्रियों के चढ़ते समय धक्का-मुक्का न हो, इसके लिए आरपीएफ एवं जीआरपी द्वारा ज्यादा भीड़-भाड़ वाली ट्रेनों के सामान्य बोगियों में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से चढ़ाने की व्यवस्था की गयी है।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को मिले भारत रत्न : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार के सत्तारूढ जदयू ने राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव की तरफ से अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को भारत रत्न दिए जाने की वकालत किये जाने को १८ फरवरी, २०२५ दिन मंगलवार को 'हास्यास्पद' करार दिया है. जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि लालू प्रसाद के बेटे की तरफ से उनके लिए भारत रत्न दिए जाने की वकालत करना हास्यास्पद है. वह (तेजस्वी यादव) अपने परिवार से आगे नहीं सोच सकते.

राजीव रंजन ने कहा कि उन्हें (तेजस्वी) यह पता होना चाहिए कि भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है...यह उन लोगों को नहीं दिया जाता जो घोटालों में शामिल रहे हों.

भोजपुरी को योगी सरकार ने दिया शास्त्रीय भाषा का दर्जा

लखनऊ (एजेंसी): भोजपुरी भाषा को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. योगी सरकार ने भोजपुरी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देते हुए उसे विधानसभा में भी मान्य कर दिया है. इससे अब उत्तर प्रदेश की विधानसभा में भी भोजपुरी सुनाई देगी. इतना ही नहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोजपुरी भाषा को प्रोत्साहन देने के लिए बोर्ड बनाने की घोषणा की है. विधानसभा में जब समाजवादी पार्टी ने इसका विरोध किया तो सीएम योगी ने जमकर लताड़ लगाई. बता दें कि भोजपुरी भाषा आज विश्व के कई देशों में बोली जाती है. लेकिन क्या आपको पता है कि इस भाषा की उत्पत्ति कहां से हुई और इसका इतिहास क्या है?

बता दें कि भोजपुरी भाषा एक हजार साल से अधिक पुरानी भाषाओं में से एक है. भोजपुरी एक पूर्वी हिंद-आर्य भाषा है, जो बिहार के भोजपुर और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में बोली जाती है. भोजपुरी के विशेषज्ञों के मुताबिक, भोजपुरी का इतिहास ७वीं सदी से शुरू होता है और मगधी प्राकृत से इस भाषा की उत्पत्ति हुई है. बिहार के बक्सर जिले में नवका भोजपुर और पुरनका भोजपुर नाम के दो गांव हैं. यहीं से भोजपुरी भाषा की उत्पत्ति हुई थी. भोजपुर नामक गांव उत्पत्ति होने के कारण ही इस भाषा का नाम भोजपुरी पड़ा.

इतिहासकारों का कहना है कि मध्य काल में मध्य प्रदेश के उज्जैन से आए भोजवंशी परमार राजाओं ने बक्सर में भोजपुर गांव को बसाया था. भोजपुरी भाषा पश्चिमी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के उत्तर-पूर्वी भाग और नेपाल के तराई क्षेत्र में बोली जाती है. झारखंड राज्य में भोजपुरी दूसरी राजकीय भाषा है. नेपाल, फिजी और मॉरिशस जैसे देश में भोजपुरी को संविधानिक मान्यता मिली हुई है.

दुनिया में भोजपुरी भाषा का विस्तार बड़ी तेजी से हो रहा है. वहीं दूसरी ओर भोजपुरी सिनेमा इस भाषा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है. भोजपुरी सिनेमा के नाम पर परोसी जाने वाली अश्लीलता के कारण इस भाषा को शर्मसार होना पड़ जाता है. होली हो या दिवाली, न्यू ईयर हो या क्रिसमस भोजपुरी भाषा में अश्लील गानों की झड़ी लग जाती है. अगले महीने होली है और इसके लिए अभी से भोजपुरी गाने मार्केट में धूम मचाने लगे हैं, जिनमें से अधिकांश में जमकर फूहड़ता और अश्लीलता परोसी जा रही है.

पटना से चार बसें 200 भक्तों को लेकर कुंभ रवाना

पटना (ईएमएस) : बिहार की राजधानी पटना के बीजेपी कार्यालय से ४ बसों को प्रयागराज के लिए रवाना किया गया है। करीब २०० भक्त बस से रवाना हुए हैं। इनके रहने और भोजन तक की व्यवस्था भाजपा की तरफ से की गई है। गुरुवार को संगम में डुबकी लगाकर पटना वापस लौटेगी। भाजपा के संगठन महामंत्री भिखु भाई दलसानिया ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बस से जाने वाली महिला यात्री ने बताया कि हमलोग आठ लोग हैं। बीजेपी की ओर से मौका मिला है। कुंभ के लिए ट्रेनों और बसों में काफी भीड़ चल रही है। इस बस से सहूलियत होगी। हमलोग भी महाकुंभ में स्नान करने वाले है। वहीं, आयोजक मनीष सिन्हा ने कहा कि विदेशों से भी लोग महाकुंभ आ रहे हैं। हम लोगों ने यह पहल की है कि असमर्थ लोगों को महाकुंभ में स्नान कराएंगे। इस लेकर ही ४ बस से लोगों को प्रयागराज भेजा गया है।

महाकुंभ पर लालू प्रसाद के बयान के बाद बयानबाजी तेज हो गई थी। इसके बाद बीजेपी गरीब लोगों को प्रयागराज ले जाने का निर्णय किया था। उन्हें बस से ले जाया गया है। रहना, भोजन और ट्रैवलिंग का कोई शुल्क नहीं देना होगा। पटना के वीरचंद पटेल रोड स्थित बीजेपी कार्यालय से बुधवार को चार बसें महाकुंभ के लिए रवाना हुई। भाजपा एनआरआई सेल के संयोजक सिन्हा का कहना है कि इसमें आने जाने, खाने पीने और वहां रहने का सारा इंतजाम किया जा रहा है। महाकुंभ का अनुभव सभी को मिलना चाहिए। ५५ करोड़ लोग अभी तक स्नान कर चुके है। यहां के जो लोग सक्षम नहीं थे, उन्हें हम अब ले कर जा रहे है।

एक प्रख्यात कवि व साहित्यकार हैं वीरेंद्र वत्स

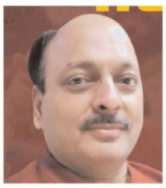

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब विपक्ष पर कटाक्ष करने के लिए एक विशेष कविता की पंक्तियों का इस्तेमाल किया, तो यह चर्चा का विषय बन गई. हर ओर इस कविता और इसे लिखने वाले साहित्यकार वीरेंद्र वत्स के बारे में बात होने लगी.

वीरेंद्र वत्स न केवल एक प्रख्यात कवि और साहित्यकार हैं, बल्कि एक वरिष्ठ पत्रकार और उत्तर प्रदेश के नव-नियुक्त राज्य सूचना आयुक्त भी हैं. सीएम योगी की जुबान से उनकी कविता की पत्तियां सुन उनके गृह जनपद में एक बार फिर खुशी की लहर दौड़ गई है. इससे पहले जब वीरेंद्र वत्स को राज्या सूचना आयुक्त बनाया गया था, तब भी खूब जश्न मनाया गया था.

वीरेंद्र सिंह वत्स का झुकाव छात्र जीवन से ही पत्रकारिता और साहित्य की ओर रहा है. अपनी लेखनी के माध्यम से उन्होंने प्रदेश और देश में अलग पहचान बनाई है.

उनकी चर्चित रचनाएं अयोध्या सियाराम की देती समता का संदेश और विश्वनाथ से मिलकर पुलकित गंगा की अविरल धारा जैसी कविताएं साहित्य प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं.

उनके राज्य सूचना आयुक्त बनने की खबर से उनके गृह जनपद सुल्तानपुर के कादीपुर तहसील क्षेत्र के गोपालपुर, सराय ख्वाजा बिजेथुआ गांव में खुशी का माहौल है.

उनकी साहित्यिक और पत्रकारिता की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें नॉर्वे में अंतर्राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान, मुंबई में अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संस्कृत सम्मान से नवाजा गया है.

उत्तर प्रदेश सरकार के कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वीरेंद्र वत्स के लिखे गीत शामिल होते रहे हैं. गणतंत्र दिवस परेड में उनके लिखे गीतों को लगातार दो साल प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है. उनके चर्चित गीत विश्वनाथ से मिलकर पुलकित गंगा की अविरल धारा और कला और संस्कृति की धरती, धन्य धन्य उत्तर प्रदेश को विशेष सम्मान मिला है.

महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

प्रयागराज,(ईएमएस): महाकुंभ के ३८वें दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार को भी संगम में लाखों श्रद्धालुओं पवित्र स्नान किया है। इसी के साथ अब तक ५६.३६ करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते न्यू यमुना ब्रिज पर करीब ४ किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें लोग तीन घंटे तक फंसे रहे। आम श्रद्धालुओं को १०-१२ किमी पहले ही रोक दिया गया, जबकि वीआईपी गाड़ियों को अरैल घाट तक जाने दिया गया। प्रयागराज की रजिस्टर्ड (यूपी ७०) वाहनों को ही शहर में एंट्री दी गई है, जबकि बाहर से आने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। संगम पर नावों का जाम भी देखने को मिला, जिससे स्नान करने वालों को भी परेशानी हुई।

बुधवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने संगम में स्नान किया। हालांकि, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी नहीं पहुंचे। इससे पहले, अजय राय ने इटावा में कहा था कि वे १९ फरवरी को महाकुंभ जाएंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा नकवी ने भी बुधवार सुबह संगम में स्नान किया। कानून व्यवस्था संभालने वाले ही नियम तोड़ रहे भीड़ को नियंत्रित करने में लगी पुलिस खुद यातायात नियमों का पालन नहीं कर रही। एक पुलिसकर्मी को डिवाइडर पर बाइक चढ़ाकर रॉन्ग साइड जाते देखा गया। महाकुंभ के समाप्त होने में अब सिर्फ ७ दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। अगले कुछ दिनों में और बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है। प्रशासन को भीड़ और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

बिहार ऑबजर्वर

के 31वें स्थापना दिवस

पर

हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

कुंभ में पूरा पैसा खर्च कर रही योगी सरकार : अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस): समाजवादी पार्टी (एसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के आगामी बजट को लेकर निशाना साधा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि योगी सरकार सारा पैसा कुंभ मेले पर खर्च कर रही है, इसके बाद प्रदेश के किसानों के लिए कुछ नहीं बचेगा। सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा, योगी सरकार को किसानों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। अगर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, तब कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। लेकिन योगी सरकार अपनी प्राथमिकताओं को भूलकर केवल धार्मिक आयोजनों पर पानी की तरह पैसा बहा रही है। दरअसल अखिलेश ने यह बयान तब दिया है जब यूपी सरकार अगले बजट की तैयारियों में जुटी हुई है। अखिलेश ने कहा, कुंभ का आयोजन महत्वपूर्ण है, लेकिन जब किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, गन्ना किसानों के बकाए का भुगतान अटका है और महंगाई बढ़ रही है, तब सारा ध्यान सिर्फ कुंभ पर देना उचित नहीं है।

अखिलेश के इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। योगी सरकार के प्रवक्ताओं ने कहा कि कुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का महापर्व है और इस पर सवाल उठाना उचित नहीं। उन्होंने दावा किया कि सरकार किसानों और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों पर बराबर ध्यान दे रही है।

सनातन धर्म को बदनाम करने की हो रही साजिश : सीएम योगी

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फर्जी वीडियो के द्वारा सनातन धर्म पर आधारहीन आरोप लगाने का फैशन हो गया हैं। ये लोग करोड़ श्रद्धालुओं की मां गंगा, भारत और महाकुंभ के प्रति आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। सीएम योगी ने यूपी विधानभा को संबोधित करते हुए कहा कि संगम का पानी न केवल स्नान बल्कि पीने के लिए भी ठीक है और ये सीपीसीबी की फेकल बैक्टीरिया रिपोर्ट के बाद महाकुंभ को बदनाम करने का कथित प्रचार कर रहे हैं।

दरअसल, सीपीसीबी ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी को सूचना दी थी कि महाकुंभ में स्नान के लिए फेकल कोलीफॉर्म के स्तर के संबंध में प्राथमिक जल गुणवत्ता अनुरूप नहीं थी। फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया गर्म रक्त वाले जानवरों और मनुष्यों की आंतों में मिलते है। इन्हें आमतौर पर पानी में संभावित संदूषण के संकेतक के रूप में उपयोग किया जाता है। ये किसी भी व्यक्ति के स्नान के लिए हानिकारक हो सकता है।

यूपी विधानसभा में इस बारे में सीएम योगी ने कहा, यह आयोजन किसी एक संस्था या पार्टी द्वारा नहीं किया गया है। ये आयोजन पूरे समाज का है और हमारी सरकार केवल नौकर की तरह अपना दायित्व पूरा कर रही है। जबकि पूरा देश और दुनिया इसमें बढ़चढ़कर भागीदार बन रही है।

शहजादी को होने वाली फांसी टली

बांदा,(ईएमएस): यूपी की रहने वाली शहजादी को दुबई में होने वाली फांसी फिलहाल टल गई है। यूएई अधिकारियों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है उसकी पुनर्विचार याचिका पर विचार चल रहा है। पहले ऐसी खबरें आईं थीं कि शहजादी को २४ घंटे के अंदर फांसी दी जाएगी। यह खबर उसके घर आखिरी फोन कॉल के बाद आई थी, लेकिन अब पुष्टि हुई है कि फांसी की खबर गलत थी। बता दें शहजादी पर एक बच्चे की मौत का आरोप है।

सूत्रों ने बताया कि यह खबर गलत है कि शहजादी को २४ घंटे के अंदर फांसी दे दी जाएगी। भारतीय दूतावास ने यूएई अधिकारियों से इसकी पुष्टि की है। उनके मामले में एक पुनर्विचार याचिका दायर की गई है और मामले की जांच चल रही है। शहजादी यूपी के बांदा के गोयरा मुगली गांव में रहती थी। वहां उसकी मुलाकात आगरा के उज़ैर से हुई। उज़ैर ने उसे बेहतर जिंदगी जीने का वादा किया और उसे आगरा ले गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक उज़ैर ने शहजादी को आगरा के एक दंपती को बेच दिया। दंपती उसे अबू धाबी ले गई। बांदा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट के आदेश पर अधिकारियों ने उस दंपती और उज़ैर के खिलाफ मानव तस्करी का मामला दर्ज किया है। दंपती दुबई में रहता है। अबू धाबी में शहजादी को उस दंपती के बेटे की देखभाल की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन एक दिन अचानक बच्चे की मौत हो गई। दंपती ने बच्चे की मौत का इल्ज़ाम शहजादी पर लगा दिया।

इसके बाद जांच शुरू हुई और अबू धाबी की एक कोर्ट ने उसे आरोपी मानते हुए मौत की सजा सुना दी। फैसले के बाद शहजादी के पिता, शब्बीर खान

ने जिला प्रशासन और सरकार से बेटी को बचाने के लिए अपील की। शहजादी की ज़िंदगी मुश्किलों से भरी रही है। बचपन में रसोई में काम करते समय वह जल गई थी। २०२० में वह सोशल मीडिया के जरिए उज़ैर के संपर्क में आई। उज़ैर ने उसके चेहरे के जख्मों का इलाज कराने और बेहतर जिंदगी देने का वादा किया। शहजादी २०२१ में उज़ैर के साथ आगरा आ गई, लेकिन उज़ैर उसे बेहतर जिदंगी देने के बजाय अबू धाबी ले गया। वहां उसने शहजादी को अपने रिश्तेदारों, फैज और नादिया को सौंप दिया। इसी दौरान उनके चार महीने के बच्चे की मौत हो गई। शहजादी के साथ जो हुआ वह बेहद दुखद है। उसे न्याय मिलना ही चाहिए।

भारतीय दूतावास उसके मामले पर नजर रख रहा है और उम्मीद है कि उसे जल्द ही इंसाफ मिलेगा। यह मामला मानव तस्करी का है। उज़ैर और उससे जुड़े लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से सावधान रहना कितना जरूरी है। फिलहाल यह जानकर उसके परिवार और लोगों को राहत महसूत हुई है कि शहजादी को अभी फांसी नहीं होगी। उम्मीद है कि उसे न्याय मिलेगा और वह अपने परिवार के पास वापस भारत आ पाएगी।

देवघर ऊऊ ने पंडा पुरोहित के साथ की बैठक, बारात रूट और शीघ्रदर्शनम कूपन की राशि निर्धारित

देवघर (एजेंसी): उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में महाशिवरात्रि के सफल संचालन को लेकर पंडा पुरोहित समाज के प्रतिनिधियों और सम्मानित सदस्यों के साथ समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में उपायुक्त ने महाशिवरात्रि और शिवबारात के दौरान की जाने वाली विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की और पंडा समाज के सदस्यों एवं प्रतिनिधियों से उनके सहयोग और विचारों से अवगत हुए।

बैठक में, उपायुक्त विशाल सागर ने बताया कि शिवरात्रि के दिन शीघ्र दर्शनम का शुल्क पूर्व की तरह ६०० रुपये निर्धारित किया गया है, इस पर सभी ने सहमति जताई। इसके अलावा, उन्होंने श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देने के उद्देश्य से सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित जलार्पण और सुखद अनुभव देने के लिए जन सहयोग से पूरी तत्परता के साथ कार्य करना होगा।

उपायुक्त ने मंदिर प्रांगण और आसपास की क्षेत्रों में बिजली और लाइटिंग की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए। साथ ही, शीघ्र दर्शनम कूपन की व्यवस्था को और सुगम बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

बैठक में महाशिवरात्रि के सफल संचालन को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सभी ने आपसी समन्वय के साथ बेहतर कार्य करने की बात की और साथ ही, शिवबारात के रूटलाइन को पूर्व की तरह भव्य रूप से निकालने की योजना बनाई।

इस बैठक में नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता श्री हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी देवघर अशोक कुमार, हेडक्वार्टर डीएसपी लक्ष्मण प्रसाद, जिला स्थापना उपसमाहर्ता मनोज कुमार, गोपनीय प्रभारी मुकेश कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी राजीव कुमार, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग, सरदार पंडा, पंडा धर्मरक्षिणी के अध्यक्ष, पंडा धर्मरक्षिणी के महामंत्री, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य और पंडा व तीर्थ पुरोहित समाज के सदस्य तथा संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

रांची के आरुणी बने एनसीसी नेवी विंग के ऑल इंडिया बेस्ट कैडेट

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के पुंदाग स्थित एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल (बैच २०२२) के पूर्व छात्र आरुणी प्रसाद ने एनसीसी (नेवी विंग) में अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें ऑल इंडिया बेस्ट कैडेट (पाँचवां स्थान) के रूप में सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि आरुणी के लिए और साथ ही झारखंड के लिए गर्व की बात है। इसके अतिरिक्त, आरुणी को सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल के लिए ऑल इंडिया स्पॉन्सर्ड कैडेट के रूप में चयनित किया गया है। उनके चयन ने उन्हें ५० मीटर श्रेणी में देश के टॉप १५ शूटरों में स्थान दिलवाया है। इसके साथ ही उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड में भी किया गया है।

आरुणी की यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प, मेहनत और समर्पण का नतीजा है। उनके इस कड़ा संघर्ष और महान कार्य के बाद, वह भविष्य के एनसीसी कैडेट्स के लिए एक प्रेरणा बन गए हैं। विद्यालय के प्राचार्य संजीत कुमार मिश्र ने आरुणी को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आरुणी को अपने अनुभवों को साझा करने और एनसीसी विंग के अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने कहा, आरुणी की सफलता सभी एनसीसी कैडेट्स के लिए एक प्रेरणास्रोत है और उनके मार्गदर्शन से अन्य कैडेट्स की आकांक्षाएं ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं।

बाबूलाल मरांडी ने संगम तट पर लगाई आस्था की डुबकी

रांची (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित हो रहे दिव्य महाकुंभ में लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी बुधवार को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया। बाबूलाल मरांडी ने इस अवसर पर कहा कि महाकुंभ एक ऐसा आयोजन है जिसमें लोग जाति और धर्म से ऊपर उठकर पवित्र संगम में डुबकी लगा रहे हैं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि महाकुंभ में सबसे अधिक संख्या में युवा श्रद्धालु आकर संगम में डुबकी लगा रहे हैं, जो बहुत सुखद है। यह वातावरण भव्य और दिव्य है, जिसमें श्रद्धालुओं की आस्था और संत महात्माओं के दर्शन की महिमा अद्वितीय है। उन्होंने इस अवसर पर झारखंड वासियों के लिए मंगल कामना भी की।

सोशल मीडिया पर भी साझा किया अनुभव

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा किए और लिखा, आज प्रयागराज के पवित्र महाकुंभ में त्रिवेणी संगम तट पर पुण्य स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगाकर अपार आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई। महाकुंभ का यह दिव्य वातावरण, संत महात्माओं के दर्शन और श्रद्धालुओं की आस्था वास्तव में अद्भुत और अलौकिक है। गंगा मईया से सबके कल्याण की मंगलकामना करता हूं।

रांची में होली पर हास्य व्यंग्य शृंगार व वीर रस की होगी बौछार

रांची (एजेंसी): होली के मौके पर रांची में हर साल होने वाले हास्य कवि सम्मेलन की परंपरा इस बार भी जारी रहेगी। इस वर्ष १२ मार्च को रात ९ बजे हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में हास्य, व्यंग्य, शृंगार और वीर रस की कविताओं से सजी इस विशेष काव्य संध्या का आयोजन किया जाएगा। कवि सम्मेलन में देशभर से प्रसिद्ध कवि अपने शब्दों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

समिति के मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में जानी बैरागी, सुनील पाल, भुवन मोहिनी, रमेश मुस्कान, गौरव चौहान, और शशिकांत यादव जैसे मशहूर कवि अपनी कविताओं का रंग बिखेरेंगे। ये कवि अपनी हास्य, व्यंग्य, शृंगार और वीर रस की कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाने के साथ-साथ उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ेंगे। समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की जाएगी ताकि सभी श्रोता आराम से कार्यक्रम का आनंद ले सकें। साथ ही, जलपान की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि दर्शक कार्यक्रम के दौरान ताजगी महसूस कर सकें।

पूर्व अध्यक्ष ललित पोद्दार ने कार्यक्रम के प्रवेश के बारे में जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क होगा। रांची के कविताप्रेमियों से पूर्व अध्यक्ष विनोद जैन ने आह्वान किया है कि वे इस शानदार कवि सम्मेलन का लुत्फ उठाएं और कविता के माध्यम से होली के रंगों में रंग जाएं।

सुदेश महतो जाएंगे दिल्ली, शपथ ग्रहण समारोह में होगें शामिल

रांची (एजेंसी): दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने २७ साल बाद एक ऐतिहासिक वापसी की है। पार्टी अब शानदार शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी कर रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा से लौटने के बाद आयोजित किया जाएगा। यह समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, यमुना किनारे या रामलीला मैदान में होने की संभावना है। इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और कई सांसदों के शामिल होने की उम्मीद है। झारखंड के आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बीजेपी ने दिल्ली की ७० सदस्यीय विधानसभा में ४८ सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, आम आदमी पार्टी (--झ) को केवल २२ सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को इस चुनाव में खाता भी नहीं खोलने का सामना करना पड़ा। --झ की हार के बाद, मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि, उन्हें नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा गया है। यह बीजेपी के लिए एक बड़ी जीत है, और पार्टी इस सफलता का जश्न मनाने के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्त नियुक्ति मामले की सुनवाई टली

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। समय की कमी के चलते जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली दो जजों की बेंच ने मामले को आगे बढ़ाते हुए जल्द सुनवाई का आश्वासन दिया है। याचिकाकर्ताओं ने २०२३ में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित समिति में चीफ जस्टिस (सीजेआई), प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को शामिल करने का आदेश दिया गया था। लेकिन सरकार ने नया कानून पास कर इस समिति से सीजेआई को हटा दिया और उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक मंत्री को शामिल कर दिया। इस कानून को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), लोक प्रहरी और जया ठाकुर समेत कई संगठनों और व्यक्तियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

याचिकाकर्ताओं ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी की नियुक्ति को भी असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की है। जया ठाकुर के वकील ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की पारदर्शिता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि इस सुनवाई में कम से कम एक घंटा लगेगा, जिस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हर याचिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन आज इस पर सुनवाई संभव नहीं।

अबुआ दिशुम अबुआ राज नहीं अबुआ दिशुम दिकू राज स्थापित करना चाहते हैं हेमंत सोरेन : रमाकांत महतो

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने हेमंत सोरेन एवं उनकी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि हेमंत सोरेन झारखंड में अबुआ दिशुम अबुआ राजनहीं बल्कि अबुआ दिशुम दिकू राज स्थापित करना चाहते हैं।यही कारण है कि राज्य में बनी लोकप्रिय नियोजन एवं स्थानीय नीति को निरस्त कर बगैर नीति बनाए बाहरियों को नौकरियां बेच रहें हैं।साथ ही सरकारी पैसा जो जनता की गाढ़ी कमाई है, अपने चेहरे चमकाने के लिए विज्ञापन में पानी की तरह बहा रहे हैं।और सरकार ढिंढोरा पिट रही है कि हम झारखंडी युवाओं को नौकरियां बांट रहे हैं जो सत्य से परे है।

रमाकांत महतो ने कहा कि विगत ५ वर्षों से अबतक के कार्यकाल के बीच जेएसएससी एवं सरकारी संस्थाओं के द्वारा जितने भी नियुक्तियां हुई हैं। उनमें से ७५ प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थी झारखंड राज्य के बाहर के हैं। महतो ने कहा कि हेमंत सरकार के द्वारा जितनी भी नियुक्तियां हुई हैं सभी में जमकर धांधली हुई। पेपर लीक हुए।कई मामले विवादों में घिरे। जेएसएससी चेयरमैन ने इस्तीफा दिया। मामला हाईकोर्ट पहुंचा। परन्तु सरकार कोर्ट की अवहेलना करने से भी पीछे नहीं रही। और नौकरियां बाहरियों को बेचते रही। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति हो या लेब टेक्नीशियन की या नगर विकास, आवास विभाग या फिर अन्य विभाग की हों। सरकार संरक्षित धांधलियां हुई। यहाँ तक कि जेपीएससी परीक्षा केंद्र भी अछूता नहीं रहा।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनौती देते हुए कहा कि हेमंत में यदि हिम्मत हो तो अबतक सरकार ने हजारों की संख्या में नियुक्तियां की है उसे श्वेत -पत्र जारी कर बताना चाहिए कि कितने बाहरी और कितने झारखंडी हैं।

रमाकांत महतो ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिकूओं के बीच घिरे हैं और भगवान बिरसा मुंडा,सिद्धू-कान्हू,नीलांबर-पीताम्बर वीर शहीदों के सपनों को नीलाम कर रहें हैं। बिनोद बाबू ,निर्मल महतो,दिशुम गुरु शिबू सोरेन के विचारों को चकनाचूर कर रहें हैं। महतो ने कहा कि झारखंड के ईमानदार आदिवासी, मूलवासी अधिकारियों को सेंटिंग कर बोली लगाकर मालदार पदों पर भ्रष्ट अधिकारियों की पोस्टिंग कर लूटने की खुली छूट दी गयी है।हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोप में जेल से बाहर निकली ईडी के मन करने के बावजूद पोस्टिंग की गई। ट्रांसफर पोस्टिंग उद्योग बन चुका है।

घूसखोरी चरम सीमा पर है।राज्य में भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया है। मईयाओं के खाते में हर महीने के ११ तारीख को राशि भेजने में सरकार विफल हो चुकी है। हांफ रही है सरकार।कभी भी वेंटिलेटर पर होगी ये निकम्मी सरकार।

राजद विधायक दल की बैठक 23 को, राज्य सरकार के कामकाज समेत अन्य मुद्दों पर होगी चर्चा

रांची (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक दल की बैठक २३ फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह महत्वपूर्ण बैठक हरमू बाईपास रोड स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में शाम ४ बजे से होगी।

बैठक में इन मुद्दों पर होगी चर्चा

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान करेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से राज्य सरकार के कामकाज, राज्य में पार्टी संगठन का विस्तार और उसकी मजबूती जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अन्य कई विषयों पर भी विचार विमर्श होगा, जो पार्टी और राज्य की राजनीतिक स्थिति से जुड़े होंगे। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक संजय कुमार सिंह यादव, मंत्री संजय प्रसाद यादव, विधायक नरेश सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे।

यह बैठक राजद के लिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसमें पार्टी के आगामी कार्यों और रणनीतियों को लेकर निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ ही राज्य सरकार के विभिन्न कार्यों पर भी विचार किया जाएगा, जिससे पार्टी की आगामी रणनीतियों को आकार मिल सके।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड पुलिस के लिए---

ड्रेस कोड का पालन नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से अब सख्ती से नियमों को लागू किया गया है।

वर्दी पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य

डीजीपी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाना अनिवार्य होगा। खासकर जब वे आम जनता से बातचीत कर रहे हों। इससे लोगों को यह जानने में आसानी होगी कि सामने वाला पुलिसकर्मी कौन है और किस इकाई से जुड़ा हुआ है।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की---

में शामिल करने की अपनी टिप्पणी पर फिर से जनरल द्विवेदी ने अपनी बात की। जनरल द्विवेदी ने कहा कि मेरा भाव यह था, जो हमारे इतिहास में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा गया था कि बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह झांसी वाली रानी थी। बता दें कि महिलाओं को सेना में शामिल करने के वह हिमायती रहे हैं। सेना प्रमुख ने इस दौरान हथियारों की बिक्री को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे यहां से विदेशों में हथियार भेजे जा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अब हथियार बनाने वाली कंपनियों को आसानी से लाइसेंस देने और छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि हम संवाद चाहते हैं। लेकिन जब जरूरी होगा, तब हम जंग से भी पीछे नहीं हटने वाले है। इस दौरान जब पूछा गया कि यदि किसी सेना कोई शहीद होता है, तब आप लोग कैसे परिवार को बताते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बेहद दर्दनाक अनुभव होता है। लेकिन हम एक परिवार की तरह काम करते हैं। सेना में इंजीनियर, आर्टी, इन्फैंट्री सहित सभी लोग एक परिवार जैसे हैं।

रांची नगर निगम की सख्त कार्रवाई की तैयारी 73 बड़े बकाएदारों को 3 दिन का अल्टीमेटम

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम ने राजस्व वसूली अभियान को तेज करते हुए ७३ बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की योजना बनाई है। ये बकाएदार अब तक नगर निगम द्वारा दिए गए कई नोटिसों के बावजूद अपने होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इन बकाएदारों पर कुल २.३३ करोड़ का बकाया है, जो नगर निगम के विकास कार्यों को प्रभावित कर रहा है।

100 बकाएदारों को भेजा था नोटिस

पहले भी नगर निगम द्वारा १०० प्रमुख बकाएदारों को नोटिस भेजकर बकाया कर का भुगतान करने की चेतावनी दी गई थी। इसके अलावा, निगम के टैक्स कलेक्टर और अधिकृत एजेंसियां भी इन बकाएदारों से संपर्क कर उन्हें कर जमा करने के लिए प्रेरित कर चुकी हैं। लेकिन ७३ बकाएदारों ने अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया है।

बकाएदारों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए, रांची नगर निगम ने २० फरवरी को इन सभी ७३ बकाएदारों को अंतिम नोटिस भेजने का निर्णय लिया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि २३ फरवरी तक बकाया कर का भुगतान नहीं किया जाता है, तो इन बकाएदारों की नागरिक सुविधाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी जाएंगी। इनमें कचरा संग्रहण सेवा और जलापूर्ति जैसी महत्वपूर्ण म्युनिसिपल सेवाएं शामिल हैं। यह कार्रवाई झारखंड नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, २०२१ की धारा ११ (१४) (६) के तहत की जा रही है, जो नगर निगम को यह अधिकार प्रदान करती है कि वह बकाया कर का भुगतान न करने पर नागरिक सुविधाएं निलंबित कर सके। नगर निगम ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे इस अंतिम चेतावनी को गंभीरता से लें और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने बकाए करों का भुगतान करें, ताकि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सकें।

ज्ञानेश कुमार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पद संभाला

नई दिल्ली (ईएमएस): नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले वे पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को अपना पद संभाल लिया है। वर्ष १९८८ बैच के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार देश के २६वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनाए गए हैं। नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले वे पहले सीईसी हैं। उनका कार्यकाल २६ जनवरी २०२९ तक रहेगा। इससे पहले सीईसी पद पर रहे राजीव कुमार १८ फरवरी को रिटायर हुए थे। ज्ञानेश कुमार के ४ साल के कार्यकाल के दौरान २० राज्य और १ एक केंद्र शासित प्रदेश (पुडुचेरी) में चुनाव होंगे। शुरुआत बिहार से होगी और अंतिम चुनाव मिजोरम में होगा।ज्ञानेश कुमार के अलावा विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। वे हरियाणा के मुख्य सचिव और १९८९ बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू अपने पद पर बने रहेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में १७ फरवरी को हुई बैठक में इन नियुक्तियों पर मुहर लगी थी। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए थे।

डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को इस तरह के खाने की होती है क्रेविंग

अवसाद से जूझ रहे लोगों को कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से भी संबंध हो सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक लगातार उदास मनोदशा से ग्रस्त रहने वाले अवसाद के रोगियों को भूख भी कम लगती है लेकिन जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर अवसाद से ग्रस्त लोगों में कभी-कभी भोजन के प्रति लालसा उत्पन्न हो जाती है।

इस अध्ययन के शोधकर्ता एवं बॉन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बॉन में चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर निल्स क्रोमर ने कहा, ''इन परिवर्तनों के कारण शरीर के वजन में भी बदलाव हो सकता है।'' साइकोलॉजिकल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में 117 प्रतिभागियों के समूह को शामिल किया गया - जिनमें से 54 अवसादग्रस्त जबकि 63 स्वस्थ थे।

इन लोगों को खाद्य संकेत प्रतिक्रिया कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसमें 60 खाद्य पदार्थों और 20 गैर-खाद्य पदार्थों को इस आधार पर रेटिंग दी गई कि वे उसे चाहते हैं या पसंद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसादग्रस्त लोगों में भोजन की इच्छा कम होती है, लेकिन पसंद में कमी नहीं आती।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, '' गंभीर अवसाद से ग्रस्त रोगियों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में उच्च वसा और उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को कम पसंद किया और कम रेटिंग दी।फ उन्होंने यह भी पाया कि ऐसे रोगियों के बीच वसा और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे दूध चॉकलेट के प्रति भी अधिक लालसा थी।

नीदरलैंड के मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा लिली थर्न ने कहा कि जबकि कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा आम तौर पर अधिक भूख से संबंधित होती है, अध्ययन से पता चला है कि कार्बोहाइड्रेट की लालसा अवसाद की समग्र गंभीरता, विशेष रूप से चिंता के लक्षणों से अधिक संबंधित है।

क्या टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए दवा समान है इमली?

आज के समय में डायबिटीज और मोटापे से पीड़ित लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है. ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का बेहद ध्यान रखना पड़ता है. एक बार यदि किसी इंसान को डायबिटीज हो जाए, तो उसे अपनी जीवनशैली में कई बदलाव करने पड़ते है, इसके साथ ही उन्हें अपने आहार में भी कुछ बदलाव करने पड़ते हैं, इसके अलावा, उन्हें नियमित दवाइयों का इस्तेमाल करना भी बंद नहीं करना पड़ेगा. यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति शुरू से ही अतिरिक्त सावधानी बरतने बेहद जरूरी है.

बहुत से लोगों के मन इस बात को लेकर संदेह रहता है कि क्या डायबिटीज मरीज इमली का सेवन कर सकते हैं. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि इमली के सेवन से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है या इससे कंट्रोल होता है, इस बारे में शोध क्या कहता है...

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद या नुकसानदायक

शोध के मुताबिक, अन्य फलों की तरह इमली भी हमारे शरीर को कई लाभ प्रदान करती है. इमली में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों भरपूर मात्रा में पाई जाती है. जब बात डायबिटीज मरीजों की आती है तो इमली का सेवन करना उनके लिए बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को ऑब्जर्व होने से बचाती है.

इमली डायबिटीज रोगियों में पैनक्रियाटिक टिश्यू की क्षति को ठीक करती है. इमली में मौजूद फाइबर और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह विशेष रूप से टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए फायदेमंद है. इमली इंसुलिन के स्राव को बढ़ाती है. जर्नल ऑफ मेडिसिनल फूड में प्रकाशित 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि इमली का रस इंसुलिन रिलीज को बढ़ाता है और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में सूजन को कम करने में मदद करता है.

इमली से मजबूत होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : इमली में कुछ ऐसे एसिड होते हैं जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. पेट दर्द या डायरिया में भी यह कारगर है. इमली के सेवन से दिल स्वस्थ रहता है. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे दिल की धमनियों के ब्लॉक होने का खतरा कम होता है. इमली में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाने में भी मदद करती है

इमली के अन्य लाभ क्या हैं?

इमली हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में मौजूद खनिजों को शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित करने में मदद करती है. शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है.

इमली शरीर में अपच को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

इमली ब्यूटी केयर में भी बहुत उपयोगी है. इमली मुंहासे और दाग-धब्बे जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने से लेकर चेहरे की चमक बढ़ाने तक हर काम के लिए उपयोगी है.

इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. इमली खाने से शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है. आयरन की कमी दूर होती है.

इमली में मौजूद म्यूसिलेज, पेक्टिन और अरेबिनोज पाचन प्रक्रिया को तेज करते हैं. यह आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया के उत्पादन को बढ़ाता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे खास तौर पर कब्ज से राहत मिलती है.

आइब्रो बनवाने के बाद होने वाली जलन से राहत देंगे ये 3 घरेलू उपाय, अगली बार खुशी से जाएंगी पार्लर

अकसर आईब्रो बनवाने के बाद महिलाएं त्वचा पर दाने निकलने, रेडनेस, जलन और दर्द की शिकायत करती हैं। ऐसा ज्यादातर वैक्सिंग या थ्रेडिंग के दौरान त्वचा को महसूस होने वाले खिंचाव की वजह से हो सकता है। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन इसका असर कई घंटों तक महिलाओं के चेहरे पर बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई बार दवा से लेकर घरेलू उपाय तक आजमाती रहती हैं। अगर आपको भी इस तरह की समस्या हर बार आईब्रो बनवाते समय झेलनी पड़ती है तो ये घरेलू उपाय आपकी मुश्किल को दूर करके राहत पहुंचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

थ्रेडिंग के बाद दर्द और जलन से निजात दिलाएंगे ये उपाय

ठंडा पानी

थ्रेडिंग के बाद त्वचा में होने वाली जलन और दर्द से राहत पाने के लिए आपको सबसे पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोना चाहिए। इसके अलावा आप प्रभावित जगह पर आइस पैक को एक कपड़े में लपेटकर 15 मिनट तक जलन वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाकर सूजन,जलन और लालिमा को कम करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल को त्वचा पर लगाकर थोड़ी देर मसाज करें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे का रस

खीरे का रस त्वचा को ठंडक और राहत देता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जलन को कम करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खीरे के टुकड़े काटकर प्रभावित जगह पर रगड़ें या फिर खीरे का रस निकालकर त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं। तय समय बाद चेहरा पानी से अच्छी तरह धो लें।

गुलाब जल

गुलाब जल भी त्वचा की जलन को शांत करने में फायदेमंद हो सकता है। गुलाब जल के इस उपाय को करने के लिए रूई में गुलाब जल डालकर प्रभावित क्षेत्र पर कुछ देर लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स यूज करने की क्या है सही उम्र, जानिए किन बातों का रखना चाहिए ख्याल

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा के लिए मौसम और उम्र के साथ स्किन केयर में बदलाव करना बहुत जरूरी है। हर उम्र में स्किन की जरूरत अलग-अलग हो सकती है। वैसे तो स्किन केयर में शामिल करने के लिए आपको कई प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप उम्र और स्किन टाइप के मुताबिक उन्हें नहीं चुनेंगे तो उनके इस्तेमाल से आपको कोई फर्क नहीं दिखेगा। बात जब एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने की होती है तो अधिकतर लोग कंफ्यूजन में रहते हैं कि आखिर इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किस उम्र से करें। अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है तो जानिए एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र और इस्तेमाल करते समय किन बातों को ध्यान में रखें।

क्या है एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र?

एक्सपर्ट के मुताबिक एंटी-एजिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल शुरू करने की सही उम्र 25 के बाद या 30 की शुरुआत तक है। क्योंकि यह वह समय है जब त्वचा का प्राकृतिक कोलेजन उत्पादन स्लो होने लगता है और उम्र बढ़ने के पहले लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में एक सही एंटी एजिंग क्रीम आपकी कई स्किन प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकती है।

किन बातों का रखें ध्यान

1) किसी भी एंटी एजिंग प्रोडक्ट खरीदने से पहले अपनी स्किन टाइप को जानें और उसी के मुताबिक प्रोडक्ट को चुनें।

2) एंटी एजिंग क्रीम सही उम्र में लगाना शुरू कर देना चाहिए। तभी ये प्रोडक्ट समय से पहले आने वाले एजिंग साइन को रोकने में मदद करेंगे।

3) भले ही आपको चेहरे पर झुर्रियां दिखाई न दें, फिर भी एक उम्र के बाद एंटी एजिंग प्रोडक्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करके आने वाले समय में एजिंग के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।

4) कम उम्र में एंटी-एजिंग प्रोडक्ट एजिंग साइन के लक्षणों को उलटने के बजाय झुर्रियों को रोकने और त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करते हैं।

आमलेट या उबले अंडे? स्वास्थ्य के लिए क्या है बेहतर?

अंडा एक संपूर्ण भोजन है. कई लोग नाश्ते में अंडे खाना पसंद करते हैं. अंडे खाना स्वास्थ्यवर्धक है. इसमें प्रोटीन, 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं. नियमित रूप से अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है. लेकिन कुछ लोगों को ऑमलेट खाना पसंद है. वे नाश्ते में ऑमलेट खाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि उबले अंडे में ऑमलेट की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं?

उबले अंडे : वेबएमडी के अनुसार, उबले अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है. यह मांसपेशियों की वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी है. इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं. जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है. अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन एक उबला अंडा खाने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है.

मस्तिष्क स्वास्थ्य : उबले अंडे मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं. अंडे में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला पोषक तत्व कोलीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक टीम द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है। इसके अलावा, उबले अंडे कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं.

ऑमलेट : ऑमलेट अंडे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन है. कई लोग ऑमलेट बनाने के लिए उसमें हरी मिर्च, हल्दी, प्याज और अन्य सब्जियां मिलाते हैं. कुछ लोग इसमें पनीर भी मिलाते हैं. इन सभी सामग्रियों को मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है. इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है. तेल और पनीर जैसी चीजें खाने से कैलोरी बढ़ जाती है. शरीर में अनहेल्दी फैट जमा हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है.

स्वास्थ्य के लिए कौन सा बेहतर है?

स्वास्थ्य के लिए अच्छा : उबले अंडे में सभी पोषक तत्व होते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि उबले अंडे ऑमलेट की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं.

अधिक स्वादिष्ट : एक ऑमलेट उबले अंडे से अधिक स्वादिष्ट होता है.

पौष्टिक तत्व : ऑमलेट में सब्जियां डालने से उसका पौष्टिक मूल्य बढ़ जाता है. लेकिन इसमें कैलोरी अधिक होती है.

उबले अंडे या ऑमलेट खाने के फायदे व्यक्ति के शरीर की जरूरतों पर निर्भर करते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए उबले अंडे खाना अच्छा है. विशेषज्ञों का कहना है कि ऑमलेट उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो समान पोषक तत्व अधिक मात्रा में प्राप्त करना चाहते हैं.

उबले अंडे खाने के फायदे

वजन घटाने के लिए फायदेमंद

पाचन संबंधी समस्याओं का सही समाधान

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मस्तिष्क के कार्य के लिए लाभदायक

मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

ऑमलेट खाने के फायदे

स्वस्थ वसा प्राप्त होती है

फायबरसमृद्ध पोष्टिक पदार्थ

पालक से भरा ऑमलेट शरीर में आयरन बढ़ाता है

ढेर सारी सब्जियों से बने ऑमलेट विटामिन सी का अच्छा स्रोत हैं

शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में करेंगे डेब्यू, एसेक्स के लिए खेलेंगे सात मैच

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में अपना पहला अनुभव हासिल करने के लिए तैयार हैं। 33 वर्षीय ठाकुर को 2025-26 काउंटी चैम्पियनशिप सीज़न के शुरुआती भाग में एसेक्स के लिए सात मैचों के अनुबंध पर साइन किया गया है। शार्दुल ठाकुर ने अपने इस नए सफर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं इस गर्मी में एसेक्स में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। यह मेरे लिए नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आएगा। काउंटी क्रिकेट हमेशा से मेरे लिए एक सपना रहा है और मैं ईगल्स का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं।'

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ठाकुर भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। वह आखिरी बार 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के लिए खेले थे। हालांकि, इस समय वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में उपयोगी पारियां खेलने की क्षमता ने मुंबई को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने ठाकुर को साइन करने को लेकर क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, 'हम एक ऐसे तेज गेंदबाज की तलाश में थे, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। शार्दुल इस भूमिका के लिए पूरी तरह फिट बैठते हैं और हम उन्हें अपनी टीम में शामिल कर बहुत खुश हैं।'

एसेक्स का हमेशा से बल्लेबाजी में गहराई और निचले क्रम में आक्रामक ऑलराउंडर रखने का दृष्टिकोण रहा है। ठाकुर का यह संक्षिप्त कार्यकाल उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा, जबकि एसेक्स को भी उनकी हरफनमौला क्षमताओं का फायदा मिलेगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट के अपने पहले सीज़न में एसेक्स के लिए कैसा प्रदर्शन करते हैं।

आईसीसी रैंकिंग में उलटफेर

श्रीलंकाई गेंदबाज ने किया नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा

नई दिल्ली। आईसीसी की ओर से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही दिन वनडे की नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस बार काफी ज्यादा बदलाव देखने के लिए मिल रहे हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान, जो अब तक वनडे में नंबर एक गेंदबाज हुआ करते थे, वे अचानक नीचे आ गए हैं और श्रीलंकाई खिलाड़ी ने पहले नंबर पर कब्जा कर लिया है। इस बीच भारत के कुलदीप यादव को जहां एक और फायदा मिला है, वहीं पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को नुकसान उठाना पड़ा है।

पाकिस्तान के शानदार गेंदबाजों में शुमार होने वाले महेश थीक्षणा अब आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें इस बार की रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई दो मैचों की वनडे सीरीज में महेश थीक्षणा ने कमाल का प्रदर्शन किया था, इसका फायदा उन्हें मिलता हुआ दिख रहा है। अब उनकी रेटिंग 680 की हो गई है।

इस बीच इससे पहले तक नंबर एक गेंदबाज रहे अफगानिस्तान के राशिद खान नीचे चले गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब 669 की रेटिंग के साथ नंबर दो पर हैं। इस बीच खास बात ये है कि महेश थीक्षणा चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि उनकी टीम श्रीलंका ने इसके लिए क्वालीफाई ही नहीं किया है। इसलिए वे अब मैच नहीं खेल पाएंगे, वहीं राशिद खान अपनी टीम अफगानिस्तान के लिए खेलते हुए दिखेंगे, ऐसे में उनके पास फिर से अपनी खोई हुई कुर्सी पाने का मौका होगा।

इस बीच अगर वनडे के गेंदबाजों की रैंकिंग में खास बातों पर गौर करें तो भारत के कुलदीप यादव को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 652 की है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी एक स्थान नीचे चले गए हैं। उनकी रेटिंग 646 की और वे नंबर 5 पर हैं। इस बीच न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर को पांच स्थानों का फायदा हुआ है। वे 639 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं।

कल से चैंपियंस ट्रॉफी का भी आगाज हो गया है। जो आठ टीमें इसमें खेल रही हैं, उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग में अगले सप्ताह भी बदलाव देखने के लिए मिलेगा। राशिद खान के अलावा कुलदीप यादव और शाहीन शाह अफरीदी जैसे गेंदबाजों के पास पहले नंबर पर पहुंचने का शानदार मौका होगा।

शुभमन गिल बने दुनिया के नंबर 1 ODI बल्लेबाज़

नई दिल्ली. आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को जोरदार झटका लगा है. लंबे समय से आईसीसी वनडे रैंकिंग में चली आ रही उनकी बादशाहत अब खत्म हो चुकी है. बुधवार को जारी ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल ने नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया. वनडे में नंबर एक की रैंकिंग हासिल करने वाले गिल भारत के महज चौथे भारतीय हैं.

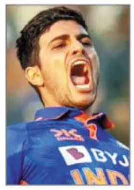

शुभमन गिल बुधवार (19 फरवरी) को पाकिस्तानी स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान बाबर आजम को पीछे छोड़ते हुए नए वर्ल्ड नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बन गए हैं. भारतीय ओपनर इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जमकर रन बनाए जिसका फायदा आईसीसी रैंकिंग में उनको मिला है. पंजाब के 25 साल के बैटर के पास 796 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जो बाबर (773) से 23 अधिक हैं. यह दूसरी बार है जब गिल वनडे रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंचे हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में गिल ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया. गिल ने नागपुर में खेले गए पहले मैच में 96 गेंदों पर 87 रन बनाए थे. कटक में खेले गए दूसरे मैच में 52 गेंदों पर 60 रन की पारी खेली थी. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीरीज के आखिरी मुकाबले में गिल ने धमाकेदार शतक जमाया था. इस दौरान उन्होंने 102 गेंदों का सामना किया और 14 चौके और तीन छक्के लगाए.

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का पहला मुकाबला आज

बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी रोहित ब्रिगेड

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से हो चुकी है। टीम इंडिया का पहला मैच आज यानी 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ है। इस मैच में टीम इंडिया का पलड़ा बांग्लादेश के ऊपर थोड़ा भारी नजर आता है, लेकिन पिछले 5 मैचों का रिकॉर्ड अगर देखें तो बांग्लादेश की टीम भारत पर भारी पड़ी है। बांग्लादेश की टीम में 5 ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं जिनसे टीम इंडिया को बचकर रहने की जरूरत है।

चैंपियंस ट्रॉफी का ये दूसरा मुकाबला होगा जो भारत और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। इस मैच का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा।

टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच आज तक चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सिर्फ एक ही मुकाबला हुआ है। वो मैच 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में हुआ था। उस दौरान टूर्नामेंट का आयोजन इंग्लैंड में हुआ था और भारत-बांग्लादेश की भिड़ंत बर्मिंघम में हुई थी। उस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 265 रनों का टारगेट दिया था। टीम इंडिया की तरफ से रोहित शर्मा की 123 रनों की पारी और विराट कोहली की नाबाद 96 रनों की बदौलत भारत ने उस मुकाबले को आसानी से जीत लिया था। आइए अब जान लेते हैं इस बार इन दोनों टीमों के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में होने वाले मैच की पिच रिपोर्ट।

भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मैच दुबई स्थित दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान और यूएई संयुक्त रूप से कर रहे हैं क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। भारत अपने सभी मैच यूएई में खेलेगा।

पाकिस्तानी फैंस ने अपने ही खिलाड़ियों से फेरा मुंह

खाली स्टेडियम में हुआ चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज

नई दिल्ली। तमाम पैंतरे, ताम-झाम और वाद-विवाद के बीच में चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज हो गया। पहले ओपनिंग सेरमनी को टाला गया उसके बाद स्टेडियम की जिस तरह की तस्वीर सांमने आई उससे एक बात तो साफ हो गई कि पाकिस्तान में टूर्नामेंट कराने से आईसीसी क्यों कतरा रही थी और जिस बात को डर था वो टूर्नामेंट के पहले दिन हो गया ।

लगभग 35 हजार दर्शको की क्षमता वाले कराची ने नेशनल स्टेडियम में बड़े जोश के साथ टीमें तो मैदान पर पहुंची पर मैदान पर पसरे सन्नाटे ने उनके जोश को ठंडा कर दिया. दोनों टीमों के कप्तान मिचेल सैंटनर और मोहम्मद रिजवान जब टॉस के लिए पिच पर पहुंचे तो ब्रॉडकास्टर का कैमरा गलती से स्टैंड की तरफ घूम गया और उसके बाद जो तस्वीर नजर आई उसको देखकर आईसीसी को भी करेंट लगा होगा।

वनडे क्रिकेट की गिरती लोकप्रियता को बचाने के लिए चैंपियंस ट्रॉफी को आईसीसी संजीवनी के तौर पर देख रही थी और उम्मीद कर रही थी कि पाकिस्तान के दर्शक बड़ी तादाद में स्टेडियम पहुंचेंगे पर जो पहले मैच में नजर आया वो हैरान करने वाला था। स्टेडियम में सिर्फ 4-5 हजार दर्शक थे और

कराची में लहरा रहा तिरंगा

विवाद के बाद भारत की मांग मानने को तैयार पाकिस्तान

दुबई। ड्रामेबाज पाकिस्तान एक बार फिर भारत के आगे घुटनों पर है। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से ठीक पहले कराची के नेशनल स्टेडियम में भारतीय तिरंगा लहराता दिखा। इससे कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक हरकत ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया था। गद्दाफी स्टेडियम का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें भारत को छोड़कर सभी भाग लेने वाले देशों के झंडे स्टेडियम की छत पर दिख रहे थे। इस घटना ने भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट संबंधों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया।

पीसीबी ने बाद में सफाई दी कि यह आईसीसी का निर्देश था। बीसीसीआई ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि मेजबान देश में भारतीय झंडे को जगह मिलनी चाहिए थी।

बांग्लादेश के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं विराट कोहली

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से हो रहा है, लेकिन भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट की शुरुआत 20 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यह मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के पास इतिहास रचने के मौका होगा।

दरअसल विराट कोहली का रिकॉर्ड वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ इस फॉर्मेट में कुल 16 मैच खेले हैं। उन 16 पारियों में विराट के बल्ले से 75.83 की औसत और 101.78 की स्ट्राइक रेट से 910 रन निकले हैं। इस दौरान विराट ने पांच शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं। ऐसे में अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 90 रन बना लेते हैं तो इस टीम के खिलाफ इस फॉर्मेट में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है, जिन्होंने इस टीम के खिलाफ 17 वनडे पारियों में 786 रन बनाए हैं।

वहीं ओवरऑल लिस्ट की बात करें तो वनडे फॉर्मेट में बांग्लादेश के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर के नाम है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 56 मैचों की 55 पारियों में 1508 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व दिग्गज कुमार संगकारा (1206 रन) का नाम है। तीसरे नंबर पर जिम्बाब्वे के एल्टन चिगुंबरा (1199) हैं और चौथे नंबर पर उनके साथी खिलाड़ी हैमिल्टन मसाकाद्ज़ा (1189) हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व दिग्गज ओपनर सनथ जयसूर्या (1030), वहीं उसके बाद लिस्ट में पूर्व कीवी बल्लेबाज रॉस टेलर (1010) का नाम है। अगर विराट अगले मैच में 90 रन बनाते हैं तो वो इस टीम के खिलाफ 1000 रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज बन जाएंगे।

विराट कोहली के हालिया फॉर्म की बात करें तो वो उतना अच्छा नहीं रहा है। वो हाल के दिनों में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे।

केरल में फुटबॉल मैच के दौरान चाइनीज पटाखों के कारण लगी आग

थेरट्टम्मल। केरल के थेरट्टम्मल में एरीकोड के पास सेवन-ए-साइड फुटबॉल के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। खचाखच भरे स्टेडियम में मैच शुरू होने से ठीक पहले अफरा तफरी का माहौल देखने को मिला जब अचानक से पटाखे जलने लगे। पटाखों के मिस फायर होने के कारण स्टेडियम के अंदर भगदड़ की स्थिति मच गई थी, जिसके कारण मैच देखने आए कई लोग घायल हो गए।

मैच शुरू होने से पहले स्टेडियम में आतिशबाजी की जानी थी। जैसे ही इसकी शुरुआत हुई पटाखे बेतरतीब तरीके से स्टेडियम में इधर-उधर फैल गए। अचानक से हुई इस घटना के कारण मैच देखने आए दर्शकों के समझ में भी कुछ नहीं आया। यह तब और ज्यादा भयावह हो गया जब पटाखे दर्शकों बीच में जाकर जलने लगे। नतीजा ये हुआ कई फैंस बुरी तरह से झुलस गए। ऐसे में आनन-फानन में घायल दर्शकों को पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया।

थेरट्टम्मल में फुटबॉल मैच के दौरान हुए इस हादसे को लेकर कहा जा रहा है कि चाइनीज पटाखों की वजह से दुर्घटना हुई है। इस हादसे के बाद अब यह जांच की जा रही है कि इस घटना में किसी गलती और कौन इसका जिम्मेदार है। क्योंकि समय रहते स्थिति को नहीं संभाला जाता तो इस घटना में हताहत बढ़ सकती थी। इसके अलावा अधिकारी इस चीज की भी जांच कर रहे हैं कि आतिशबाजी के प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या फिर नहीं।

बता दें कि सेवन-ए-साइड फुटबॉल मैच का यह फाइनल टक्कर थी। फाइनल के कारम ही क्लोजिंग सेरेमनी के लिए आतिशबाजी की जानी थी। फाइनल मैच यूनाइटेड एफसी नेल्लीकुथ और केएमजी मावूर के बीच था।

भारतीय महिला हॉकी टीम स्पेन से 3-4 से हारी, पुरुषों में जर्मनी ने टीम इंडिया को 4-1 से हराया

भुवनेश्वर। भारतीय महिला टीम को मंगलवार को एफआईएच प्रो लीग हॉकी प्रतियोगिता के रोमांचक मैच में स्पेन के हाथों 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम को खेल के हर क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन के कारण मंगलवार को इसी प्रतियोगिता में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला टीम पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में बलजीत कौर (19वें मिनट) के गोल की मदद से बढ़त बना ली थी लेकिन स्पेन ने दो मिनट बाद ही सोफिया रोगोस्की (21वें मिनट) के गोल की मदद से बराबरी कर ली। बलजीत का यह सीनियर स्तर पर पहला गोल था।

स्पेन ने भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा तथा दूसरे क्वार्टर में ही एस्टेल पेटचामे (25वें मिनट) के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया। साक्षी राणा ने 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रुताजा दादासो पिसल (45वें मिनट) के गोल की बदौलत उसने बढ़त हासिल कर ली। स्पेन ने हालांकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में शानदार वापसी की तथा एस्टेल (49वें मिनट) और लूसिया जिमेनेज (52वें मिनट) के गोल की मदद से अपनी जीत सुनिश्चित की। स्पेन ने यह दोनों गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। भारतीय महिला टीम अपने पिछले मैच में इंग्लैंड से हार गई थी।

दिनेश कार्तिक ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय स्क्वॉड पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय स्क्वॉड में 5 स्पिनरों को शामिल किया गया है। जिसमें रवींद्र जडेजा के अलावा अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और वरुण चक्रवर्ती का नाम शामिल है. अब सवाल है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय स्क्वॉड में 5 स्पिनरों की जरूरत थी? बहरहाल, इस सवाल का जवाब दिया है भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने। दिनेश कार्तिक का मानना है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय स्क्वॉड में 5 स्पिनरों का चयन बहुत ज्यादा है। इसके बजाय 4 स्पिनर्स का होना बेहतर होता. हालांकि, यह देखना मजेदार होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमेंट इन स्पिनरों का इस्तेमाल कैसे करते हैं। क्रिकबज के साथ बातचीत में दिनेश कार्तिक ने कहा कि 5 स्पिनर्स, मुझे लगता है कि यह बहुत ज्यादा है।

संक्षिप्त समाचार

एक्स गर्लफ्रेंड से किसी और ने की बात, शख्स ने 1000 किलोमीटर की दूरी तय कर जला दिया घर

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी गर्लफ्रेंड के लिए कुछ भी कर गुजरने के मामले आपने पहले भी सुने होंगें। हालांकि अमेरिका के शख्स ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के लिए ऐसा कुछ किया है, जिसे सुनकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। इस शख्स को किसी लड़के का अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से बात करना पसंद नहीं आया। इसके बाद उसने हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर उस लड़के के घर को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक उस वक्त घर में कम से कम छह लोग थे, जिन्हें बाद में बचा लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस आग में दो कुत्तों की मौत हो गई। वहीं छह घायल लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस ने बताया है मिशिगन के इस शख्स को हत्या की कोशिश और दूसरे छह मामलों गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को जारी किए गए बेन्सलेम पुलिस विभाग के बयान के मुताबिक पुलिस को 10 फरवरी को सुबह करीब 5 बजे पेंसिल्वेनिया के बेन्सलेम में एक घर में आग लगने की सूचना मिली। इमरजेंसी टीम और दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि दो मंजिला घर पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ था जहां छह लोग किसी तरह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। कुछ लोगों को जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदना पड़ा। पुलिस की जांच में बाद में यह बात सामने आई कि यह आग जानबूझकर लगाई गई थी। सीसीटीवी कैमरे में कैद वीडियो में एक शख्स किसी चीज को लेकर गाड़ी से निकालते, घर की ओर चला जाते और लगभग 15 मिनट बाद कार में वापस आता हुआ दिखा। संदिग्ध के इलाके से भागने के कुछ ही देर बाद घर में आग लगी। इसके बाद कार की पहचान कर पुलिस ने मिशिगन के ब्रायन जोन्स का पता लगा लिया। पुलिस को जोन्स के हाथों पर जलने के निशान भी मिले। पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

ट्रंप बोले- बाइडन युग के सभी अटॉर्नी बर्खास्त होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में न्याय विभाग के राजनीतिकरण का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, पहले कभी न्याय विभाग का इतना राजनीतिकरण नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा, मैंने बाइडेन युग के सभी अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, हमें तुरंत सफाई कर लोगों का विश्वास बहाल करना चाहिए। बकौल ट्रंप, अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी, जिसकी शुरुआत आज से होनी चाहिए।

उ. कोरिया ने अमेरिका एशियाई पड़ोसियों की योजनाएं बेतुकी बताईं

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने उसके परमाणु कार्यक्रमों को रोकने को 'बेतुकी' योजना बताते हुए अमेरिका व अपने एशियाई पड़ोसी देशों की मंगलवार को आलोचना की। उसने कहा कि वह अपने नेता किम जोंग-उन के नेतृत्व में अपनी परमाणु ताकत का विस्तार करने का प्रयास जारी रखेगा। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि उसे लगेगा कि उसकी सुरक्षा खतरे में है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 'निर्णायक जवाबी कार्रवाई' करेगा।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 30 आतंकवादी मार गिराए

इस्लामाबाद, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना आधारित अभियान (आईबीओ) में 30 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी थी। सोमवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरोघा क्षेत्र में आतंररोधी अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी तरीके से कब्जा कर लिया और 30 आतंकियों को मार गिराया। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और राज्यपाल खैबर पख्तूनख्वा ने सफल सैन्य अभियान के लिए पाकिस्तान सशस्त्र बलों को बधाई दी।

यूएस ने वीडियो जारी कर दिखाई क्रूरता, कहा- ऐसे हथकड़ी और जंजीरों में जकड़ निकाले जाते प्रवासी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन को लेकर व्हाइट हाउस ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया है, जिसमें डिपोर्ट किए जा रहे प्रवासियों को हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगाते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को व्हाइट हाउस के आधिकारिक पेज पर 41 सेकंड के क्लिप के रूप में पोस्ट किया गया है। इस वीडियो में पुलिस अधिकारी एक प्रवासी व्यक्ति को डिपोर्ट करने के लिए तैयार करते हुए दिखाए गए हैं, और उसे हाथों में हथकड़ी तथा पैरों में बेड़ियां लगाते हुए एयरपोर्ट पर ले जाया जा रहा है। इस वीडियो में किसी व्यक्ति का चेहरा दिखाई नहीं देता है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि उन लोगों के हाथों और पैरों को चेन से बांध दिया जाता है। टेस्ला के ष्टश्वह्र और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी सहयोगी एलन मस्क ने एक वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें अवैध प्रवासियों को डिपोर्टेशन फ्लाइट में चढ़ते हुए हथकड़ी और बेड़ियां पहने हुए दिखाया गया है। व्हाइट हाउस द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो पर मस्क ने हाहा वाह प्रतिक्रिया दी।

एक अन्य क्लिप में यह भी देखा जाता है कि एक प्रवासी व्यक्ति विमान में चढ़ने के लिए तैयार हो रहा है, और उसके पैरों में बेड़ियां बंधी हुई हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और इसके बाद इस मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने चिंता जताई है। उन्होंने सरकार से सवाल उठाए हैं कि इस तरह के कठोर कदम उठाए जा रहे हैं, जबकि अवैध प्रवासियों को सम्मानजनक तरीके से डिपोर्ट किया जाना चाहिए था। कुछ दिनों पहले ही, अमेरिका ने 112 अप्रवासी भारतीयों को डिपोर्ट किया था, जो ट्रंप प्रशासन के दौरान अवैध प्रवासियों को भारत वापस भेजने का तीसरा जत्था था। इससे पहले भी दो अन्य जत्थों में क्रमशः 116 और 104 भारतीयों को अमेरिका से भारत भेजा गया था।

अमेरिकी इमिग्रेशन और कस्टम्स एन्फोर्समेंट के अधिकारियों के पास अवैध प्रवासियों को विमान में ले जाने से पहले उनके हाथ और पैरों को चेन से बांधने का अधिकार है। यह एक संरचित प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे सुरक्षा कारणों से लागू किया जाता है। लेकिन जब विमान अपने गंतव्य पर पहुंचता है, तो अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होता है कि हथकड़ी और बेड़ियां तुरंत हटा दी जाएं। डिपोर्टेशन के दौरान इन प्रवासियों को कोई सामान ले जाने की अनुमति नहीं होती, सिवाय एक बैग के, जिसका वजन अधिकतम 18 किलोग्राम हो सकता है। इस बैग की जांच भी अधिकारियों द्वारा की जाती है।

व्हाइट हाउस के द्वारा जारी किए गए इस वीडियो पर विपक्षी सांसदों ने चिंता जताई है और सवाल पूछा है कि क्या इस तरह से अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया जाना उचित है। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया अत्यधिक कठोर और अमानवीय प्रतीत होती है। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए यह प्रक्रिया लागू की जाती है, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आइसीइ के नियमों के अनुसार, डिपोर्टेशन प्रक्रिया के दौरान इन प्रवासियों को उचित सुरक्षा उपायों के साथ ले जाया जाता है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। इस वीडियो के सामने आने के बाद, यह सवाल उठाया गया है कि क्या इस तरह की कार्रवाई को न्यायसंगत ठहराया जा सकता है, और क्या यह प्रक्रिया मानवीय अधिकारों का उल्लंघन करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले दशकों में और अधिक समृद्ध होगी: कतर के अमीर शेख तमीम

कतर एजेंसी।
कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने भारत की विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत प्रगति की सराहना की और भारतीय अर्थव्यवस्था के आगामी दशकों में निरंतर वृद्धि की उम्मीद जताई। उन्होंने कतर और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को लेकर।

अमीर ने मंगलवार को कहा, हमने भारत की अद्वितीय प्रगति देखी है और हमें यकीन है कि भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले दशकों में और अधिक समृद्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा, हमारे ऐतिहासिक संबंधों और साझा हितों के आधार पर, हम विश्वसनीय और सुरक्षित ऊर्जा स्रोत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग हमारे भविष्य के रणनीतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा। अल थानी ने भारत में मिली गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए कृतज्ञता व्यक्त की और कतर के भारत के साथ नजदीकी संबंधों को मजबूत करने के लिए कतर के संकल्प को दोहराया। उन्होंने आगे कहा कि मैं हमारे दो देशों के बीच संबंधों को मजबूत और सहायक बनाए रखने के हमारे दृढ़ संकल्प को फिर से व्यक्त करना चाहता हूं। मुझे आपके गर्म स्वागत और सम्मान के लिए धन्यवाद। बता दें कि कतर के अमीर, जो सोमवार को भारत के 2 दिवसीय दौरे पर आए थे, ने राष्ट्रपति भवन के सामने गार्ड ऑफ ऑनर और औपचारिक स्वागत प्राप्त किया। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत और कतर के रिश्ते सदियों पुराने हैं। कतर, पश्चिम एशिया के व्यापार और संस्कृति से भारत के संबंधों का अहम हिस्सा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मुझे कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में उनके दूसरे राजकीय दौरे पर स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। आपका यह दौरा हमारे ऐतिहासिक संबंधों और दोस्ती में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमारे दोनों देशों के बीच एक विशेष और जीवंत बंधन है। पारंपरिक नौकाओं, जिन्हें धाउ कहा जाता है, ने सदियों से दोनों देशों के बीच पारंपरिक व्यापार, परंपराएं, वस्तुएं, विचार और सांस्कृतिक मूल्यों का आदान-प्रदान किया है।

ट्रंप ने कहा- मैं पीएम मोदी का बहुत सम्मान करता हूं लेकिन हम भारत को 21 मिलियन क्यों दें ? उनके पास तो बहुत पैसा

न्यूयार्क एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''भारत में चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आवंटन के मकसद पर सवाल उठाया है। बिलियनेयर एलन मस्क द्वारा संचालित सरकारी कार्यदक्षता विभाग यानि डाग जिसने भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए दिए गए 21 मिलियन के अनुदान को खत्म करने के सवाल पर ट्रंप ने फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो निवास पर कहा, हम भारत को 21 मिलियन क्यों दे रहे हैं? उनके पास तो बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे ज्यादा टैक्स लेने वाले देशों में से एक हैं, और उनकी टैरिफ इतनी ज्यादा हैं कि हम मुश्किल से ही वहां व्यापार कर पाते हैं।

ट्रंप ने कहा कि मैं भारत और उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन देना उचित नहीं और फिर यहां हमारे वोटर टर्नआउट का क्या? उन्होंने साथ ही कहा, ''भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। उन्होंने ये टिप्पणियां एलन मस्क के नेतृत्व वाले ष्ठह्रत्रश्व द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद की कि 'ङ्कह्रष्ठ ने भारत में मतदान में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष (एयरोस्पेस) और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन (स्पेसएक्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क के नेतृत्व में 16 फरवरी को सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने उन सभी मदों की सूची बनाई जिन पर ''अमेरिकी करदाताओं के पैसे खर्च किए जाएंगे।

इस सूची में ''भारत में मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी शामिल था। सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने बताया कि इन सभी मदों को रद्द कर दिया गया है। इस सूची में ''बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने के लिए 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन, साथ ही नेपाल में ''राजकोषीय संघवाद के लिए दो करोड़ अमेरिकी डॉलर और वहां ''जैव विविधता संरक्षण के लिए 1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन भी शामिल है, जिन्हें रद्द कर दिया गया है।

हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, ''...भारत में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता हम क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत पैसा आता है। हमारे संदर्भ में भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। उनके शुल्क बहुत अधिक हैं... उन्होंने मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें संघीय सरकार द्वारा करदाताओं के पैसे की फिजूलखर्ची के बारे में 'आमूल-चूल पारदर्शिता की आवश्यकता वाले ज्ञापन शामिल थे।

ड्रैगन की हिमाकतः ऑस्ट्रेलिया के समुद्र में चीनी युद्धपोतों का शक्ति प्रदर्शन !

लगाया 150 मील लंबा राऊंड, पीछा करती रही ऑस्ट्रेलियाई नौसेना

बीजिंग एजेंसी।
दुनिया पर कब्जे की महत्वकांक्षा रखने वाले चीन की हिमाकत बढ़ती जा रही है। ताइवान और जापान के क्षेत्रों में घुसपैठ के बाद अब चीनी युद्धपोतों ने ऑस्ट्रेलिया के समुद्र में शक्ति प्रदर्शन किया जबकि ऑस्ट्रेलियाई नौसेना पीछा करती रह गई। ऑस्ट्रेलियाई नौसेना चीन के युद्धपोतों का पीछा कर रही है, जो सिडनी के 150 समुद्री मील पूर्व में यात्रा कर रहे हैं। यह चीन की नौसेना द्वारा ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर अब तक की सबसे दूर की यात्रा है। एक सप्ताह पहले, चीन का एक नौसेना समूह जिसमें दो

युद्धपोत और एक आपूर्ति पोत शामिल हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट पर दिखाई दिया था। इस घटना को लेकर जानकारों का कहना है कि यह अभूतपूर्व है, क्योंकि चीन की नौसेना अब तक इतने दक्षिण तक नहीं आई थी। वे यह भी कहते हैं कि बीजिंग अब अपने शक्ति प्रदर्शन को प्रथम और द्वितीय द्वीप श्रृंखला से बाहर और भी दक्षिणी क्षेत्रों तक बढ़ा रहा है, जो जापान से इंडोनेशिया तक फैलती है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ये युद्धपोत अंतरराष्ट्रीय जल में यात्रा कर रहे हैं। इसमें शामिल युद्धपोतों में एक फ्रिगेट हेंगयांग और एक क्रूजर जुनयी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अपनी सैन्य शक्ति को एशिया से बाहर फैलाने की कोशिश कर रहा है। पैट्रोलिंग बढ़ा रही है। यह चीन की महत्वाकांक्षाओं का संकेत है, जो ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी प्रभाव से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रही है। यह घटना उस समय हुई जब अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहे थे, जहां उन्होंने रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस और विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात की। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग और चीनी रक्षा मंत्रालय ने इस पर टिप्पणी देने से तुरंत इंकार कर दिया।

बांग्लादेश ने सार्क में नई जान फूंकने के लिए मांगा भारत का समर्थन

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने मस्कट में एक बहुपक्षीय सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक में दक्षेस को पुनर्जीवित करने के लिए भारत से समर्थन मांगा है। रविवार को मस्कट, ओमान में 8वें हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हुसैन ने 1996 में हस्ताक्षरित गंगा जल संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने की मांग की और दक्षेस स्थायी समिति की बैठक बुलाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा इस मामले में नई दिल्ली से समर्थन का अनुरोध किया।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस या सार्क) के पुनरुद्धार पर जोर दे रही है, जिसे भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है। बैठक के बाद 'एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने दक्षेस का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की। बातचीत हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ बिम्सटेक पर भी केंद्रित थी। इस साल 2 से 4 अप्रैल तक बैंकॉक में होने वाले छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद बांग्लादेश थाईलैंड की जगह अध्यक्ष बन जाएगा। बयान में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में दोनों पड़ोसियों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचाने और उनसे निपटने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर चर्चा की। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर मुलाकात के बाद दोनों विदेश मंत्रियों की यह दूसरी भेंट थी। इससे एक महीने पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंसक छात्र आंदोलन के बाद पद छोड़ना पड़ा था और यूनुस ने सत्ता संभाली थी। हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे। हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई थी, साथ ही बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले भी हुए थे, जिससे नई दिल्ली में गहरी चिंताएं पैदा हुई थीं। बांग्लादेश और भारत के बीच 4,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा है, वहां भी छिटपुट अशांति भी देखने को मिली है। दोनों देशों के सीमा बलों के प्रमुख इस हफ्ते नई दिल्ली में वार्षिक सम्मेलन में मिलने वाले हैं। बयान में कहा गया है, ''दोनों पक्षों ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के महानिदेशकों के स्तर पर बैठक 18-20 फ़रवरी, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार और भारतीय विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि बैठक के दौरान सीमा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और उनका समाधान निकाला जाएगा।

मेक्सिको के समुद्र तट के पास तैरती हुई पहुंची दुर्लभ मछली वीडियो में हुई कैद !

मेक्सिको एजेंसी।
समुद्र में असंख्य जीव-जन्तु रहते हैं जिनमें से कुछ जीव इंसानों के लिए अनजाने होते हैं। ये जीव गहरे समुद्र में रहते हैं लेकिन कभी-कभी समुद्र तट या सतह पर आ जाते हैं। हाल ही में मेक्सिको के समुद्र तट पर एक दुर्लभ मछली देखी गई जिसे देखकर लोग किसी बड़ी अनहोनी की आशंका जताने लगे।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक सफेद और चमकदार रंग की मछली समुद्र तट पर तैरती हुई दिखाई दी। पहली नजर में यह मछली नहीं बल्कि एक सांप जैसी दिख रही थी। इस मछली को देखकर लोग हैरान हो गए और उन्होंने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

यह मछली ओरफिश थी जो समुद्र के गहरे पानी में पाई जाती है। यह मछली बहुत ही दुर्लभ मानी जाती है और कभी-कभी ही समुद्र तट या सतह पर नजर आती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मछली समुद्र तट पर छटपटा रही थी लेकिन कुछ समय बाद हिलना-डुलना बंद कर दिया और एक व्यक्ति ने इसे वापस पानी में डाल दिया।

ओरफिश को प्रलय की मछली भी कहा जाता है क्योंकि मान्यता है कि जब यह मछली समुद्र की गहराई से बाहर आती है तो यह किसी बड़े विनाशकारी घटना का संकेत होती है। ऐसा माना जाता है कि यह मछली

समुद्र की गहराई से तब बाहर आती है जब कोई प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप या सुनामी आने वाली होती है। ओरफिश और भूकंप का संबंध जापान में 17वीं शताब्दी से यह मान्यता है कि ओरफिश का समुद्र तट पर दिखाई देना एक भूकंप का संकेत होता है। जापानी लोककथाओं में यह कहा जाता है कि ओरफिश समुद्र देवता रयुजिन का संदेशवाहक है। इसे रयुगु नो त्सुकाई के नाम से भी जाना जाता है जिसका अर्थ है समुद्र देवता का दूत। कहा जाता है कि यह मछली भूकंप के बारे में चेतावनी देने के लिए सतह पर आती थी।

वहीं मेक्सिको के समुद्र तट पर दिखाई दी यह दुर्लभ ओरफिश लोगों के बीच चिंता का कारण बन गई है। हालांकि यह केवल एक मान्यता है लेकिन इसे लेकर समाज में जो डर और आशंका है वह अब भी कायम है। लोग इस मछली के समुद्र तट पर दिखाई देने को किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के संकेत के रूप में मानते हैं।

अमेरिका से निर्वासित 299 लोग पनामा के होटल में कैद, खिड़कियों पर लिखा-" मदद करें !

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा निर्वासित किए गए विभिन्न देशों के लगभग 300 लोगों को पनामा ने एक होटल में हिरासत में रखा है तथा अंतरराष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा उनकी स्वदेश वापसी की व्यवस्था किए जाने तक उन्हें वहां से जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि 40 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी अपने वतन स्वेच्छा से लौटना नहीं चाहते और होटल के कमरों की खिड़कियों पर इन प्रवासियों ने ''मदद करें और ''हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं जैसे संदेश लिख रखे हैं। ये प्रवासी ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन सहित अन्य देशों से हैं। अमेरिका को इनमें से कुछ देशों में सीधे निर्वासित करने में कठिनाई होती है, इसलिए पनामा को एक पड़ाव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक अब्रेगो ने मंगलवार को कहा कि पनामा और अमेरिका के बीच प्रवास

समझौते के तहत प्रवासियों को चिकित्सकीय देखभाल और भोजन मुहैया कराया जा रहा है। अमेरिका इस अभियान का सारा खर्च वहन करेगा। इस समझौते की घोषणा इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की यात्रा के बाद की गई थी। पनामा नहर पर नियंत्रण वापस लेने की ट्रंप की धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव का सामना कर रहे पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने पिछले बृहस्पतिवार को निर्वासितों की पहली उड़ान के आगमन की घोषणा की थी।

घर में सुख शांति के सरल उपाय

हर इंसान चाहता है कि मेरे घर में सुख-शांति हमेशा बनी रही। लोग बहुत परेशान होते हुए भी कुछ नहीं समझ पाते की हमें अब क्या करना चाहिए। खबर यह है कि गृहस्थ व्यक्ति हमेशा कामना करता है कि उसके घर मे शांति हो, लेकिन उसके प्रयासों के बाद भी कोई न कोई बात ऐसी हो जाती है, जो उसके मन को अशांत कर देती है ऐसे में उसके कारणों की खोज परोक्ष रूप में करनी चाहिए। लहसुन की गांठ घर में रखने से सर्प कभी घर में प्रवेश नहीं करता। जो व्यक्ति यह समझता है कि घर के लोग उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा सही होता है। ऐसे व्यक्ति को नियमित रूप से जल में थोड़ा-सा गुड मिलाकर निम्मलिखित मंत्र के साथ सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए।
यदि आपके घर में प्रतिदिन कभी भी किसी भी चीज की संपन्नता स्थिर नहीं रह पाती है तो अपने घर में महालक्ष्मी शंख को रखें, शाम में यंत्र को एकटक निहारते हुए श्रीं श्रीयेयै नम- का नियमित जप करें। जितनी अधिक संख्या में कर सकते हैं, उतना ही अच्छा है। यदि आपके घर में प्रतिदिन कोई न कोई मुसीबत आती है और आपको लगात है कि कोई आप पर तंत्र-मंत्र करवाता है तो आप किसी भी शुक्लपक्ष के सोमवार को नवदुर्गा यंत्र को घर के मुख्य द्वार पर लगाकर रोज 21 बार ऊँ ह्रीं दुर्गायै नम- का नियमित जप करें।
गीता के 11वें अध्याय के 36वें श्लोक को गत्ते पर लाल स्याही से लिखकर टांग देने से घर की समस्त बाधाएं दूर हो जाती हैं। जिस घर में नियमित रूप से अथवा प्रत्येक शुक्रवार को श्रीसूक्त या श्रीलक्ष्मी सूक्त पाठ होता है। उस घर में सदा लक्ष्मी का वास होता है।

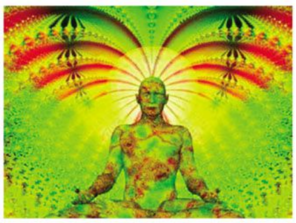

विश्रांति घाट

श्री कृष्ण ने स्नान कर किया था विश्राम

ततो विश्रांति तीर्थाख्यं तीर्थमहो विनाशनम। संसारमरू संचार क्लेश विश्रांतिदं नृणाम।

संसार रूपी मरूभूमि में भटकते हुए, त्रितापों से पीड़ित हर तरह से निराश्रित, विविध क्लेशों से क्लांत होकर जीव श्री कृष्ण के इस महातीर्थ में स्नान कर विश्राम अनुभव करता है इसलिए इस तीर्थ का नाम विश्रांति या विश्राम घाट है। विश्राम घाट की संरचना दो-मंजिली है। इसे बनाने के लिए लखोरी ईंट व चूने, लाल एवं बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। घाट को बुर्ज व खंभों पर बने अर्द्ध-गोलाकार, कांटेदार मेहराबों से सुसज्जित किया गया है। घाट का मध्य क्षेत्र खिले हुए आकर्षक रंगों से सजा हुआ है। यह तीन तरफ से मठों से घिरा हुआ है व चौथी तरफ सीढियां नदी में उतर रही हैं। मध्य क्षेत्र में संगमरमर से निर्मित श्री कृष्ण व बलराम की मूर्तियां नदी की ओर मुख करके स्थापित हैं। मूर्तियों के सामने पांच विभिन्न आकार के मेहराब हैं। बीच का मेहराब पत्थर के कुर्सी आधार व पत्थर के छोटे स्तंभ से निर्मित आयताकार है, जबकि नदी की तरफ वाले मेहराब ऊपरी मंजिल का सहारा लेकर छतरी की आकृति बनाते हैं। यहां अनेक संतों ने तपस्या की एवं अपना विश्राम स्थल बनाया। उक्त घाट पर भारत के धर्मभीरू राजाओं ने तुलादान (एक पलड़े में स्वयं व दूसरे में अपने वजन के सोना-चांदी जवाहरात) किए थे। तुला को लटकाने के मेहराब आज भी लगे हैं। विश्राम घाट के उत्तर में 12 और दक्षिण में 12 घाट हैं। दक्षिण दिशा के घाटों पर समाधियां जिनमें शंकरजी के मंदिर हैं। ये समाधियां सिंधिया परिवार से संबंधित हैं। देखभाल के अभाव में उक्त समाधियां जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गई हैं। उत्तर दिशा के घाटों में गणेशतीर्थ घाट है, चक्रतीर्थ, कृष्णगंगा, स्वामीघाट, असिकुंड तीर्थ आदि हैं। जब शिवाजी महाराज आगरा किले से औरंगजेब की कैद से निकले तब मां जगदंबा (महाविद्या) की पूजा-अर्चना करके स्वर्ण छत्र चढ़ाया। तत्पश्चात गणेशजी का पूजन कर सीधे महाराष्ट्र के प्रतापगढ़ के लिए प्रस्थान किया। गणेशजी व मां जगदंबा के मंदिर आज भी उक्त स्थलों पर हैं। भगवान श्री कृष्ण ने कंस का वध कर इस स्थान पर विश्राम किया था इसलिए यहां की महिमा अपरंपार है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाबलशाली कंस को मारकर ध्रुव घाट पर उसका अंत्येष्टि संस्कार करवाकर बंधु-बांधवों के साथ यमुना के इस पवित्र घाट पर स्नान कर विश्राम किया था। किंतु भगवान से भूले-भटके जन्म-मृत्यु के अनंत, अथाह सागर में डूबते-उबरते हुए क्लांत जीवों के लिए यह अवश्य ही विश्राम का स्थान है।

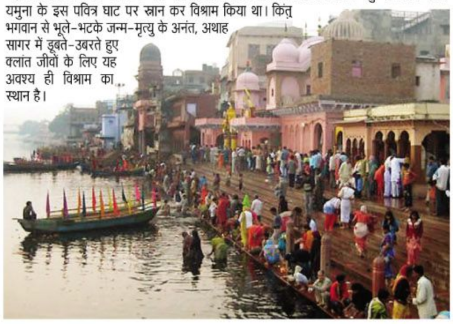

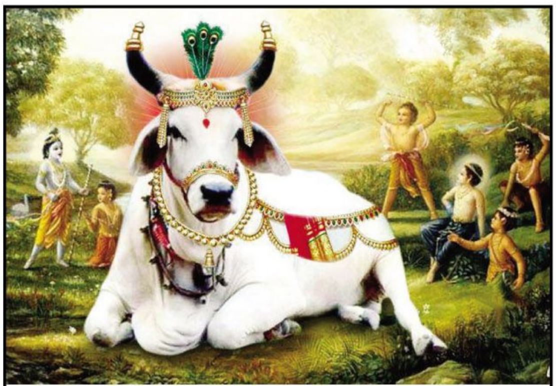

वास्तु दोषों का निवारण करती है गाय

वास्तु के अनुसार अगर भवन, घर का निर्माण करना हो यदि वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांधा जाए तो वहां संभावित वास्तु दोषों का स्वत- निवारण हो जाता है। वह कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आतीं। गाय के रूप में पृथ्वी की करुण पुकार और विष्णु से अवतार के लिए निवेदन के प्रसंग बहुत प्रसिद्ध हैं। 'समरांगण सूत्रधार' जैसा प्रसिद्ध वृहद् वास्तु ग्रंथ गो रूप में पृथ्वी-ब्रह्दि के समागम-संवाद से ही आरंभ होता है। वास्तुग्रंथ 'मयमतम' में कहा गया है कि भवन निर्माण का शुभारंभ करने से पूर्व उस भूमि पर ऐसी गाय को लाकर बांधना चाहिए जो सवत्सा या बछड़े वाली हो। शास्त्रों में लिखा हैं की जब नवजात बछड़े को जब गाय दुलारकर चाटती है तो उसका फेन भूमि पर गिरकर उसे पवित्र बनाता है और वहां होने वाले समस्त दोषों का निवारण हो जाता है। यही मान्यता वास्तुप्रदीप, अपराजितपृच्छा आदि में भी आई है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि गाय जहां बैठकर निर्भयतापूर्वक सांस लेती है, उस स्थान के सारे पापों को खींच लेती है-

निविष्टं गोकुलं यत्र श्वांस मुंचति निर्भयम।
विराजयति तं देशं पापं चास्याप कर्षति॥

यह भी कहा गया है कि जिस घर में गाय की सेवा हो, वहां पुत्र-पौत्र, धन, विद्या, सुखादि जो भी चाहिए, मिल सकता है। यही मान्यता अत्रिसंहिता में भी आई है। अत्रि ने तो यह भी कहा है कि जिस घर में सवत्सा धेनु नहीं हो, उसका मंगल-मांगल्य कैसे होगा?

गाय का घर में पालन करना बहुत लाभकारी है। ऐसे घरों में सर्वबाधाओं और विघ्नों का निवारण हो जाता है। जिस घर में गाय रहती है उसमें रहने वाले बच्चों में भय नहीं रहता। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गए तो नंद दंपती ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया। सवत्सा गाय के शकुन लेकर जाने से कार्य सिद्ध होता है। पद्मपुराण, और कूर्मपुराण में कहा गया है कि कभी गाय को लांघकर नहीं जाना चाहिए। किसी भी साक्षात्कार, उच्च अधिकारी से भेंट आदि के लिए जाते समय गाय के रंभाने की ध्वनि कान में पड़ना शुभ है। संतान लाभ के लिए घर में गाय की सेवा अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण व स्कंदपुराण में कहा गया है कि गो सेवा और गोदान से यम का भय नहीं रहता। गाय के पांव की धूली का भी अपना महत्व है। यह पाप विनाशक है, ऐसा गरुड़पुराण और पद्मपुराण का मत है।

हनुमानजी करेंगे हर समस्या का समाधान

मंगलवार और शनिवार को रामभक्त हनुमान जी की पूजा की जाती है। इन दोनों दिन हनुमान जी का व्रत व पाठ करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। सुंदरकांड का पाठ करके हनुमान जी को प्रसन्न किया जा सकता है। यदि मंगलवार के दिन व्रत किया जाए तो मंगल दोष से भी मुक्ति मिलती है। यहां कुछ मंत्रों के बारे में बताया गया है जिनके जाप मात्र से व्यक्ति की विवाह, विद्या व रोग संबंधी सभी समस्याओं का हल हो जाता है।
इस मंत्र का जाप करने से विद्यार्थियों की बल बुद्धि में बढ़ौत्तरी होती है।

बुद्धिहीन तनु जान के सुमिरो पवन कुमार
बल बुद्धि विद्या देहु मोहि हरहु कलेश विकार।

व्यक्ति को किसी प्रकार की पीड़ा या रोग है तो मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र के जाप मात्र से निवारण हो जाएगा।

हनुमान अंगद रन गाजे हांक, सुनत रजनीचर भाजे।

लड़की या लड़के के विवाह में विलंब हो रहा है तो किसी भी मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र का जाप करें। इससे विवाह शीघ्र होने के योग बनते हैं।

मास दिवस महुं नाथु न भावा, तो पुनि मोहि जिअत नहि पावा।

33 करोड़ नहीं 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में

हिंदू धर्म के बारे में कई ऐसी जानकारियां हैं जो बहुत ज्यादा लोगों को पता नहीं है। ऐसे में कुछ खास और गूढ जानकारियों को हम आपके साथ बांट रहे हैं

देवभाषा संस्कृत में कोटि के दो अर्थ होते है, कोटि का मतलब प्रकार होता है और एक अर्थ करोड़ भी होता। हिन्दू धर्म का दुष्प्रचार करने के लिए ये बात उडाई गयी है कि हिन्दुओ के 33 करोड़ देवी देवता हैं। विद्वानों के अनुसार कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में - 12 प्रकार हैं आदित्य- धाता, मित, आर्यमा, शक्रा, वरुण, अँश, भाग, विवास्वान, पूष, सविता, तवास्था, और विष्णु...! 8 प्रकार में हैं वासु- धर, ध्रुव, सोम, अह, अनिल, अनल, प्रत्युष और प्रभाष। 11 प्रकार हैं- रुद्र, हर, बहुरुप,त्रयँबक,अपराजिता, बृषाकापि, शँभू, कपार्दी, रेवात, मृगव्याध, शर्वा, और कपाली एवं दो प्रकार हैं अश्विनी और कुमार। कुल- 12+8+11+2=33
भारतीय संस्कृति के बारे में कुछ और भी जानना उचित रहेगा-
दो पक्ष- कृष्ण पक्ष, शुक्ल पक्ष।
तीन ऋण -देव ऋण, पितृ ऋण, ऋषि ऋण।
चार युग - सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग
चार धाम - द्वारिका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम धाम
चारपीठ - शारदा पीठ (द्वारिका), ज्योतिष पीठ (जोशीमठ बद्रिधाम), गोवर्धन पीठ (जगन्नाथपुरी), श्रन्गेरिपीठ!
चार वेद- ऋग्वेद, अथर्वेद, यजुर्वेद, सामवेद! चार आश्रम - ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास!
चार अंत:करण - मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार!
पंच गव्य - गाय का घी, दूध, दही,गोमूत्र, गोबर!
पञ्च देव - गणेश, विष्णु, शिव, देवी,सूर्य!
पंच तत्त्व - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश!
छह दर्शन - वैशेषिक, न्याय, सांख्य,योग, पूर्व मिसांसा, दक्षिण मिसांसा!
सप्त ऋषि - विश्वामित्र, जमदाग्नि, भरद्वाज, गौतम, अत्री, वशिष्ठ और कश्यप!
सप्त पूरी -अयोध्यापूरी,मथुरा पूरी, माया पूरी (हरिद्वार), काशी, कांची (शिन कांची - विष्णु कांची), अवंतिका और द्वारिका पूरी!
आठ योग - यम, नियम, आसन,प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधी !
आठ लक्ष्मी - आग्घ, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग एवं योग लक्ष्मी!
नव दुर्गा -शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी,चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री!
दस दिशाएं - पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, इशान, नेऋत्य, वायव्य, अग्नि, आकाश एवं पाताल!
मुख्य 11 अवतार - मत्स्य, कच्छप, वराह,नरसिंह, वामन, परशुराम,श्री राम, कृष्ण, बलराम, बुद्ध, एवं कल्कि!
बारह मास - चेत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, अषाढ, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फागुन!
बारह राशी - मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, कन्या।
बारह ज्योतिर्लिंग - सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओमकारेश्वर, बैजनाथ, रामेश्वरम, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, केदारनाथ, घुष्नेश्वर,भीमाशंकर, नागेश्वर।
पंद्रह तिथियां- प्रतिपदा,द्वितीय, तृतीय, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी,दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा, अमावष्या!
19 स्मृतियां - मनु, विष्णु, अत्री, हारीत, याज्ञवल्क्य, उशना, अंगीरा, यम, आपस्तम्ब, सर्वत, कात्यायन, ब्रहस्पति, पराशर, व्यास, शांख्य, लिखित, दक्ष, शातातप, वशिष्ठ!